केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
16 वर्षों से निरंतर....
Website:- www.malwaherald.com
RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

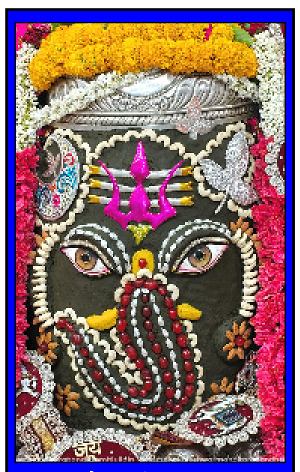

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार
दोस्त, किताब, रास्ता और सोच गलत हों तो गुमराह कर देते हैं, और सही हों तो जीवन बना देते हैं

वर्ष : 16 अंक : 325 | उज्जैन, गुरुवार 07 मई 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

प्रदेश में तैयार है उद्योग का केनवास, अब रंग भरने का समय : मुख्यमंत्री

सफल उद्यमी वही हैं जो दें कम समय और संसाधनों में श्रेष्ठ परिणाम

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में उद्योगों के लिए नई भूमि और उसका केनवास तैयार हो चुका है, अब हम उद्योगपतियों के साथ मिलकर योजनाओं और नीतियों के सहारे रंग भरने का काम कर रहे है। इसमें नवउद्यमिता के लिए पर्याप्त नए अवसर सृजित किये जा रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प अनुसार देश की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ हो रही है। दक्षिण के द्वार के नाम से प्रसिद्ध बुरहानपुर, प्रदेश के विकास का द्वार है।बुरहानपुर में उद्यम और परिश्रम के संस्कार हैं, जिले के लोगों के हुनर बहुमुखी हैं। कृषि से लेकर उद्योगों तक सभी क्षेत्रों में बुरहानपुर में गतिशीलता का वातावरण है। बुरहानपुर के विकास को नई दिशा देने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है।सरकार बुरहानपुर की क्षमता और योग्यता को वैश्विक स्तर तक पहुंचाने के लिए स्थानीय उद्योग जगत के साथ परस्पर विश्वास, सहयोग और साझेदारी के साथआगे बढ़ेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बुरहानपुर के सुखपुरी को इंडस्ट्रियल बेल्ट के रूप में विकसित किया जाएगा, साथ ही औद्योगिक क्षेत्र रेहटा में नवीन मार्ग भी बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुरहानपुर के श्री परमानंद गोविंदजी वाला ऑडिटोरियम परिसर में आयोजित उद्यमी संवाद को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने ऑडिटोरियम परिसर में उद्यमियों के उत्पादों का अवलोकन किया तथा उनसे संवाद भी किया। कार्यक्रम में जल संसाधन मंत्री श्री तुलसी सिलावट तथा बुरहानपुर विधायक एवं पूर्व मंत्री श्रीमती अर्चना चिटनीस विशेष रूप से उपस्थित थीं।

व्यापारिक कल्याण बोर्ड के गठन से संभावनाओं को मिलेगा नया आयाम- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए 24×7 सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। हमारा मुख्य लक्ष्य तेजी से उद्योगों की स्थापना कर स्थानीय युवाओं को रोजगार से जोड़ना है। इसी उद्देश्य से वर्ष 2025 उद्योग और रोजगार वर्ष के रूप में मनाया गया था। शासन द्वारा प्रदेश में उद्योगों के विकास के लिए हर स्तर पर कार्य किया जा रहा है। मंत्रि-परिषद द्वारा मंगलवार 05 मई, 2026 को ही प्रदेश में राज्य व्यापारी कल्याण बोर्ड और जिला स्तरीय समितियों के गठन को मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि जिला स्तर पर संचालित विकास गतिविधियों में जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारियों के साथ ही जन सामान्य की भूमिका सुनिश्चित करने के लिए विकास समितियां गठित की गई हैं। हम चाहते है कि विश्व में सामग्री सप्लाई करने वाले उद्योगपति हमारे देश और प्रदेश के हों, इसी लक्ष्य के साथ प्रदेश में औद्योगिक अधोसंरचना का केनवास तैयार किया जा रहा है।

पुराने कानून खत्म कर औद्योगिक विकास के नए नियम बनाये- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य शासन ने उद्योगों के विकास के लिए उद्योग मित्र नीतियां बनाई हैं। निरर्थक हो चुके कानून खत्म कर नए नियम बनाकर उद्योगों के लिए नए रास्ते और अवसर तलाशे गए हैं। तुअर दाल पर लगने वाले टैक्स को समाप्त किया गया, अब आगे कपास को लेकर भी विचार किया जा रहा है। यह सब उद्यमियों से संवाद के बाद किया गया। इस तरह से उद्योगों के हित में लगातार काम किया जाएगा। प्रदेश में पिछले वर्ष को उद्योग एवं रोजगार वर्ष के रूप में मनाया गया। वर्तमान में कृषक कल्याण वर्ष के रूप में गतिविधियां जारी हैं। बुरहानपुर क्षेत्र में कृषि संबंधी गतिविधियों भी का पर्याप्त विस्तार है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि केले और कपास के बिना बुरहानपुर की बात अधूरी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्थानीय समस्याओं पर सकारात्मक विचार रूप से विचार करते हुए उनका समाधान निकाला जाएगा। ताप्ती मैया की कृपा से बुरहानपुर उद्योग और कृषि के क्षेत्र में निरंतर प्रगति करेगा।

भारत आर्थिक शक्ति के रूप में विश्व में बना रहा है अपना स्थान- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कम समय और संसाधनों में जो श्रेष्ठ परिणाम दे वही सफल उद्यमी है। भारत का हर नगर, हर प्रांत उद्यमिता के माध्यम से भारतीय अर्थव्यवस्था और देश को आगे बढ़ाने में अपना योगदान दे रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद इंडिया से भारत की ऊंची उड़ान भरने का समय आया है। भारत पुनः आर्थिक शक्ति के रूप में विश्व में अपना स्थान बना रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने वर्ष 2014 में सरकार बनने के साथ ही जनधन खातों के माध्यम से हर व्यक्ति का हक सीधे उसके खाते में पहुंचाने का संकल्प लिया और उसे साकार भी किया। इसके परिणामस्वरुप देश की अर्थव्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन आया। राज्य सरकार प्रधानमंत्री श्री मोदी की मंशानुरूप बिचौलियों को दूर करते हुए प्रत्येक व्यक्ति और उद्यमी का हक सीधे उसके खाते में पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।ऐसे अनुकूल वातावरण में सभी उद्यमियों के लिए विकास के पर्याप्त अवसर विद्यमान है। भारत की उद्यमिता, स्वावलंबिता, रोजगारपरक जीवन पद्धति फीनिक्स पक्षी के समान है। फीनिक्स पक्षी जैसे राख में से पुनः अस्तित्व में आने और ऊंची उड़ान भरने की क्षमता रखता है, वैसे ही भारत तमाम कठिनाइयों और संघर्षशील परिस्थितियों के बावजूद भी ऊंची उड़ान भरने में सक्षम रहता है। हमारी यह क्षमता, उद्यमियों के दम पर ही है।

निमाड़ उद्यमिता के क्षेत्र में बनाएगा अपनी विशेष पहचान- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एमएसएमई उद्यमिता के क्षेत्र में बुरहानपुर की उपलब्धि वर्ष 2022-23 में 436.11 करोड़ रूपए रही, जो लगभग 2 वर्ष बाद वर्तमान में 802 करोड़ रूपए है। यह गति बुरहानपुर के उद्यमियों की क्षमता की परिचायक है। राज्य सरकार हरसंभव सहयोग प्रदान करने के लिए सदैव तत्पर है। उद्यमिता गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार तत्परता और पारदर्शिता के साथ गतिविधियां संचालित कर रही है। बुरहानपुर के उद्यमी सम्मेलन में सहभागिता कर रहे उद्यमियों के विश्वास से यह स्पष्ट होता है कि निमाड़, उद्यमिता के क्षेत्र में अपनी विशेष पहचान बनाएगा।

न्यूज ब्रीफ

हिमंत बिस्व सरमा ने मुख्यमंत्री पद से दिया इस्तीफा, 11 मई के बाद शपथ ग्रहण संभव

नई दिल्ली/ जीएनएस। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने अपने कैबिनेट सहयोगियों के साथ इस्तीफा दे दिया है। इससे भाजपा के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार सरकार के गठन का मार्ग प्रशस्त हो गया है। राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने इस्तीफा स्वीकार किया और सरमा से अनुरोध किया कि वे नई सरकार के गठन तक देखरेख करने वाले मुख्यमंत्री के रूप में कार्य करते रहें। शपथग्रहण समारोह 11 मई के बाद होने की संभावना है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने बुधवार को एक पोस्ट में कहा, असम चुनाव-2026 के परिणामों की औपचारिक अधिसूचना के बाद और नई सरकार के गठन की सुविधा के लिए हिमंत बिस्व सरमा ने लोकभवन में राज्यपाल लक्ष्मण आचार्य के समक्ष मुख्यमंत्री और मंत्रिपरिषद के अन्य सदस्यों के साथ अपना इस्तीफा दिया। राज्यपाल ने इस्तीफा स्वीकार कर लिया। बाद में लोक भवन के बाहर पत्रकारों से सरमा ने कहा कि शपथ ग्रहण समारोह 11 मई के बाद होने की संभावना है। चूंकि यह ऐतिहासिक जीत थी, इसलिए हमने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस अवसर पर आमंत्रित किया है। पीएमओ ने सूचित किया है कि मोदी 11 मई तक व्यस्त हैं और उसके बाद राज्य का दौरा कर सकेंगे। उन्होंने कहा, भाजपा ने दो केंद्रीय पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है। विधायक दल अगले मुख्यमंत्री के लिए नेता का नामांकन करेगा। राजग के घटक बैठक कर नाम को अंतिम रूप देंगे। विधायक दल की बैठक 11 मई से पहले होगी। पार्टी के विधायकों की बैठक और नेता के नाम को राजग सदस्यों द्वारा समर्थन मिलने के बाद भाजपा सरकार बनाने का दावा करेगी। नए मुख्यमंत्री यह तय करेंगे कि मंत्रिपरिषद में नए चेहरे होंगे या नहीं।

सामूहिक जहर देने की ISIS से जुड़ी साजिश का मामला, डॉक्टर समेत तीन लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल

नई दिल्ली/ जीएनएस। एनआईए ने एक डॉक्टर समेत तीन लोगों के खिलाफ आतंकी संगठन आइसिस से जुड़े एक साजिश में शामिल होने का आरोप पत्र दायर किया है। इस साजिश में सार्वजनिक स्थानों पर जैविक जहर का इस्तेमाल करके सामूहिक नरसंहार करने की योजना थी। हैदराबाद के डॉ. सैयद अहमद मोहिउद्दीन और उत्तर प्रदेश के सह आरोपित आजाद तथा मोहम्मद सुहेल के खिलाफ गुजरात के अहमदाबाद की विशेष एनआइए अदालत में आरोप पत्र पेश किया गया है। आइसिस से जुड़े आरोपितों ने समन्वित तरीके से काम करते हुए कट्टरपंथी बनाए गए युवाओं को जिहाद का समर्थन करने और प्रतिबंधित हथियारों के माध्यम से आतंक फैलाने के लिए भर्ती किया। उन्होंने आइसिस के नापाक एजेंडे को अंजाम देने के लिए रिसिन का इस्तेमाल करने की योजना बनाई थी। रिसिन अरंडी के बीजों से प्राप्त एक अत्यधिक विषैला पदार्थ है, जिसे रासायनिक हथियार की अनुसूची में वर्गीकृत किया गया है। यह मामला मूल रूप से गुजरात आतंक रोधी दस्ते द्वारा नवंबर 2025 में चीन से एमबीबीएस कर रहे डा. मोहिउद्दीन की गिरफ्तारी के बाद दर्ज किया गया था। उसे टोल प्लाजा पर अवैध हथियार, चार लीटर अरंडी के तेल की एक बोतल और अन्य आपत्तिजनक सामान के साथ उनकी कार में पकड़ा गया था। एटीएस की जांच के बाद उसी दिन अन्य दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया था। जांच एजेंसी ने बताया कि आजाद और सुहेल ने इससे पहले राजस्थान के हनुमानगढ़ स्थित एक गुप्त स्थान से पैसों और प्रतिबंधित हथियारों से भरे पार्सल उठाए थे और उन्हें गुजरात के छत्राल में मोइनुद्दीन तक पहुंचाया था। जनवरी 2026 में जांच अपने हाथ में लेने के बाद एनआइए ने पाया कि मोइनुद्दीन को उसके हैंडलर द्वारा दक्षिण एशिया के आइसिस अमीर का पद देने का वादा किया गया था।

केरलमः तुलसी बनीं अपने पति के संसदीय क्षेत्र में कांग्रेस विधायक, माकपा के गढ़ में लहराया जीत का परचम

अपने पति और कांग्रेस सांसद वीके श्रीकंदन के साथ सार्वजनिक कार्यालय में शामिल हो गईं।

नई दिल्ली/ जीएनएस। केरलम के पलक्कड़ जिले में राजनीति ने एक विशेष व्यक्तिगत रूप ले लिया है। एक दुर्लभ परिस्थिति में एक पति और पत्नी अब एक ही निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं -पति संसद में और पत्नी केरलम की उसी विधानसभा में।

कांग्रेस उम्मीदवार केए तुलसी ने कोंगड सीट पर जीत हासिल की, जो लंबे समय से माकपा का गढ़ मानी जाती थी और यह परिणाम केवल एक चुनावी उलटफेर से अधिक था।

3,706 मतों के अंतर से उन्होंने मौजूदा विधायक के संथाकुमारी को हराया और इस प्रकार अपने पति और कांग्रेस सांसद वीके श्रीकंदन के साथ सार्वजनिक कार्यालय में शामिल हो गईं।

नवनिर्वाचित विधायक तुलसी बुधवार को मीडिया से बातचीत में याद करती हैं कि उनका अभियान उस दिन शुरू हुआ जब उन्हें उम्मीदवार के रूप में नामित किया गया। कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ ने समन्वित तरीके से काम किया।

उन्होंने कहा, कोई नकारात्मकता नहीं थी और लोगों ने गर्मजोशी से प्रतिक्रिया दी। इस सबके बीच श्रीकंदन स्थायी रूप से उपस्थित रहे, जैसे कि वह अन्य निर्वाचन क्षेत्रों में यूडीएफ के उम्मीदवारों के लिए रहते थे। जब पार्टी के नेताओं ने पहले पूछा कि क्या केपीसीसी की महासचिव तुलसी जीत सकती हैं, श्रीकंदन मानते हैं कि उन्होंने कुछ पल के लिए सोचा। कोंगड उनके पलक्कड़ लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में आता है और उनका उत्तर सबके लिए महत्वपूर्ण था। उन्होंने तब किया अपना वादा पूरा किया और वह चुनाव जीत गईं।

कोंगड के मतदाताओं के लिए विधायक से मिलने का मतलब सांसद से मिलना भी हो सकता है। इस बारे में पूछे जाने पर तुलसी ने कहा, बिल्कुल।श्रीकंदन ने कहा कि तुलसी की पहचान विधायक के रूप में अपनी स्वतंत्रता पर आधारित होनी चाहिए। उन्हें एक स्वतंत्र विधायक होना चाहिए, जिसे आम लोग स्वतंत्र रूप से संपर्क कर सकें। तुलसी इस भावना को साझा करती हैं और अपने मतदाताओं पर ध्यान केंद्रित करती हैं।

नेपाल सरकार का नया नियमः बॉर्डर पार करना हुआ आसान, भारतीयों को भी मिलेगा फायदा

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत से नेपाल जाने वालों के लिए एक राहत भरी खबर सामने आई है। नेपाल सरकार ने एक अहम फैसला लिया है, जिससे सड़क मार्ग से नेपाल जाना भारतीयों के लिए पहले से भी ज्यादा आसान हो गया है। नेपाल की बालेन शाह सरकार ने नेपाल की सीमा में आने वाले वाहनों के लिए एक नया प्रविधान लागू किया है, जिसके तहत अब भारत से नेपाल जाने वाले लोगों को बॉर्डर पर लंबी लाइनों में नहीं रहना होगा। नेपाल सरकार के नए नियम के तहत बॉर्डर क्रॉस करने के लिए घंटों तक लाइन में लगकर वाहनों के लिए एंट्री पास लेने की जरूरत नहीं होगी। अब अपने वाहनों से नेपाल बॉर्डर क्रॉस करने वाले भारतीय वाहन मालिक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। नेपाल के वित्त मंत्री डॉ. स्वर्णिम वाग्ले ने आज बुधवार, 6 मई को इस नई ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन सर्विस की शुरुआत की है, जिससे नेपाल जाने वाले पर्यटकों की यात्रा को आसान बनाया जा सके। किसी भी देश में यात्रा करने की एक अवधि होती है और जो कि उस देश की सरकार ही देती है।

आंध्र हाई कोर्ट जज के खिलाफ बीसीआई की CJI से अपील, अधिवक्ता को हिरासत में भेजने का मामला

नई दिल्ली/ जीएनएस। बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की, जब आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश ने एक युवा अधिवक्ता को एक प्रक्रियात्मक चूक के लिए 24 घंटे की न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

बार निकाय ने कहा कि विशेष रूप से जूनियर सदस्यों के बीच ऐसे कार्य चिलिंग इफेक्ट उत्पन्न करते हैं। बेंच व बार के बीच आवश्यक आपसी सम्मान को कमजोर करते हैं। बीसीआई अध्यक्ष और वरिष्ठ अधिवक्ता मनन कुमार मिश्रा ने बुधवार को एक औपचारिक प्रतिनिधित्व में जस्टिस तरलदा राजशेखर राव के आचरण को गंभीर रूप से अनुपयुक्त और बार के विश्वास को नुकसान पहुंचाने वाला बताया।

उन्होंने कहा,इस मामले का तात्कालिक संस्थागत संज्ञान लें ताकि बार, विशेष रूप से युवा अधिवक्ताओं का न्यायपालिका की सुरक्षा और सुधारात्मक भूमिका में विश्वास बहाल हो सके।

प्रसार भारती के पूर्व सीईओ शशि शेखर वेंपति बने सीबीएफसी के नए अध्यक्ष

नई दिल्ली/ जीएनएस। प्रसार भारती के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) शशि शेखर वेंपति को सरकार ने बुधवार को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। वेंपति प्रसून जोशी का स्थान लेंगे, जिन्हें हाल ही में प्रसार भारती का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वेंपति तीन वर्ष तक इस पद पर रहेंगे।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया - भारत सरकार ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा छह मई को जारी एक अधिसूचना के माध्यम से शशि शेखर वेंपति को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त किया है। जोशी ने प्रसार भारती के अध्यक्ष पद पर नियुक्ति के बाद सीबीएफसी के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। जाने-माने गीतकार एवं कवि जोशी आठ वर्षों से अधिक समय तक सीबीएफसी के अध्यक्ष रहे। बयान में यह भी कहा गया है कि वेंपति के पास मीडिया, प्रसारण और सार्वजनिक संचार का व्यापक अनुभव है और उनकी नियुक्ति से सीबीएफसी का कामकाज सुदृढ होने की उम्मीद है।

पंजाब में डबल धमाकों के पीछे PAK? ऑपरेशन सिंदूर की बरसी से पहले खुफिया एजेंसियों ने चेताया; ISI कनेक्शन जोड़ा

नई दिल्ली/ जीएनएस। पंजाब के जालंधर और अमृतसर में मंगलवार (5 मई) की रात सीमा सुरक्षा बल मुख्यालय के करीब संदिग्ध इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस से जुड़े उच्च तीव्रता वाले विस्फोटों ने सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। खुफिया सूत्रों के मुताबिक, ऑपरेशन 'सिंदूर' की पहली बरसी से ठीक पहले इस तरह के हमले पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी Inter-Services Intelligence (ISI) के संगठित पैटर्न को दिखाती हैं। एजेंसी के मुताबिक, ऑपरेशन सिंदूर की बरसी से पहले ISI एक बार फिर राज्य में लो-इंटेंसिटी आतंकी गतिविधियों को सक्रिय करने की कोशिश कर रही है।

इंटेलिजेंस एजेंसी के मुताबिक, पंजाब में हुए डबल धमाके कोई अलग-थलग घटनाएं नहीं, बल्कि एक संगठित पैटर्न का हिस्सा है और पाकिस्तान की बौखलाहट का नतीजा है। दरअसल, पिछले साल ऑपरेशन 'सिंदूर' के दौरान भारतीय सैन्य कार्रवाई में पाकिस्तान नूर खान एयरबेस और उससे जुड़े ऑपरेशनल चैनलों को भारी नुकसान हुआ था, जिससे पाकिस्तान बौखलाया हुआ है और आज तक उबर नहीं पाया है। इतना ही नहीं भारत ने सीमा पार से चलने वाले आतंकी नेटवर्क को भी करारा झटका दिया था।

खुफिया सूत्रों के हवाले से न्यूज 18 की रिपोर्ट में कहा गया है कि BSF के सेक्टर ऑफिस पर हुए हालिया हमले ISI की हताशा के परिणाम हैं। सूत्रों का कहना है कि ISI अब भारत में गैंगस्टरों का इस्तेमाल कर रही है और सीमा पर तैनात सुरक्षा बलों के ठिकानों पर कम तीव्रता वाले हमले करवा रही है। खुफिया सूत्रों ने बताया कि एजेंसियों को सुरक्षा संस्थानों को निशाना बनाने की कोशिशों के बारे में पहले से ही संकेत मिल गए थे। यह इस बात का संकेत है कि दुश्मन ताकतें भारतीय सुरक्षा बलों का मनोबल तोड़ने और सीमावर्ती इलाकों में असुरक्षा का माहौल पैदा करने की लगातार कोशिश कर रही हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इस उभरते पैटर्न के केंद्र में शहजाद भट्टी नाम का एक पाकिस्तानी गैंगस्टर है, जिसे खुफिया अधिकारी ISI का मुखौटा बताते हैं। भारतीय एजेंसियों ने पंजाब में आतंकी गतिविधियों से जुड़े कई आपराधिक मामलों में बार-बार भट्टी का नाम लिया है। कभी लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ा रहा भट्टी बाद में उसका प्रतिद्वंद्वी बन गया। उसने सीमा पार से कथित समर्थन हासिल करके अपना खुद का एक अलग नेटवर्क खड़ा कर लिया। साल 2026 में, बिश्नोई गैंग ने पुर्तगाल में भट्टी पर हुए हमलों की जिम्मेदारी भी ली थी।

रेल पटरियों पर टर्नआउट बने बड़ी चुनौती, सुरक्षा को लेकर सख्त हुआ रेलवे बोर्ड

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारतीय रेलवे के परिचालन में सुरक्षा हमेशा से सर्वोपरि रही है, लेकिन हाल के आंकड़ों ने रेल पटरियों के रखरखाव को लेकर गंभीर चिंता पैदा कर दी है। रेलवे बोर्ड द्वारा जारी ताजा रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2025-26 के दौरान पटरियों से संबंधित कुल 28 रेल दुर्घटनाओं (पटरी से उतरने) में से 18 हादसे केवल टर्नआउट पर हुए हैं।

यानी लगभग 65 प्रतिशत रेल हादसे उस बिंदु पर हुए जहां ट्रेनें एक पटरी से दूसरी पटरी पर जाती हैं। इन आंकड़ों ने रेलवे बोर्ड को अपनी रणनीति बदलने पर मजबूर कर दिया है। बोर्ड ने सभी जोनों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि अब केवल पटरियों को बदलने (रिन्यूअल) पर ही ध्यान न दिया जाए, बल्कि उनके गुणवत्तापूर्ण रखरखाव (मेंटेनेंस) को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। बोर्ड का मानना है कि समय पर किया गया रखरखाव न केवल पटरियों की आयु बढ़ाता है, बल्कि रेल यात्रा को भी सुरक्षित और विश्वसनीय बनाता है। विशेष रूप से उन संवेदनशील स्थानों जैसे पुलों, लेवल क्रासिंग और तीखे मोड़ों पर निरीक्षण बढ़ाने को कहा गया है जहां जोखिम अधिक होता है।

पटरियों के रखरखाव के साथ-साथ रेलवे के सामने पुराने लंबित कार्यों का अंबार भी एक बड़ी चुनौती है। आंकड़ों के मुताबिक, 141 कार्य ऐसे हैं जो 10 साल से अधिक पुराने हैं और जिन्हें पूरा करने के लिए 1,334 करोड़ रुपये की आवश्यकता है। 1,997 कार्य पिछले पांच वर्षों से लंबित हैं, जिनकी कुल देनदारी 16,868 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है।

इंदौर में ऑनलाइन सट्टेबाजी के अंतरराष्ट्रीय गिरोह का भंडाफोड़, 7 आरोपी गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत क्राइम ब्रांच पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने ऑनलाइन क्रिकेट और कैसीनो सट्टेबाजी में लिप्त एक अंतरराष्ट्रीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई 6 मई 2026 की दरमियानी रात ऊषा नगर क्षेत्र स्थित सांई नयन अपार्टमेंट में छापेमारी के दौरान की गई, जहां आरोपी लैपटॉप और मोबाइल फोन के माध्यम से सट्टा संचालित करते हुए रंगे हाथों पकड़े गए।

पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी 'डायमंड सर्वर' के जरिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सट्टे का अवैध कारोबार चला रहे थे। यह गिरोह संगठित नेटवर्क के रूप में काम करता था, जो ग्राहकों को ऑनलाइन आईडी और पासवर्ड उपलब्ध कराकर सट्टा खिलाता था। गिरोह का मुख्य संपर्क दिल्ली और दुबई से जुड़ा हुआ पाया गया है, जहां से इन्हें ऑनलाइन आईडी मुहैया कराई जाती थी। सट्टे में लगाई जाने वाली रकम अलग-अलग अज्ञात बैंक खातों में जमा करवाई जाती थी और इसके बदले ग्राहकों को डिजिटल पॉइंट्स दिए जाते थे।

पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर आर्थिक अपराधों में संलिप्त आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में क्राइम ब्रांच टीम ने मुखबिर की सूचना पर यह छापेमारी की। मौके से पुलिस ने 39 मोबाइल फोन, 3 लैपटॉप, 1.40 लाख रुपये नकद सहित विभिन्न बैंक दस्तावेज, चेकबुक, डेबिट कार्ड और सट्टे के हिसाब-किताब से जुड़े रजिस्टर जब्त किए हैं। जब्त सामग्री और दस्तावेजों के आधार पर करोड़ों रुपये के लेन-देन की पुष्टि हुई है।

गिरफ्तार आरोपियों में शशांक अग्रवाल, मुकेश गुप्ता, निखिल कौशल, शुभम कौशल, जतिन शर्मा, अर्पित तिवारी और प्रियांश जैन शामिल हैं, जो शिवपुरी और गुना जिले के निवासी हैं। सभी आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 112(1), पब्लिक गेम्बलिंग एक्ट की धारा 4(क) और आईटी एक्ट की धारा 66 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों तथा वित्तीय लेन-देन की गहन जांच की जा रही है। पुलिस को उम्मीद है कि इस कार्रवाई से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैले इस सट्टा नेटवर्क के और बड़े खुलासे हो सकते हैं। इस पूरे अभियान में क्राइम ब्रांच थाना प्रभारी एवं उनकी टीम की सराहनीय भूमिका रही है।

कलेक्टर शिवम वर्मा की अध्यक्षता में जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा बैठक

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर जिले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर प्रारंभ हुए जल गंगा संवर्धन अभियान को तेजी से क्रियान्वित किया जा रहा है। यह अभियान जनआंदोलन का रूप ले रहा है। जिले में जल संवर्धन और संरक्षण के कार्यों में मदद के लिए नागरिक और कॉर्पोरेट सेक्टर भी आगे आ रहे हैं। इनके सहयोग से पुरानी बावड़ियों और कुँओं का जीर्णोद्धार कर उनका सौन्दर्यीकरण किया जा रहा है तथा उपयोगी बनाया जा रहा है। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में जिले में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान तथा जल संरक्षण एवं जल संवर्धन से संबंधित कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में जानकारी दी गई कि इंदौर जिले में वर्ष 2026-27 के दौरान जल संरक्षण एवं संवर्धन के क्षेत्र में प्रभावी कार्य जा रहे हैं। बताया गया कि इस अभियान के अंतर्गत आईसीआईसीआई बैंक ने 15 बावड़ियों की सफाई और जीर्णोद्धार का कार्य हाथ में लिया है। इसी तरह आर्ट ऑफ लिविंग संस्था द्वारा 10 कुएं के जीर्णोद्धार की जिम्मेवारी ली गई है। सोनिक बॉयोकेम द्वारा 10 हजार पौधे लगाए जाएंगे। मोयरा सरिया द्वार दो हजार घरों में रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग के लिए दो हजार फिल्टर दिए गए हैं। इसी तरह कृतज्ञ वेल्फेयर सोसायटी द्वारा 150 रिचार्ज सॉफ्ट का निर्माण किया जा रहा है। इफ्का फाउंडेशन द्वारा बायपास एवं मुख्य चौराहों पर ड्रम प्लांटेशन किया जा रहा है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने भी 10 हजार पौधारोपण और एक हजार रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग के लिए फिल्टर देने की जिम्मेदारी ली है। इसी प्रकार कोटक बैंक, ईएफआई और भारतीय जन संगठन द्वारा भी जल संरक्षण और जल संवर्धन के कार्यों में मदद दी जा रही है।

पत्नी सोनम की बढ़ी मुश्किलें, जमानत के खिलाफ मेघालय सरकार ने खटखटाया हाईकोर्ट का द्वार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ट्रांसपोर्टर राजा रघुवंशी हत्याकांड की मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी की जमानत के विरोध में मेघालय सरकार ने मेघालय हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। राज्य सरकार ने याचिका यादर कर निचली अदालत के बेल आर्डर को रद्द करने की मांग की है। हाईकोर्ट ने मंगलवार को सोनम को नोटिस भी जार कर दिया है। सरकार का कहना है कि ईस्ट खासी हिल्स की सेशंस कोर्ट ने ज़मानत देते समय अपराध की गंभीरता और उसके न्यायिक प्रभावों पर पर्याप्त विचार नहीं किया। याचिका में यह भी कहा गया है कि आरोप बेहद गंभीर हैं। सरकार की ओर से ए. कुमार एडवोकेट जनरल (एजी), सुश्री एस.लालू, गवर्नमेंट एडवोकेट(एजी), एन. खेरा, अधिवक्ता, सुश्री आई. स्येमलियेह अधिवक्ता पेश हुए हैं। न्यायमूर्ति डब्ल्यू. डिएंगडोह की कोर्ट केस की सुनवाई कर रही है। गौरतलब है कि 27 अप्रैल को शिलांग की अदालत ने ईस्ट खासी हिल्स पुलिस की गिरफ्तारी प्रक्रिया में खामियों का हवाला देते हुए राजा की पत्नी सोनम को ज़मानत दे दी थी।

इंदौर में महिला चोर गैंग का आतंकः ऑटो में आती हैं, मिनटों में दुकान साफ कर हो जाती हैं फरार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के व्यस्त बाजारों के व्यापारियों की शातिर महिला चोर गिरोह ने नींद उड़ा दी है। पाटनीपुरा से मालवा मिल तक सक्रिय यह गैंग रोजाना दुकानों को निशाना बना रहा है और वारदात के बाद ऑटो रिक्शा से फरार हो जाता है। बीते दस दिनों में इस गिरोह ने पांच स्थानों को निशाना बनाया है। पीड़ित व्यापारियों ने 40 से ज्यादा वीडियो क्लिप पुलिस को सौंप दी, पर पुलिस चोरों को पकड़ नहीं पाई। मंगलवार को परेशान व्यापारी पुलिस आयुक्त संतोष कुमारसिंह से मिले।

इस गिरोह की खासियत इसका सुनियोजित तरीका है। युवतियां पहले बाजार में सामान्य तरीके से आती हैं और घूमकर दुकानों की रेकी करती हैं। इस गिरोह में चार सदस्य शामिल हैं। दो सदस्य कचरा और पन्नी बिनने के बहाने दुकान के बाहर खड़ी हो जाती हैं। दो सदस्यों को दुकान के अंदर प्रवेश करवाया जाता है। चोरी करने के बाद चारों बाहर खड़े ऑटो रिक्शा में बैठकर तुरंत निकल जाती हैं।

चोरी का समय निश्चित है- फरियादी महेश मंगल के मुताबिक गिरोह का नेटवर्क इतना मजबूत है कि हर वारदात बेहद सटीक टाइमिंग पर होती है। इससे पहले कि कोई कुछ समझे, सामान गायब हो चुका होता है। उनका समय भी निश्चित है। कुछ वारदातों के सीसीटीवी फुटेज से पता चला आरोपित महिलाएं पौने पांच बजे के आसपास ही आती है। उनके पास शटर उचकाने और ताले तोड़ने के औजार भी होते है।

नौकरी से निकाले जाने का बदलाः पूर्व कर्मचारी ने अपने ही ऑफिस में की 1.70 लाख की चोरी, कुछ ही घंटों में गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के विजयनगर थाना क्षेत्र में हुई 1.70 लाख रुपये की चोरी का पुलिस ने चंद घंटों में खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। मामले में चौंकाने वाला खुलासा यह हुआ कि चोरी करने वाला कोई बाहरी व्यक्ति नहीं, बल्कि उसी कार्यालय का पूर्व कर्मचारी निकला, जिसे कुछ दिन पहले नौकरी से निकाल दिया गया था। पुलिस के अनुसार आरोपी ने बदले की भावना से वारदात को अंजाम दिया।

घटना 5 मई 2026 की है, जब फरियादी दीपक काले ने विजयनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनके ऑफिस, एन.आर.के. बिज पार्क, पी.यू. 4 स्थित दफ्तर से दराज में रखे 1,70,000 रुपये अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर लिए गए हैं। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

पुलिस आयुक्त के निर्देश पर थाना प्रभारी चन्द्रकांत पटेल के नेतृत्व में टीम गठित कर जांच शुरू की गई। आसपास लगे 150 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर एक संदिग्ध व्यक्ति हेलमेट और रूमाल से चेहरा ढककर ऑफिस में आते-जाते दिखाई दिया। सायबर सेल और मुखबिर तंत्र की मदद से उसकी पहचान संजय बड़ोदिया (28) निवासी शांति नगर, मुसाखेड़ी के रूप में हुई।

पुलिस ने संजय को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उसने चोरी करना स्वीकार कर लिया।

उसने बताया कि वह पहले उसी ऑफिस में काम करता था, लेकिन कुछ दिन पहले उसे नौकरी से निकाल दिया गया था। इसी बात से नाराज होकर उसने ऑफिस की रेकी की और मौका पाकर चोरी कर ली।

आरोपी के घर से पुलिस ने चोरी गई रकम में से 1,50,000 रुपये नगद बरामद कर लिए हैं, जबकि शेष 20,000 रुपये उसने खर्च कर दिए। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी चन्द्रकांत पटेल सहित पुलिस टीम और सायबर सेल के अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने घर और संस्थानों में कर्मचारियों का पुलिस सत्यापन अवश्य करवाएं, पूर्व कर्मचारियों का रिकॉर्ड सुरक्षित रखें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें।

पीएम आवास योजना 2.0 के तहत प्रस्तावित स्थलों का निरीक्षण, 5 डीपीआर शासन को भेजी गईं

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) 2.0 के तहत प्रस्तावित आवासीय परियोजनाओं को गति देने के लिए आयुक्त क्षितिज सिंघल ने विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सनावदिया, बढ़ियाकीमा और उमरी खेड़ा गांव में प्रस्तावित परियोजनाओं की प्रगति और संभावनाओं का जायजा लिया तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान अपर आयुक्त अर्थ जैन, ईई मितेश सिंगौड, विभागीय यंत्री अभिनव सहित अन्य अधिकारी और संबंधित कंसल्टेंट मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने अधिकारियों से परियोजनाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की और निर्देश दिए कि योजना का लाभ पात्र हितग्राहियों तक शीघ्र पहुंचे, इसके लिए सभी आवश्यक प्रक्रियाएं तेजी से पूरी की जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता बनाए रखना और शासन की गाइडलाइन का पूर्ण पालन सुनिश्चित करना प्राथमिकता होनी चाहिए।

नगर निगम द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के अंतर्गत विभिन्न स्थलों पर आवास निर्माण के लिए कुल पांच डीपीआर मध्यप्रदेश शासन को भेजी गई हैं। इन प्रस्तावों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए 6048 एक बीएचके, 1368 दो बीएचके और 720 तीन बीएचके आवासीय इकाइयों के निर्माण की योजना शामिल है।

इनमें से ताप्ती परिसर ट्रेजर फैंटेसी और बढ़ियाकीमा क्षेत्र से संबंधित दो डीपीआर को केंद्र शासन से स्वीकृति मिल चुकी है, जिससे इन परियोजनाओं के जल्द क्रियान्वयन का रास्ता साफ हो गया है। निगम प्रशासन का मानना है कि इन परियोजनाओं के शुरू होने से शहर में आवासीय सुविधाओं का विस्तार होगा और बड़ी संख्या में पात्र हितग्राहियों को लाभ मिलेगा।

देवगुराड़िया ट्रेंचिंग ग्राउंड का निरीक्षण, स्वच्छता और व्यवस्थाओं पर विशेष जोर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में स्वच्छ सर्वेक्षण की तैयारियों के तहत नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने देवगुराड़िया स्थित ट्रेंचिंग ग्राउंड का निरीक्षण कर विभिन्न प्लांट्स की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान अपर आयुक्त प्रखर सिंह सहित निगम के अन्य विभागीय अधिकारी भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने ट्रेंचिंग ग्राउंड में संचालित बायो सीएनजी प्लांट, नेप्रा प्लांट, स्वच्छता परी, सूखा कचरा निपटान प्लांट, ग्रीन वेस्ट प्लांट और लैंडफिल का अवलोकन किया। उन्होंने सबसे पहले बायो सीएनजी प्लांट का निरीक्षण करते हुए गीले कचरे की मात्रा, अपशिष्ट से गैस उत्पादन, मशीनों के संचालन, गैस आउटपुट और वितरण व्यवस्था की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्वच्छ सर्वेक्षण के प्रोटोकॉल के अनुसार सभी व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण की जाएं। इसके बाद आयुक्त ने नेप्रा प्लांट का निरीक्षण कर सूखे कचरे के पृथक्करण और निपटान की प्रक्रिया को समझा। इस दौरान उन्होंने प्रतिदिन आने वाले कचरे की मात्रा, कर्मचारियों की कार्य व्यवस्था, उनके स्वास्थ्य और सुरक्षा उपायों के साथ-साथ सी एंड डी वेस्ट के संकलन और प्रसंस्करण की स्थिति की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण को ध्यान में रखते हुए प्लांट और पूरे परिसर में साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अगले तीन दिनों में व्यापक स्तर पर सफाई अभियान चलाकर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं, ताकि शहर की स्वच्छता रैंकिंग को बनाए रखा जा सके।

स्कीम नंबर 140 चौपाटी पर स्वच्छता चौपाल, सिंगल यूज़ प्लास्टिक मुक्त बाजार बनाने की अपील

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में सिंगल यूज़ प्लास्टिक मुक्त शहर बनाने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत स्कीम नंबर 140 स्थित चौपाटी क्षेत्र में सिंगल यूज़ प्लास्टिक फ्री मार्केट अवेयरनेस चौपाल का आयोजन किया गया। महापौर पुष्यमित्र भार्गव और आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देशानुसार आयोजित इस कार्यक्रम में अपर आयुक्त प्रखर सिंह के नेतृत्व में अधिकारियों, एनजीओ प्रतिनिधियों और स्थानीय व्यापारियों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली।

चौपाल के दौरान व्यापारियों और आमजन को सिंगल यूज़ प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई और इसके उपयोग को पूरी तरह बंद करने के लिए प्रेरित किया गया। अपर आयुक्त प्रखर सिंह ने स्वयं क्षेत्र का भ्रमण कर दुकानदारों से सीधे संवाद किया और उन्हें प्लास्टिक के स्थान पर बायोडिग्रेडेबल सामग्री अपनाने की सलाह दी। उन्होंने दुकानदारों को अपनी दुकानों के बाहर गीले और सूखे कचरे के लिए अलग-अलग डस्टबिन रखने के निर्देश भी दिए, ताकि कचरा प्रबंधन बेहतर तरीके से किया जा सके।

कार्यक्रम में दुकानदारों से यह भी अपील की गई कि वे अपने ग्राहकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करें और कचरा इधर-उधर न फैलाने के लिए प्रेरित करें। चौपाल में उपस्थित सभी लोगों ने सामूहिक रूप से स्वच्छता की शपथ ली और सिंगल यूज़ प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के अंत में स्कीम नंबर 140 चौपाटी को आदर्श स्वच्छ एवं प्लास्टिक मुक्त चौपाटी के रूप में विकसित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया, जिसमें व्यापारियों ने पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। नगर निगम ने भी इस दिशा में लगातार निगरानी और आवश्यक कार्रवाई जारी रखने की बात कही है, ताकि इंदौर को स्वच्छता के क्षेत्र में अग्रणी बनाए रखा जा सके।

8 मई को इंदौर में भव्य संयमोत्सव, आचार्य श्रीमद्विजय हितेशचंद्र सूरीश्वरजी की रहेगी विशेष उपस्थिति

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में 8 मई को संयम, तप और आध्यात्मिक ऊर्जा का भव्य संगम देखने को मिलेगा, जब कीमती गार्डन में संयमोत्सव का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन प्रख्यात वक्ता एवं श्रमण संघ निर्माता प्रवर्तक प.पू. श्री प्रकाशमुनिजी म.सा. (निर्भय) के संयम जीवन के 52 वर्ष पूर्ण होने और 53वें वर्ष में प्रवेश के पावन अवसर पर आयोजित किया जा रहा है, जो जैन समाज के लिए गौरव और श्रद्धा का विशेष क्षण माना जा रहा है।

इस भव्य आयोजन में गच्छाधिपति आचार्यदेव श्रीमद्विजय हितेशचंद्र सूरीश्वरजी म.सा. (मोहनखेड़ा) की गरिमामयी उपस्थिति कार्यक्रम को विशेष दिव्यता प्रदान करेगी। उनके सान्निध्य में आयोजित यह संयमोत्सव श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक मार्गदर्शन का महत्वपूर्ण अवसर बनेगा। आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है।

आयोजकों के अनुसार, पूज्य गुरुदेव श्री प्रकाशमुनिजी म.सा. ने मात्र 14 वर्ष की आयु में संयम पथ को अपनाया था और उनका तप, त्याग व साधना समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उनके संयम जीवन के 52 वर्ष पूर्ण होना जैन समाज के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिसे उत्सव के रूप में मनाया जा रहा है।

कार्यक्रम में प्रमुख लाभार्थी के रूप में श्रीमती अंगूरबाला जी जयंतिलाल जी जैन (मिर्ची वाले) परिवार का विशेष योगदान रहेगा, वहीं स्वर्ण और रजत लाभार्थियों सहित अनेक समाजसेवियों का सहयोग आयोजन को भव्यता प्रदान कर रहा है। आयोजन की जिम्मेदारी राजमोहल्ला श्रीसंघ एवं ट्रस्ट मंडल द्वारा निभाई जा रही है, जिसमें अनिल चौरड़िया, संजय नवलखा, हेमेन्द्र बोकड़िया और उमराव सियाल सहित कई सदस्य सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

भोजशाला एएसआई सर्वे रिपोर्ट- कोर्ट में पेश हुए चौंकाने वाले तथ्य

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। धार भोजशाला का धार्मिक स्वरूप तय करने के लिए मप्र हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ में 6 अप्रैल से शुरू हुई सुनवाई मंगलवार 5 मई को भी जारी रही। इस दिन भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सुनील जैन ने तर्क रखे। उन्होंने 22 मार्च 2024 से शुरू हुए भोजशाला के सर्वे के दौरान सामने आए तथ्यों को कोर्ट के सामने रखा। सर्वे रिपोर्ट कोर्ट के समक्ष रखते हुए एडवोकेट जैन ने कहा कि अत्याधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल करते हुए किए गए इस सर्वे से पता चला है कि भोजशाला का निर्माण 10वीं-11वीं सदी के बीच भोजकाल में हुआ था।

समर्पण, कर्मठता और लगनशीलता की मिसाल बने प्रगणकों का कलेक्टर शिवम वर्मा ने किया सम्मान

इंदौर में दो प्रगणकों ने निर्धारित समय से पहले ही पूर्ण किया प्रथम चरण का कार्य

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर जिले में जनगणना के प्रथम चरण का कार्य तेज गति से जारी है। इंदौर? में दो प्रगणकों ने अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पण, कर्मठता और लगनशीलता की अनूठी मिसाल प्रस्तुत की है। इन्होंने निर्धारित समय से पहले ही सौंपे गए कार्य को पूर्ण कर लिया है। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने आज कलेक्टर कार्यालय में कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण की मिसाल पेश करने वाले इन दोनों प्रगणकों को सम्मानित किया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर तथा जनगणना के प्रभारी अधिकारी श्री नवजीवन विजय पवार भी मौजूद थे।

सीमित समय में उत्कृष्ट कार्य पूर्ण करने वाले इन प्रगणकों ने यह साबित कर दिया कि लगन और ईमानदारी से किया गया प्रयास हर चुनौती को आसान बना देता है। इंदौर जिले में वर्ष 2026 की जनगणना का कार्य तेजी से जारी है। इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान में जुटे प्रगणकों के बीच कुछ ऐसे भी उदाहरण सामने आए हैं, जिन्होंने अपने कार्य को निर्धारित समय से पहले पूर्ण कर नई प्रेरणा दी है। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने ऐसे ही दो प्रगणकों श्रीमती निर्मला शर्मा और श्री बद्रीलाल तरोला को श्रीफल एवं माल्यार्पण कर सम्मानित किया।

कैलोद हाला क्षेत्र की प्रगणक श्रीमती निर्मला शर्मा ने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति और समर्पण से मात्र 6 दिनों में अपने हिस्से का पूरा कार्य संपन्न किया। उन्हें 120 मकानों की गणना का दायित्व सौंपा गया था। विशेष बात यह है कि शारीरिक चुनौती के बावजूद उन्होंने यह कार्य पूरी निष्ठा से पूरा किया। उनके दोनों पैरों में रॉड डली हुई है। इसके बावजूद भी उन्होंने घर-घर पहुँचकर पूरी ईमानदारी और मेहनत के साथ कार्य पूर्ण किया।

इंदौर के छावनी में अब 60 फीट चौड़ी बनेगी सड़क, निगम और रहवासियों के बीच सहमति बनने से निर्माण का मार्ग खुला

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मास्टर प्लान की प्रस्तावित सड़कों की चौड़ाई कम करने के लिए व्यापारियों की सहमति बन रही है। जिंसी चौराहा से लक्ष्मीबाई प्रतिमा तक प्रस्तावित सड़क की चौड़ाई 80 फीट से कम करके 60 फीट करने के लिए सहमति बनने के बाद मंगलवार को छावनी सड़क की चौड़ाई कम करने को लेकर भी सहमति बन गई।

जनप्रतिनिधियों ने देर शाम छावनी क्षेत्र का दौरा भी किया। अब छावनी सड़क 80 के बजाय 60 फीट चौड़ी बनेगी। फायदा यह होगा कि पहले जहां 300 से ज्यादा मकान चौड़ीकरण में बाधक थे अब उनकी संख्या 50 से भी कम हो गई है। मास्टर प्लान की सड़कों के लिए केंद्र सरकार से नगर निगम को 468 करोड़ रुपये की राशि आवंटित हुई है। राशि आवंटित होने के बाद उम्मीद जताई जा रही थी कि काम तेजी से होगा, लेकिन सड़कों की प्रस्तावित चौड़ाई को लेकर सहमति नहीं बनने से काम अटक रहा था। जिंसी से लक्ष्मीबाई प्रतिमा, जिंसी चौराहा से नेमिनाथ चौराहा और कंडीलपुरा सड़क पर सड़क की चौड़ाई 20-20 फीट कम करने पर सहमति बनने के बाद मंगलवार को छावनी सड़क को लेकर भी सहमति बन गई। पहले यह सड़क 80 फीट चौड़ी बनना थी, लेकिन अब इसे 60 फीट चौड़ी बनाने पर सहमति हो गई है।

संतों के सानिध्य में दलौदा में 7 डायलिसिस मशीने

रोटरी ग्लोबल ग्रांट से महावीर स्वास्थ्य केंद्र पर संपन्न हुआ कार्यक्रम

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रोटरी क्लब के माध्यम से रोटरी ग्लोबल ग्रांट के अंतर्गत 60 लाख की लागत से 7 डायलिसिस मशीनों का महावीर स्वास्थ्य केंद्र, दलौदा में विधिवत लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर उपाध्याय प्रवर गौतम मुनि, प्रवर्तक विजय मुनि, उप प्रवर्तक अरुण मुनि एवं साध्वी श्री कुमुदलता श्रीजी सहित अनेक साधु-संतों का पावन सानिध्य प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3040 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर सुशील मल्होत्रा थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर एवं मंदसौर विधायक विपिन जैन उपस्थित रहे। वहीं सम्मानित अतिथियों में पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर गजेंद्र सिंह नारंग, पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर नितिन डफरिया एवं असिस्टेंट गवर्नर संजय गोठी शामिल रहे। कार्यक्रम में डायलिसिस मशीनों के दानदाता परिवारों आनंदीलाल कोमलसिंह दुग्गड परिवार (मंदसौर), राजीव चौधरी परिवार (इंदौर) एवं राजेंद्र डाकोलिया परिवार (इंदौर) का रोटरी क्लब द्वारा सम्मान किया गया। साथ ही महावीर स्वास्थ्य केंद्र दलौदा के अध्यक्ष रमेश भंडारी एवं महामंत्री राजेश संचेती, वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ दलोदा के पूर्व अध्यक्ष सुभाष जैन व वर्तमान अध्यक्ष अशोक मोगरा का भी बहुमान किया गया।

उद्बोधन में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर सुशील मल्होत्रा ने बताया कि रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3040 द्वारा ग्लोबल ग्रांट के अंतर्गत 51 डायलिसिस मशीन लगाने की योजना थी, किंतु पूज्य संतों की प्रेरणा से इसे बढ़ाकर 56 मशीन करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। अब तक 41 मशीनें स्थापित हो चुकी हैं, जबकि शेष 15 मशीनें शीघ्र स्थापित की जाएंगी। राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर ने रोटरी क्लब के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए इस जनसेवा प्रकल्प के लिए आभार व्यक्त किया। विधायक विपिन जैन ने कहा कि दलौदा जैसे ग्रामीण क्षेत्र में डायलिसिस सुविधा उपलब्ध होना मरीजों के लिए वरदान सिद्ध होगा। महावीर स्वास्थ्य केंद्र के अध्यक्ष रमेश भंडारी ने बताया कि पूर्व में केंद्र पर 5 डायलिसिस मशीनें संचालित थीं, जिनमें 7 नई मशीन जुड़ने से अब कुल 12 मशीनों के माध्यम से अधिक मरीजों का उपचार संभव हो सकेगा तथा प्रतीक्षा अवधि भी समाप्त होगी। प्रोजेक्ट चेयरमैन एवं महामंत्री राजेश संचेती ने जानकारी दी कि केंद्र पर मात्र 300 रू. में डायलिसिस सुविधा उपलब्ध है, वहीं आयुष्मान योजना के अंतर्गत पंजीकृत मरीजों को यह सुविधा पूर्णतः निःशुल्क प्रदान की जाती है। स्वागत उद्बोधन देते हुए रोटरी क्लब अध्यक्ष भूपेन्द्र सोनी ने बताया कि रोटरी क्लब लगातार स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य कर रहा है और रोटरी ग्लोबल ग्रांट के माध्यम से मंदसौर में सर्व जनहित गुरु गौतम सेवा संस्थान पर श्री रणछोड़ प्रसाद गनेड़ीवाल की स्मृति में श्री प्रदीप गनेड़ीवाल परिवार के सौजन्य से तकरीबन 42 लाख रुपए लागत की अत्याधुनिक कार्डियक एम्बुलेंस भी जल्द ही जनसेवा हेतु समर्पित की जाएगी। कार्यक्रम के पूर्व गुरु भगवंत के प्रवचन का लाभ भी जनसमुदाय ने प्राप्त किया। इस अवसर पर रोटरी क्लब के पूर्व अध्यक्षगण शांतिलाल भंडारी, प्रहलाद काबरा, प्रमोद कीमती, कनक पंचोली, राधेश्याम झंवर, अशोक उकावत, राजेश सिंघवी, शरद गांधी, कमलेश कुमावत, प्रवीण उकावत, पवन पोरवाल, सुरेंद्र जैन योगगुरु, रोटरी सदस्य अनिल चौधरी, मोहन माहेश्वरी, सुरेश जैन, विजय जैन, रितेश भगत, विवेक जैन, रोहित छाबड़ा, अभय सोमानी, मनोज सांखला, आयुष सोनी, अरिहंत भंडारी, प्रदीप श्रीवास्तव, दिलीप गर्ग, डॉ अभिजीत जैन, शैलेंद्र भंडारी, सौरभ बाकलीवाल, सहित राजेंद्र सुराणा, विजय मेहता, संजय मुरड़िया, मनोहर नाहटा, मनीष मारू, डॉ. योगेंद्र कोठारी, दीपक जैन, मुकेश जैन, नरेंद्र भंडारी, डॉ सुरेंद्र जैन, ऋषभ भंडारी, नानालाल जैन, अनिल खटोड, आनंद जैन, प्रकाश जैन, शिशिर पटवा, अजय रातडिया सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। संचालन रोटरी क्लब मंदसौर के सचिव कपिल भंडारी ने किया। आभार वैभव दुग्गड ने माना।

सड़क पर भटक रहे बच्चों व उनकी माता को मिली राहत, प्रशासन ने करवाया पुनर्वास

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा एवं जिला पंचायत सीईओ सीईओ श्री अमन वैष्णव के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग ने एक परिवार को फिर से आबाद करने का सराहनीय कार्य किया गया है। महिला एवं बाल विकास विभाग की कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती अंकिता पंड्या ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि माता-पिता में अनबन के कारण एक माता अपने चार बच्चों (सीता, गीता, राम व श्याम ङ्कपरिवर्तित नाम) निवासी मनासा के साथ ग्राम छोड़कर नीमच आ गई थी। चारों बच्चे माता के साथ नीमच में सांवरिया मंदिर के पास सड़क पर रह रहे थे और किसी प्रकार गुजारा कर रहे थे।

रेस्क्यू एवं पुनर्वास- विभाग को सूचना मिलने पर त्वरित कार्यवाही कर सभी को रेस्क्यू किया गया। 28 अप्रैल को वन स्टॉप सेंटर नीमच व संयुक्त टीम द्वारा रेस्क्यू कर माता को जिला चिकित्सालय में भर्ती करवाया गया तथा चारों बच्चों को शिशु गृह नीमच में सुरक्षित आश्रय दिया गया था।

वन स्टॉप सेंटर व शिशु गृह ने परिवार की काउंसलिंग की गई। माता-पिता दोनों को समझाइश देकर परिवार को एक किया। नियमानुसार बच्चों को पिता को सुपुर्द कर परिवार को फिर से बसाया गया।

सराहनीय भूमिका- इस पूरे प्रकरण में प्रशासक वन स्टॉप सेंटर श्रीमती दीपिका नामदेव व शिशु गृह संचालिका की विशेष भूमिका रही जिनके संवेदनशील प्रयास से सड़क पर भटक रहे बच्चों को सुरक्षित माहौल मिल पाया है। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने कहा कि संकटग्रस्त महिलाओं व बच्चों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है।

मप राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष प्रताप करोसिया 13 मई को नीमच प्रवास पर

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। म.प्र. राज्य सफाई कर्मचारी आयोग, म.प्र. शासन, के अध्यक्ष श्री प्रताप करोसिया का 13 मई 2026 को नीमच जिले का दौरा कार्यक्रम निर्धारित है। आयोग के अध्यक्ष श्री करोसिया का 13 मई को प्रातः 8 बजे इंदौर से नीमच प्रस्थान कर दोपहर 1 बजे नीमच आगमन होगा। वे इसी दिन दोपहर 2 बजे कलेक्टर कार्यालय नीमच में अधिकारियों की बैठक लेने के बादनीमच से मंदसौर प्रस्थान करेंगे।

बैठक का विवरण- दोपहर 2 बजे जिला कलेक्टर कार्यालय नीमच में आयोजित शासकीय बैठक में मुख्य रूप से जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, सीईओ जिला पंचायत, संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन एवं विकास उज्जैन संभाग, सचिव कृषि मण्डी, लीड बैंक अधिकारी, जिला श्रम अधिकारी, सहायक आयुक्त आदिम जाति कल्याण विभाग, मुख्य स्वास्थ्य चिकित्सा अधिकारी, सिविल सर्जन, नीमच जिले के समस्त मुख्य नगरपालिका अधिकारी एवं समस्त नगर पालिका/नगर परिषद में कार्यरत सफाई कर्मचारियों के ट्रेड यूनियन या सामाजिक संगठन के दो प्रतिनिधि शामिल होंगे।

बैठक के प्रमुख एजेंडा- बैठक में सफाई कर्मचारियों से संबंधित निम्न विषयों पर चर्चा होगी।

सेवा संबंधी-वेतन भत्ते,एन.पी.एस.,अनुकम्पा नियुक्ति, रिक्त पदों की पूर्ति, पेंशन, पी.एफ.,ईएसआई।

कल्याण योजनाएं- बस्ती विकास, सामुदायिक भवन, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना।

आउटसोर्स व्यवस्था- आउटसोर्स कर्मचारियों की जानकारी एवं ठेकेदारों के अनुबंध, कार्यादेश का विवरण। समस्त संबंधित अधिकारियों को बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने तथा वांछित जानकारी के साथ आने के निर्देश दिए गए हैं।

नेशनल लोक अदालत 9 मई को, प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार तथा राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में 9 मई को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु माननीय श्री अनीष कुमार मिश्रा, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, मंदसौर द्वारा हरी झण्डी दिखाकर प्रचार-रथ को रवाना किया गया। उक्त प्रचार-रथ के माध्यम से जिले के सुदूर ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जाकर आमजन को नेशनल लोक अदालत के आयोजन, उसकी उपयोगिता एवं लाभों के संबंध में जागरूक किया जाएगा। लोक अदालत के माध्यम से बैंक ऋण प्रकरण, विद्युत बिल विवाद, मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण, पारिवारिक एवं वैवाहिक विवाद, राजीनामा योग्य आपराधिक प्रकरण तथा अन्य सिविल प्रकरणों का आपसी सहमति से त्वरित एवं सरल निराकरण किया जाता है। नेशनल लोक अदालत के माध्यम से न केवल समय एवं धन की बचत होती है, बल्कि पक्षकारों के मध्य आपसी सौहार्द भी बना रहता है। अतः आमजन से अपील की जाती है कि वे अधिक से अधिक संख्या में अपने प्रकरणों का निराकरण लोक अदालत के माध्यम से कराकर इस अवसर का लाभ उठाएं।

कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने टामोटी में रात्रि विश्राम के बाद सुबह की पहली किरण के साथ जल संरचनाओं का किया निरीक्षण, अरावली गौशाला में गौ-सेवा की

ग्राम शिवपुरिया में ग्रामीणों से संवाद कर जल गंगा संवर्धन में जनभागीदारी का आह्वान

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को जिले के जनजाति बाहुल्य ग्राम टामोटी में रात्रि चौपाल एवं जल चौपाल में ग्रामीणों से रूबरू होने के बाद टामोटी में ही रात्रि विश्राम किया। छात्रावास भवन में अधिकारियों के दल के साथ रात गुजारने के बाद बुधवार को सुबह की पहली किरण के साथ ही कलेक्टर ने टामोटी क्षेत्र के गांवों में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत विभिन्न जल संरचनाओं के निर्माण कार्यों के स्थल का मौके पर निरीक्षण किया।

ग्राम शिवपुरिया में संवाद- कलेक्टर श्री चंद्रा ने ग्राम शिवपुरिया पहुंचकर ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने ग्रामीणों को जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत बढ़-चढ़कर सहभागिता करने और अधिक से अधिक जल संरचनाओं का जन सहयोग से निर्माण करने की समझाइश दी।

अरावली गौशाला में गौ-सेवा- बुधवार को सुबह कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा टामोटी के समीप पहाड़ी पर स्थित अरावली गौशाला पहुंचे। वहां उन्होंने गायों को अपने हाथों से गो-ग्रास व चारा खिलाया और गौशाला में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली।

कलेक्टर ने गौशाला में उपलब्ध गायों, उनकी देखभाल की व्यवस्था, पशु चारा व पशु आहार की व्यवस्था, पशुओं के लिए पेयजल की उपलब्धता आदि की विस्तृत जानकारी ली। इस दौरान कलेक्टर ने गाय के बछड़ों को गोद में उठाकर उन्हें दुलार भी किया। गौशाला की समिति सदस्यों ने कलेक्टर का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया।

उपस्थित अधिकारी- इस मौके पर जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, एडीएम श्री बी.एस. कलेश एवं एसडीएम सुश्री किरण आंजना सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सक्रिय हुए राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर, रेलवे स्टेशन पर नई पार्किंग व्यवस्था लागू करवाई

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मंदसौर रेलवे स्टेशन के बाहर लंबे समय से यातायात अव्यवस्थित होने एवं जाम की स्थिति बनने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। स्टेशन के लिए आने-जाने का एक ही मार्ग होने तथा ऑटो रिक्शाओं के अव्यवस्थित खड़े रहने के कारण स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही थी। इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर ने मौके पर पहुंचकर आरपीएफ अधिकारियों एवं यातायात प्रभारी से चर्चा की और यातायात व्यवस्था में सुधार के जनहित में निर्देश दिए। इसके बाद थाना यातायात द्वारा रेलवे स्टेशन परिसर में ऑटो रिक्शा एवं अन्य वाहनों की सुचारू आवाजाही के लिए नई व्यवस्था लागू की गई है।

नई व्यवस्था के तहत आरपीएफ के सहयोग से स्टेशन परिसर में लगभग 15 से 20 ऑटो रिक्शाओं के पार्किंग हेतु निर्धारित स्थान चिन्हित किया गया है।

जिसके लिए मार्किंग भी की गई है । अब ऑटो रिक्शा स्टेशन परिसर में तय स्थान पर लाइन से खड़े किए जाएंगे।

इसके अलावा रेलवे स्टेशन पहुंच मार्ग पर अधिकतर यात्री ट्रेनों के आवागमन के समय सुबह 7 बजे से 11 बजे तक एवं शाम 4 बजे से रात 8 बजे तक किसी भी ऑटो रिक्शा को मार्ग पर खड़ा करने की अनुमति नहीं होगी।

इस दौरान यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस अधीक्षक मंदसौर के निर्देश पर यातायात पुलिस स्टाफ की विशेष ड्यूटी भी लगाई गई है। नई व्यवस्था लागू होने से रेलवे स्टेशन के बाहर लंबे समय से बनी ट्रैफिक जाम की समस्या में राहत मिलेगी तथा यात्रियों को सुगम एवं सुरक्षित आवागमन का लाभ मिलेगा।

सभी विभाग ग्रामीणों के आवेदनों/समस्याओं का सकारात्मक निराकरण सुनिश्चित करें- श्री चंद्रा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में समय सीमा पत्रों के निराकरण, रात्रि चौपाल कोज्या एवं टामोटी में ग्रामीणों से प्राप्त आवेदनों के निराकरण की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, एडीएम श्री बी.एस.कलेश, एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर एवं सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर ने सभी जिला अधिकारियों को निर्देश दिए, कि वे कोज्या एवं टामोटी में सम्पन्न रात्रि चौपाल में ग्रामीणों से प्राप्त समस्याओं, आवेदनों का सकारात्मक त्वरित निराकरण सुनिश्चित करे।

कलेक्टर ने टामोटी में जल निगम द्वारा मजरो, टोलो के कुछ घरों में नीला पाईप डालकर कनेक्शन से छूट जाने की ग्रामीणों की समस्या पर जल निगम महाप्रबंधक को निर्देश दिए, कि वे संबंधित सहायक यंत्री एवं उपयंत्री के विरूद्ध कार्यवाही कर अवगत कराए और ग्रामीणों की समस्या का त्वरित समाधान मौके पर सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने ग्रामीणों की मांग पर टामोटी क्षेत्र के कुछ गांव गांधीसागर से रामपुरा, मनासा सूक्ष्म प्रेशरयुक्त सिंचाई योजना से छूटने पर इन गांवों को शामिल करने की मांग पर कलेक्टर ने जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री के प्रति अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए सख्त निर्देश दिए, कि वे छूटे हुए सभी गांवों को स्वीकृत रामपुरा , मनासा सिंचाई परियोजना में शामिल करने के लिए प्रस्ताव तैयार कर शासन को तत्काल भिजवाए। साथ ही सिंगोली क्षेत्र के एक क्षतिग्रस्त जलाशय की जनभागीदारी से मरम्मत व सुदृढीकरण का कार्य भी तत्काल प्रारंभ करवाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने सभी सीएमओ और खाद्य सुरक्षा अधिकारी को फलो, सब्जियों के विक्रेताओं, दुकानों व अन्य खाद्य पदार्थो की सघन जांच कर नमूने लेने और कार्यवाही करने के लिए सघन अभियान चलाने के निर्देश दिए है। सभी एसडीएम को उक्त अभियान की सतत मॉनीटरिंग करने के निर्देश भी कलेक्टर ने दिए है।

सुवासरा पुलिस ने 145 किलो डोडाचूरा के साथ एक आरोपी को पकड़ा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सुवासरा थाना पुलिस ने 145 किलो डोडाचूरा के साथ एक आरोपी को पकड़ा है। पुलिस के अनुसार 06.05.2026 को मुखबिर सूचना पर सुवासरा थाना प्रभारी निरीक्षक राजेन्द्र सिंह बघेल के निर्देशन में रूनीजा चौकी प्रभारी भारत कटारा एवं टीम द्वारा ग्राम सेमली कांकड पर फोरलेन के पास ग्रीड के सामने से एक कार में सवार आरोपी राजेश कुमार पिता हरीराम निवासी भोजासर जिला फलोदी राजस्थान को गिरफ्तार किया है। कार में से 145 किलो डोडाचूरा मिला है। पूछताछ में उसने बताया कि डोडाचूरा अनिल पिता रामकिशन उर्फ रामलाल निवासी बरखेड़ा गंगासा थाना गरोठ से लाया था। मामले में अनिल फरार है, जिसकी तलाश जारी है।

9 मई को आयोजित होने वाली आगामी नेशनल लोक अदालत के प्रचार-प्रसार हेतु वाहन रवाना

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला विधिक सहायता अधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पूनम तिवारी ने बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली तथा म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष सुश्री नीना आशापुरे की अध्यक्षता में 09 मई को जिला न्यायालय रतलाम एवं तहसील न्यायालय जावरा, सैलाना, आलोट में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा।

उक्त लोक अदालत में न्यायालय में लंबित समझौता योग्य सिविल एवं आपराधिक, श्रम न्यायालय, उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग, बैंकों के ऋण वसूली प्रकरण, बी.एस.एन.एल, संपत्तिकर एवं जलकर के प्री-लिटिगेशन प्रकरणों के निराकरण हेतु कुल 39 खण्डपीठे जिला स्तर एवं तहसील स्तर पर पृथक-पृथक गठित की गई है।

6 मई को जिला न्यायालय रतलाम प्रांगण में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष सुश्री नीना आशापुरे, प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय, रतलाम श्री रामजी गुप्ता के कुशल नेतृत्व में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रतलाम द्वारा लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। उक्त प्रचार अभियान में जिला प्राधिकरण की मोबाइल वैन, ई-रिक्शा, विद्युत विभाग एवं नगर निगम के वाहनों द्वारा संपूर्ण रतलाम शहर एवं जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में पीएलव्ही के माध्यम से नेशनल लोक अदालत एवं अन्य योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

इस अवसर पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती सपना भारती कतरोलिया, जिला रजिस्ट्रार एवं न्यायाधीश श्री अनुपम तिवारी, सचिव/न्यायाधीश, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रतलाम श्री नीरज पवैया, जिला विधिक सहायता अधिकारी सुश्री पूनम तिवारी एवं अधिवक्ता संघ के उपाध्यक्ष श्री सुनील जैन एवं लीगल एड डिफेंस काउंसेल सिस्टम के डिप्टी चीफ श्री अनिल शर्मा एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रतलाम के समस्त कर्मचारीगण एवं अन्य पैरालीगल वालेंटियर्स उपस्थित थे।

नेशनल लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु जिलें के विभिन्न स्थानों पर बैनर लगवाये गए है। प्रचार वाहनों के माध्यम से प्रसारित जिंगल एवं नालसा थीम सॉग तथा विधिक साक्षरता शिविरों के आयोजन तथा पैरालीगल वालेंटियर के द्वारा आमजन तक पंहुच बनाकर उन्हें लोक अदालत आयोजन की व्यापक जानकारी दी जावेगी। उक्त लोक अदालत में विभिन्न विभागों जैसे एम.पी.ई.बी. विभाग, नगर पालिक निगम, बैंकों के मामलों इत्यादि में विभिन्न प्रकार के शुल्कों में छूट प्रदान की जा रही है। जिसके लिये संबंधित विभाग से संपर्क कर जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

9 मई को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत में न्यायालय में लंबित समझौता योग्य प्रकरण तथा (वाद पूर्व) प्री-लिटिगेशन प्रकरण निराकरण हेतु प्रस्तुत किए जा रहे है।

झांतला में अनतमती श्राविका संस्कार शिविर का भव्य आयोजन

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मेवाड़ प्रान्त कि धार्मिक नगरी झांतला में आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज नवाचार्य श्री समय सागर जी महाराज के आशीर्वाद से अर्ह योग प्रणेता मुनिश्री प्रणम्य सागर जी महाराज ससघ व आर्यिका श्री प्रशममति माताजी ससघ के पावन सानिध्य में मेवाड़ प्रान्त में प्रथम बार दिव्य अनतमति श्राविका संस्कार शिविर का 10 मई रविवार को आयोजन होने जा रहा है जिससे बड़ी संख्या में आसपास के नगरों से समाजजन उपस्थित रहेंगे इस शिविर में 8 वर्ष से ऊपर की अविवाहित कन्याएं शिविर में भाग ले सकेगी शिविर का उद्देश्य कन्याओं को जैन धर्म के सिद्धांतों,नेतिक मूल्यों, संस्कारों,पुजा पाठ ओर जीवन जीने की सही कला (आध्यात्मिक शिक्षा) सिखाना होता है इस शिविर में 200 से अधिक कन्याएं श्राविका संस्कार शिविर में भाग लेगी कार्यक्रम को लेकर नगर के साथ साथ आसपास के क्षैत्रो में काफी उत्साह का वातावरण बना हुआ है कार्यक्रम 10 मई रविवार को प्रातः काल 7 बजें अभिषेक शांतिधारा दोपहर 12-30 बजे से शोभायात्रा दोप.1 बजें मंगलाचरण दोप.1-30 बजें से संस्कार विधि प्रारंभ दोप.3-30 बजें से मुनिश्री व आर्यिका ससघ के मंगल प्रवचन सायं काल 6-30 बजें से गुरुभक्ति आदी कार्यक्रम होंगे सम्पूर्ण कार्यक्रम श्री विरेन्द्र कुमार सखलेचा सामुदायिक भवन बस स्टैंड झांतला में आयोजित होगा इस दोरान बडी संख्या में समाजजन उपस्थित रहेंगे।

गर्मी से मानव स्वास्थ्य पर होने वाले दूष्प्रभाव से बचाव व रोकथाम की जागरूकता

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। माह मार्च से माह जुलाई तक तापमान में बढ़ोत्तरी परिलक्षित होती है, वर्तमान में ग्लोबल वार्मिंग के कारण जलवायु परिवर्तन से तापमान में हो रही वृद्धि के कारण हमारे स्वास्थ्य पर मौसम का दुष्प्रभाव परिलक्षित होता है। जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.दिनेश प्रसाद ने बताया, कि अधिक तापमान के कारण होने वाले स्वास्थ्य पर दूष्प्रभावों की रोकथाम एवं प्रभावी नियंत्रण के लिए समयानुसार उपाय किये जाए, ताकि मानव स्वास्थ्य को होने वाली हानि से यथासंभव बचाया जा सकें।

लू - हीट स्ट्रोक (सन स्ट्रोक) शरीर की वह अवस्था है जिसमें गर्मी के कारण शरीर का तापमान 40.0 डिग्री सेल्सियस (104.0 डिग्री फारेनहाइट) के पास पहुँच जाता है और मन में उलझन की स्थिति रहती है। यह स्थिति एकाएक आ सकती है या धीरे-धीरे। इस समस्या की जटिल अवस्था होने पर किडनी काम करना बन्द कर सकती है। लू लगने पर अगर तुरंत उपचार न मिले तो मृत्यु भी हो सकती है। इसलिये पर्याप्त मात्रा में पानी अवश्य पिये, छोटे बच्चों को कपड़े से ढककर छाया वाले स्थान पर रखें। गर्मियों में पसीना अधिक आने के कारण शरीर की त्वचा पर भी असर होता है। पसीना शरीर पर आता रहता है और जमता रहता है जिसके कारण त्वचा पर कई बार खुजली कि होने लगती है और गर्मी से एलर्जी हो जाती है और लाल हो जाती है। कई बार ज्यादा खुजली करने के कारण शरीर बहुत लाल हो जाती है। शरीर की त्वचा पर घुमन सी होती है जिसके कारण इसे कांटेदार गर्मी भी कहा जाता है।

हीट रेशेज के लक्षण - छोटे गुलाबी या लाल रंग की त्वचा या फिर छोटे छोटे दाने निकलना। जलन, खुजली या त्वचा पर चुभन सी महसूस होना ऐसा तब होता है जब शरीर का पसीना आसानी से वाष्पित नहीं हो पाता।

क्या उपाय करें - ठंडे पानी और कूलर की सहायता से शरीर का तापमान नियंत्रित करें। ढीले सूती कपड़े पहने। प्रभाव को कम करने के लिए विशेष प्रकार के सनस्क्रीन लोशन का प्रयोग करें। जितना संभव हो सके त्वचा को साफ और शुष्क बना कर रखें । इससे संक्रमण की संभावना कम होती है। गर्मी में घर से बहार निकलते वक्त छाते का प्रयोग अवश्य करें। घर से बाहर पानी या ठंडा शरबत पी कर ही बाहर निकले जैसे आम पन्ना और शिकंजी ज्यादा फायदेमंद है। घर से बाहर जाते समय पीने का पानी साथ में लेकर जाए। अगर तेज धूप में थे तो एकदम से ठंडा पानी नहीं पीना चाहिए।

निर्जलीकरण- गर्मी के कारण शरीर में पानी की कमी हो जाती है। ऐसा तब होता है जब कोई काफी समय से काम में व्यस्त है या ज्यादा शरीरिक कार्य करता है और यदि काफी समय से पानी नहीं पीया जाए इससे गर्मी में डीहाइड्रेशन की समस्या उत्पन्न हो जाती है।

शरीर को निर्जलीकरण से बचने के लिए नियमित रूप से थोड़े थोड़े समय बाद पानी पीना आवश्यक है, अगर किसी का गला बार बार सूख रहा है तो ये संकेत है कि उसका शरीर में पर्याप्त पानी नहीं है। यदि किसी दिन बहुत ज्यादा गर्मी है उस दिन ज्यादा व्यायाम से बचें क्योंकि इससे शरीर का पानी जल्दी सूखता है।

सुबह जल्दी और देर शाम जब ठंडक हो तभी व्यायाम किया जाना चाहिए। निर्जलीकरण, ज्यादा पसीना आ जाना, कमजोर या थका हुआ महसूस करना, शरीर का तापमान बढ़ना, त्वचा का रंग पीला पड़ना या चेहरा पीला पढ़ना, मितली / उल्टी जैसा महसूस करना, बेहोशी आना।

क्या उपाय करें- अगर घर से बाहर है और निर्जलीकरण के संकेत मिलें तो किसी छाया वाले और शांत जगह पर आराम करें। इलेक्ट्रॉल/ओ.आर एस / फलों का रस आदि पेय पदार्थों का निरंतर सेवन करते रहे। कॉर्बोनेटेड और कैफीन युक्त पेय से बचें।

सम्पादकीय

अमेरिका, इजरायल और ईरान के बारूद के खेल से मानवता सर्वनाश की ओर

अमेरिका इजरायल और ईरान के महत्वाकांक्षी और विस्तार के अतिरेक के धनी राष्ट्र प्रमुखों ने अपने देश के साथ-साथ पूरी दुनिया में आर्थिक संकट तथा वैश्विक अशांति बारूद के माध्यम से पैदा कर दी है। न केवल उनके अपने देश के नागरिक असुरक्षित हैं बल्कि पूरे विश्व की मानव सभ्यता को खतरा नजर आने लगा है। यह बात एकदम समझ से परे है की हर बात का हिंसा ही समाधान नहीं हो सकता, वार्ता और विचारों से भी कई बड़े-बड़े मसले हल किये जा सकते हैं फिर कितने व्यापक खून खराबे और युद्ध की क्या आवश्यकता है।

महात्मा गांधी ने अहिंसा को मानवता का सबसे बड़ा अस्त्र बताया था,उनका प्रसिद्ध कथन है किआँख के बदले आँख पूरी दुनिया को अंधा बना देगी। उन्होंने यह भी कहा कि अहिंसा मानवता का परम धर्म है, और यह स्पष्ट किया कि स्थायी शांति केवल सत्य और अहिंसा के मार्ग से ही संभव है, न कि युद्ध से।

ज्ञान, संवेदना और मानवता से परे जब महायुद्ध की आहट सुनाई देती है, तब केवल सीमाओं का विस्तार या सत्ता का संघर्ष नहीं होता, बल्कि पूरी मानव सभ्यता अपनी आत्मा के संकट से गुजरती है। यह वही समय होता है जब विज्ञान, जो मानव कल्याण का साधन होना चाहिए था, विनाश का औजार बन जाता है और ज्ञान, जो प्रकाश फैलाने के लिए था, अंधकार को और गहरा कर देता है। आज का महायुद्ध केवल बंदूकों और बमों तक सीमित नहीं रहा, यह तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर हमलों और परमाणु शक्ति के रूप में इतना भयावह हो चुका है कि इसका परिणाम केवल हार-जीत नहीं, बल्कि सम्पूर्ण मानवता के अस्तित्व का प्रश्न बन गया है।

गौतम बुद्ध ने करुणा और शांति को जीवन का मूल आधार माना था, उनका संदेश था घृणा से घृणा कभी समाप्त नहीं होती, प्रेम से ही समाप्त होती है। यह विचार बताता है कि युद्ध की आग को केवल प्रेम और समझदारी से ही बुझाया जा सकता है। जब एक देश अपनी शक्ति का प्रदर्शन करता है, तो वह केवल अपनी सीमाओं की रक्षा नहीं करता, बल्कि अनजाने में दूसरे देशों के लिए भय, असुरक्षा और विनाश का कारण भी बन जाता है। यही शक्ति संतुलन की असमानता महायुद्ध की नींव रखती है, जहाँ एक का सामर्थ्य दूसरे के लिए संकट बन जाता है और यह संकट धीरे-धीरे पूरी दुनिया को अपनी चपेट में ले लेता है। आज मानवता चीख रही है, रो रही है, क्योंकि जिन हाथों ने मशीनें बनाई थीं, उन्हीं हाथों ने विनाश के हथियार भी गढ़ लिए हैं। वैज्ञानिक प्रगति का यह विडंबनापूर्ण रूप हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम सच में विकसित हुए हैं या केवल विनाश के नए-नए तरीके खोज लिए हैं। युद्ध के मैदान में गिरता हर सैनिक केवल एक शरीर नहीं होता, वह किसी का बेटा, किसी का पिता, किसी का सपना होता है, और जब वह गिरता है, तो उसके साथ कई जीवन बिखर जाते हैं। बच्चों की मासूमियत, माताओं की ममता और बुजुर्गों की आशाएँ इस महायुद्ध की भेंट चढ़ जाती हैं। ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या युद्ध का अंत शांति में नहीं हो सकता, क्या संवाद और वार्ता के माध्यम से समाधान नहीं निकाला जा सकता। इतिहास इस बात का साक्षी रहा है कि जहाँ युद्ध ने केवल विनाश दिया, वहीं शांति वार्ताओं ने नए युग की शुरुआत की है।

मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने भी यही कहा कि अंधकार अंधकार को नहीं मिटा सकता, केवल प्रकाश ही ऐसा कर सकता है,और यह प्रकाश केवल शांति और संवाद के माध्यम से ही संभव है। जब राष्ट्र अपने अहंकार और शक्ति प्रदर्शन को त्यागकर एक-दूसरे के साथ बैठते हैं, तो समस्याओं का समाधान निकलता है, क्योंकि संवाद वह सेतु है जो दुश्मनी को भी दोस्ती में बदल सकता है। आज की दुनिया को यह समझने की आवश्यकता है कि युद्ध कोई समाधान नहीं, बल्कि समस्याओं को और जटिल बनाने का माध्यम है। विज्ञान का उपयोग यदि मानव कल्याण के लिए किया जाए, तो यह जीवन को सरल और सुंदर बना सकता है, लेकिन यदि इसका दुरुपयोग किया गया, तो यह पूरी सृष्टि को विनाश के कगार पर पहुँचा सकता है। अल्बर्ट आइंस्टीन जैसे महान वैज्ञानिक, जिन्होंने परमाणु युग की शुरुआत देखी, उन्होंने चेतावनी दी मुझे नहीं पता तीसरा विश्व युद्ध किन हथियारों से लड़ा जाएगा, लेकिन चौथा विश्व युद्ध पत्थरों और लाठियों से लड़ा जाएगा। उनका यह कहना।विज्ञान के दुरुपयोग की भयावह परिणति को दर्शाता है। उन्होंने यह भी कहा कि शांति बलपूर्वक नहीं रखी जा सकती, यह केवल समझ से प्राप्त होती है। हमें यह तय करना होगा कि हम अपने ज्ञान का उपयोग किस दिशा में करना चाहते हैं,सृजन की ओर या विनाश की ओर। महायुद्ध की यह भयावह छाया हमें चेतावनी देती है कि यदि हमने समय रहते अपने मार्ग को नहीं बदला, तो वह दिन दूर नहीं जब मानवता केवल इतिहास की पुस्तकों में ही रह जाएगी। इसलिए आवश्यक है कि विश्व के सभी राष्ट्र अपने मतभेदों को भुलाकर शांति, सहयोग और सह-अस्तित्व के मार्ग को अपनाएँ। युद्ध के स्थान पर यदि हम संवाद को प्राथमिकता दें, तो न केवल संघर्ष टल सकते हैं, बल्कि एक बेहतर और सुरक्षित दुनिया का निर्माण भी संभव है।

सहजयोग में ईश्वर की खोज : बाहर भी, भीतर भी

मानव जीवन का सबसे गहरा प्रश्न है–ईश्वर कहाँ है? क्या वह किसी मंदिर, मस्जिद या तीर्थस्थल में सीमित है, या हमारे अपने भीतर भी उसका वास है? सहजयोग इसी प्रश्न का एक सरल, अनुभवात्मक उत्तर प्रस्तुत करता है। यह बताता है कि ईश्वर की खोज न केवल बाहर की दुनिया में, बल्कि हमारे भीतर भी संभव है–और वास्तविक संतुलन इन्हीं दोनों के समन्वय में है।

सहजयोग का अर्थ है–सहज रूप से योग, अर्थात् बिना किसी कठिन तपस्या या जटिल विधियों के, आत्मा और परमात्मा का मिलन। यह एक आंतरिक जागृति की प्रक्रिया है, जिसमें व्यक्ति अपनी कुंडलिनी शक्ति के माध्यम से अपने भीतर की दिव्यता को अनुभव करता है।

भीतर की यात्रा़- आत्म-साक्षात्कार - सहजयोग का मुख्य केंद्र है–भीतर की खोज। जब मनुष्य ध्यान के माध्यम से अपने भीतर उतरता है, तो वह शांति, प्रेम और आनंद का अनुभव करता है। यही अनुभव ईश्वर की उपस्थिति का प्रत्यक्ष प्रमाण बनता है।

भीतर का ईश्वर निराकार, शुद्ध और सदा उपस्थित है। यह अनुभव किसी विश्वास या कल्पना पर नहीं, बल्कि व्यक्तिगत अनुभूति पर आधारित होता है।

बाहर की खोज़- प्रकृति और समाज में ईश्वर - हालांकि सहजयोग भीतर की यात्रा पर जोर देता है, लेकिन यह बाहर की दुनिया को भी ईश्वर की अभिव्यक्ति मानता है। प्रकृति की सुंदरता, व्यवस्था और संतुलन ईश्वर की रचना को दर्शाते हैं। मानव संबंधों में प्रेम, करुणा और सेवा भी दिव्यता के रूप हैं।

इस प्रकार, बाहर की दुनिया हमें ईश्वर के गुणों को पहचानने और सराहने का अवसर देती है।

भीतर और बाहर का संतुलन- सिर्फ बाहर खोजने से व्यक्ति बाहरी आडंबर में उलझ सकता है, और केवल भीतर ध्यान लगाने से वह समाज से कट सकता है। सहजयोग इन दोनों के बीच संतुलन सिखाता है। भीतर से शांति प्राप्त करें। बाहर उस शांति और प्रेम को फैलाएं। जब व्यक्ति भीतर से जागृत होता है, तो उसका व्यवहार, विचार और जीवनशैली स्वतः ही सकारात्मक हो जाती है।

सहजयोग हमें यह सिखाता है कि ईश्वर की खोज किसी एक दिशा तक सीमित नहीं है। वह हमारे भीतर भी है और बाहर भी। जब हम अपने भीतर की दिव्यता को पहचानते हैं और बाहर की दुनिया में उसे अनुभव करते हैं, तब जीवन पूर्ण और सार्थक बन जाता है।

जनादेश के बाद भी असहमतिः ममता की रणनीति या जिद?

पश्चिम बंगाल में 2026 विधानसभा चुनाव के नतीजों ने न केवल 15 साल पुरानी तृणमूल कांग्रेस की सत्ता का अंत किया, बल्कि गंभीर संवैधानिक टकराव की भूमिका भी बना दी है। भाजपा ने 293 सीटों के नतीजों के अनुसार 294 सदस्यीय सदन में 207 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत पाया, जबकि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सिर्फ 80 सीटों पर सिमट गई। ममता बनर्जी ने परिणामों को 'साजिश' और 'जनादेश की लूट' बताते हुए इस्तीफा देने से इनकार कर दिया। उनका बयान मैं हारी नहीं, इसलिए राजभवन नहीं जाऊंगी बंगाल की राजनीति को नए मोड़ पर ले गया है। ममता बनर्जी खुद भवानीपुर सीट पर शुभेंदु अधिकारी से हारी हैं। 92.93त्न के उच्च मतदान के बावजूद उनका इनकार लोकतंत्र की मूल भावना–जनता के निर्णय–को चुनौती देता है। यह हालात राज्य में अस्थिरता, हिंसा और प्रशासनिक संकट की आशंका बढ़ा रहे हैं।

ममता बनर्जी का रुख चुनावी नतीजों को सीधी चुनौती देता है–यह हार स्वीकार न करने का संकेत है। उन्होंने 100 से अधिक सीटों में धांधली, चुनाव आयोग पर पक्षपात और अपनी नैतिक जीत का दावा किया। ममता ने कहा कि असली लड़ाई भाजपा नहीं, बल्कि चुनाव आयोग से थी। हालांकि, आयोग ने पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी बताते हुए वोटर लिस्ट संशोधन सहित हर कदम का बचाव किया। ममता का 'राजभवन नहीं जाऊंगी' बयान न केवल राज्यपाल के संवैधानिक अधिकारों की अवमानना है, बल्कि शांतिपूर्ण सत्ता हस्तांतरण की लोकतांत्रिक परंपरा को भी आघात पहुंचाता है। जब जनता स्पष्ट जनादेश दे चुकी हो, तब सत्ता से चिपके रहना लोकतंत्र की भावना के विपरीत है। बंगाल में पहले से मौजूद ध्रुवीकरण और पोस्ट-पोल हिंसा इस टकराव से और तीव्र हो सकती है। संवैधानिक प्रावधान इस विवाद के केंद्र में हैं। अनुच्छेद 164(1) के अनुसार मुख्यमंत्री और मंत्रिमंडल राज्यपाल की 'प्रसन्नता' पर पद धारण करते हैं। बहुमत खोने पर राज्यपाल इस्तीफा मांग सकते हैं या फ्लोर टेस्ट करवा सकते हैं। एस.आर. बोम्मई बनाम भारत संघ में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि सरकार की विश्वसनीयता का परीक्षण सदन के फ्लोर पर ही होगा, न कि गवर्नर की निजी राय पर। यदि ममता इस्तीफा नहीं देतीं, तो राज्यपाल विशेष सत्र बुलाकर फ्लोर टेस्ट का आदेश दे सकते हैं। 207 बनाम 80 के आंकड़ों में फ्लोर टेस्ट में टीएमसी के लिए बहुमत साबित करना असंभव है। इसके बाद मुख्यमंत्री को इस्तीफा देना या बर्खास्त होना पड़ सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, राज्यपाल का यह अधिकार स्पष्ट है और इसे मनमानी नहीं कहा जाएगा।

यदि ममता फ्लोर टेस्ट से बचने या सदन की कार्यवाही से लगातार इनकार करती हैं, तो राज्यपाल के पास बर्खास्तगी और अनुच्छेद 356 के तहत राष्ट्रपति शासन लागू करने का संवैधानिक विकल्प भी उपलब्ध हो जाता है। कई पूर्व सॉलिसिटर जनरल और संवैधानिक विशेषज्ञ मानते हैं कि बहुमत खोकर भी सत्ता में बने रहना संवैधानिक तंत्र के पूर्ण विफल होने का स्पष्ट संकेत है। इतिहास में महाराष्ट्र, कर्नाटक और अन्य राज्यों में ऐसी परिस्थितियां कई बार सामने आई हैं, जहां राज्यपाल ने फ्लोर टेस्ट अनिवार्य कराया या सरकार को बर्खास्त किया। ममता के मामले में भी यही स्थापित संवैधानिक प्रक्रिया अपनाई जा सकती है, ताकि लोकतंत्र और सुशासन की रक्षा प्रभावी रूप से सुनिश्चित हो सके।

इस टकराव के राजनीतिक और सामाजिक आयाम अत्यंत गहरे और व्यापक हैं। ममता ने इंडिया गठबंधन से समर्थन मांगा और केंद्र पर गंभीर आरोप लगाए हैं। वहीं, भाजपा नई सरकार बनाने की सक्रिय और निर्णायक तैयारी में है। यह बदलाव 1937 के बाद बंगाल में पहली दक्षिणपंथी सरकार के उदय का संकेत है। टीएमसी शासन के दौरान भ्रष्टाचार, संदेशखाली जैसी घटनाएं, आरजी कर कांड, हिंसा और प्रशासनिक लापरवाही के आरोपों ने मतदाताओं को भाजपा की ओर निर्णायक रूप से मोड़ा। ममता का इनकार न केवल सत्ता के लोभ और व्यक्तिवाद को उजागर करता है, बल्कि लोकतंत्र में शांतिपूर्ण सत्ता हस्तांतरण की परंपरा को भी गंभीर चुनौती देता है। पोस्ट-पोल तनाव और कार्यालय तोड़फोड़ की बढ़ती घटनाएं स्थिति को और अधिक जटिल बना रही हैं।

संभावित परिणाम और चुनौतियां अनेक, जटिल और दूरगामी हैं। राज्यपाल यदि शीघ्र और निर्णायक कार्रवाई करते हैं तो बंगाल में अल्पकालिक राष्ट्रपति शासन लागू हो सकता है, जिसके बाद नई सरकार का गठन संभव होगा। लेकिन इससे कानून-व्यवस्था बिगड़ने और व्यापक विरोध प्रदर्शनों के उभरने की आशंका और प्रबल होगी। दूसरी ओर, यदि ममता अदालत का रुख करती हैं, तो सुप्रीम कोर्ट बोम्मई फैसले के आधार पर त्वरित फ्लोर टेस्ट का आदेश दे सकता है। यह पूरा प्रकरण भारत की संघीय व्यवस्था की वास्तविक मजबूती और संतुलन की गंभीर परीक्षा भी है। केंद्र-राज्य संबंधों में संतुलन बनाए रखना और लोकतांत्रिक मूल्यों की प्रभावी रक्षा करना अत्यंत आवश्यक और अनिवार्य है। जब संस्थाएं और जनादेश आमने-सामने खड़े हों, तब लोकतंत्र की असली कसौटी सामने आती है–बंगाल आज उसी मोड़ पर है। जनादेश सर्वोपरि होता है और हर नेता को व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से ऊपर उठकर उसे स्वीकार करना चाहिए–यही सच्ची और परिपक्व लोकतांत्रिक परंपरा है। ममता बनर्जी को अब सदन में बहुमत साबित करने का अवसर मिलना चाहिए या शांतिपूर्वक सत्ता हस्तांतरण करना चाहिए। राज्यपाल, चुनाव आयोग और न्यायपालिका संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप समाधान निकालेंगे। इससे बंगाल में स्थिर और प्रभावी सरकार बनेगी तथा विकास की नई राह खुलेगी। यह टकराव ममता बनाम राज्यपाल से आगे बढ़कर लोकतंत्र बनाम व्यक्तिवाद का व्यापक प्रश्न बन गया है। शांतिपूर्ण और संवैधानिक समाधान ही बंगाल की जनता की सर्वोच्च अपेक्षा है।

-प्रो. आरके जैन

भाजपा, हिंदूकृत राष्ट्रवाद, बंगाल और एक्स फैक्टर

तीन गैर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित राज्यों में सत्ताधारी दलों को हार का सामना करना पड़ा। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल के इन परिणामों के अलग-अलग सबक और नजरिये हैं। मैं पहले इन तीनों राज्यों के कुछ सामान्य पहलू सामने रखूंगा और फिर कुछ खास। सबसे पहले बात करते हैं पश्चिम बंगाल की। मैं एक कहानी से शुरुआत करता हूं। श्यामल दत्ता, 1965 बैच के पश्चिम बंगाल कैडर के भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी रहे जिन्होंने 1998 से 2001 तक इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के निदेशक के रूप में काम किया। उस वक्त अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री थे। बाद में 2002 से 2008 तक वह राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी राजग और संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन यानी संप्रग की सरकारों में नागालैंड के राज्यपाल रहे। वह किसी राजनीतिक दल के वफादार नहीं थे। एक उड़ान के दौरान मैंने उनसे पूछा था कि क्या भाजपा कभी पश्चिम बंगाल में जीत सकती है। उन्होंने कहा था कि बंगाल किसी भी अन्य प्रदेश की तुलना में भाजपा को अधिक खुले दिल से अपनाएगा। बस यह देखना है कि इसमें कितना वक्त लगेगा। 85 वर्षीय दत्ता सेवानिवृत्ति के बाद कोलकाता के बालीगंज में रहते हैं। मैंने उन्हें फोन करके 26 साल पहले हुई बातचीत की याद दिलाई। और पूछा कि आखिर उन्हें इतना यकीन कैसे था कि भाजपा वहां जीत जाएगी? उन्होंने कहा, 'यह बहुत पुरानी बात हो गई लेकिन शायद मैं ऐसा इसलिए कह सका क्योंकि मैं कोलकाता में वाजपेयी की रैली में उनके साथ था। वह ममता बनर्जी के घर गए थे और उन्होंने उनकी मां के पैर छुए थे।'

वहां लोगों की गर्मजोशी और भीड़ देखकर उन्हें लगा था कि बंगाल भाजपा के लिए तैयार है। उन्होंने कुछ दार्शनिक अंदाज में कहा कि उन्हें यह भी लगा था कि ममता बंगाल में भाजपा की नेता हो सकती हैं। लेकिन यह कहानी सिरे से उलट गई। ममता की तृणमूल कांग्रेस वाजपेयी के राजग की सदस्य थी और वह रेल मंत्री थीं। फरवरी 2002 के गुजरात दंगों और नरेंद्र मोदी के उभार के बीच मुस्लिम मतों की जरूरत ने ममता को राजग छोड़ने पर विवश किया। इस कहानी के कुछ सबक हैं।

पहला निष्कर्ष उनकी पराजय से निकलता है। अब तक कल्याणकारी योजनाओं और पहचान की राजनीति का संयोजन उनके लिए कारगर रहा। 30 फीसदी मुस्लिम वोट और महिलाओं की निष्ठा के चलते वह भाजपा की दशक भर की चुनौती के बावजूद अजेय दिखती थीं। लेकिन आखिरकार स्पष्ट नजर आने वाले विकास की कमी और वाम मोर्चा के समय की 'दादागीरी' (स्थानीय माफिया) ने उन्हें हरा दिया। निश्चित रूप से भाजपा ने पूरी ताकत झोंक दी। लेकिन सबक यह है कि केवल कल्याणकारी योजनाएं और पहचान की राजनीति बार-बार काम नहीं करतीं। चौथी बार तो बिल्कुल नहीं। विकास जरूरी है। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु दोनों क्षेत्रीय पहचान की राजनीति की सीमाओं को उजागर करते हैं। दीदी और एमके स्टालिन दोनों ने अपनी राजनीति दिल्ली, हिंदी वर्चस्व और अन्यायपूर्ण केंद्र के खिलाफ आगे बढ़ाई।

-सुनील कुमार महला

इंडी में बिखराव का खतराः विपक्ष के लिए आत्ममंथन का समय

भारतीय लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष दोनों की अपनी-अपनी अनिवार्य भूमिकाएं हैं। जहां सत्ता नीतियों का निर्माण और क्रियान्वयन करती है, वहीं विपक्ष उन नीतियों की समीक्षा, संतुलन और वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करता है। लेकिन जब विपक्ष स्वयं ही असंगठित, दिशाहीन और अंतर्विरोधों से ग्रस्त हो जाए, तब लोकतांत्रिक संतुलन भी प्रभावित होता है। हाल के पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु सहित अन्य राज्यों के चुनाव परिणामों ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि विपक्षी एकता का दावा करने वाला गठबंधन अपने भीतर ही गंभीर संकट से गुजर रहा है। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस की पराजय और तमिलनाडु में द्रमुक की स्थिति ने विपक्षी खेमे को झकझोरने का काम किया है। यह केवल चुनावी हार नहीं है, बल्कि रणनीतिक विफलता का भी संकेत है और यह प्रश्न भी खड़ा करता है कि क्या विपक्ष केवल भाजपा-विरोध के आधार पर टिक सकता है या उसे एक ठोस वैचारिक और नीतिगत आधार की भी आवश्यकता है। भारतीय लोकतंत्र की सुदृढ़ता केवल सत्तापक्ष की नीतियों पर निर्भर नहीं करती, बल्कि एक सजग, विवेकशील और रचनात्मक विपक्ष पर भी उतनी ही आधारित होती है। विपक्ष का मूल दायित्व केवल आलोचना करना नहीं, बल्कि एक वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करना, नीतियों की खामियों को तथ्यों के आधार पर उजागर करना और जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से संसद एवं समाज के समक्ष रखना है। एक स्वस्थ लोकतंत्र में विपक्ष सरकार का विरोधी नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संतुलन का संरक्षक होता है। उसे विकास कार्यों में सहयोग करते हुए यह सुनिश्चित करना चाहिए कि शासन पारदर्शी, जवाबदेह और जनोन्मुखी बना रहे। दुर्भाग्यवश, पिछले दो दशकों में विपक्ष का एक बड़ा वर्ग इस रचनात्मक भूमिका से भटकता दिखाई दिया है, जहां नीतिगत बहसों की जगह व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप और राजनीतिक शोर-शराबा अधिक प्रमुख हो गया है।

इंडिया गठबंधन का गठन एक बड़े राजनीतिक उद्देश्य के साथ हुआ था-भाजपा के वर्चस्व को चुनौती देना। प्रारंभिक स्तर पर यह प्रयास कुछ हद तक सफल भी दिखाई दिया, जब इस गठबंधन ने भाजपा को पूर्ण बहुमत से दूर रखने में भूमिका निभाई, लेकिन समय के साथ यह स्पष्ट होता गया कि यह गठबंधन वैचारिक एकता से अधिक राजनीतिक अवसरवाद पर आधारित है। गठबंधन की सबसे बड़ी कमजोरी उसका आंतरिक समन्वय है, जहां विभिन्न दलों के अपने-अपने क्षेत्रीय हित, नेतृत्व की महत्वाकांक्षाएं और अलग-अलग राजनीतिक एजेंडे अक्सर एक-दूसरे से टकराते हैं। सीट बंटवारे से लेकर नेतृत्व के प्रश्न तक, हर स्तर पर मतभेद सामने आते रहे हैं, जिससे यह स्थिति बनती है कि केवल एक साझा विरोध के आधार पर गठबंधन को स्थायी नहीं बनाया जा सकता। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और शिवसेना (यूबीटी) की नेता प्रियंका चतुर्वेदी जैसे प्रमुख चेहरों के बीच जिस तरह की बयानबाजी सामने आई है, वह गठबंधन की आंतरिक स्थिति को और अधिक उजागर करती है। सार्वजनिक मंचों पर एक-दूसरे की आलोचना करना न केवल राजनीतिक परिपक्वता की कमी को दर्शाता है, बल्कि कार्यकर्ताओं और मतदाताओं के बीच भी भ्रम की स्थिति पैदा करता है। राजनीति में मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन उन्हें व्यक्त करने का तरीका और मंच भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि जब गठबंधन के नेता ही एक-दूसरे के खिलाफ बयान देने लगें, तो यह संदेश जाता है कि गठबंधन केवल नाम का है और वास्तविकता में वह बिखराव की ओर बढ़ रहा है।

महिला आरक्षण विधेयक पर विपक्ष का रुख भी उसकी रणनीतिक कमजोरी को उजागर करता है। यह विधेयक भारतीय समाज की आधी आबादी से जुड़ा एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय था, लेकिन इसका विरोध जिस रूप में सामने आया, उसने विपक्ष की स्थिति को कमजोर किया। विरोध करना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन उसका स्वरूप रचनात्मक होना चाहिए था। यदि विपक्ष इस विधेयक में सुधार के सुझाव देता, उसके क्रियान्वयन की समय-सीमा और प्रक्रिया पर सवाल उठाता, तो वह अधिक प्रभावी और विश्वसनीय बन सकता था, लेकिन सीधे विरोध में खड़ा होना, वह भी बिना स्पष्ट जनसंदेश के यह दर्शाता है कि विपक्ष मुद्दों को समझने और उन्हें सही तरीके से प्रस्तुत करने में चूक कर रहा है। इसका प्रभाव विशेष रूप से महिला मतदाताओं पर पड़ा, जिन्होंने इसे अपने अधिकारों के विस्तार के रूप में देखा और इसी का राजनीतिक लाभ भाजपा ने अपनी रणनीति के माध्यम से उठाया। भारतीय जनता पार्टी की सबसे बड़ी ताकत उसकी आत्मसमीक्षा और सुधार की क्षमता रही है। हार के बाद भी वह अपने संगठन, नेतृत्व और रणनीति में बदलाव करती है, जिससे वह और अधिक मजबूत होकर सामने आती है। इसके विपरीत, विपक्ष अक्सर अपनी हार के कारणों को बाहरी परिस्थितियों में खोजता है, जिससे वह अपनी कमजोरियों को पहचानने और उन्हें दूर करने में असफल रहता है। राजनीति में परिपक्वता का अर्थ है हार को स्वीकार करना, उससे सीखना और भविष्य के लिए बेहतर रणनीति बनाना, लेकिन इस दिशा में विपक्ष को अभी लंबा रास्ता तय करना है।

विपक्षी गठबंधन के भीतर सबसे बड़ा संकट हितों का टकराव है, जहां हर दल अपने क्षेत्रीय आधार को मजबूत करने की कोशिश करता है और इसी प्रक्रिया में वह अपने सहयोगी दलों से भी प्रतिस्पर्धा करने लगता है। पश्चिम बंगाल, दिल्ली, बिहार और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में यह द्वंद्व स्पष्ट रूप से दिखाई देता है, जहां सहयोग और प्रतिस्पर्धा एक साथ चलते हैं और अंततः यही स्थिति बिखराव को जन्म देती है। जब तक गठबंधन के भीतर स्पष्ट भूमिका निर्धारण, न्यूनतम साझा कार्यक्रम और नेतृत्व की स्वीकृति नहीं होगी, तब तक यह टकराव समाप्त नहीं होगा। विपक्षी दलों की यह नाकामी केवल रणनीतिक कमजोरी नहीं, बल्कि उनके नेतृत्व की मंशा और प्राथमिकताओं पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा करती है। जब विपक्ष जनहित के मुद्दों को छोड़कर सत्ता प्राप्ति के लिए अवसरवादी गठजोड़, भ्रामक प्रचार और व्यक्तिगत हमलों का सहारा लेता है, तब वह अपनी नैतिक विश्वसनीयता खो देता है। लोकतंत्र में विपक्ष का दायित्व जनभावनाओं का सच्चा प्रतिनिधित्व करना और सरकार को सही दिशा में प्रेरित करना है, न कि केवल विरोध के लिए विरोध करना। आज आवश्यकता इस बात की है कि विपक्ष अपने आचरण और दृष्टिकोण में सुधार लाए, सिद्धांतों और मूल्यों पर आधारित राजनीति को पुनर्जीवित करे तथा जनता के विश्वास को पुनः अर्जित करे। तभी भारतीय लोकतंत्र वास्तविक अर्थों में मजबूत और संतुलित बन सकेगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि विपक्ष स्वयं को पुनर्गठित करे, अपनी वैचारिक स्पष्टता स्थापित करे और जनता के सामने एक सकारात्मक एवं ठोस विकल्प प्रस्तुत करे। केवल विरोध की राजनीति अब पर्याप्त नहीं है, बल्कि जनहित के मुद्दों पर स्पष्ट दृष्टिकोण और व्यवहारिक समाधान भी आवश्यक हैं। आंतरिक मतभेदों को सार्वजनिक करने के बजाय संवाद के माध्यम से सुलझाना होगा और जनता के बदलते मिजाज को समझते हुए अपनी रणनीति को नया स्वरूप देना होगा। भारतीय राजनीति एक ऐसे दौर में पहुंच चुकी है, जहां मतदाता अधिक सजग और निर्णायक हो चुका है। ऐसे में गठबंधन की राजनीति को केवल संख्या के खेल से आगे बढ़कर विश्वास, समन्वय और स्पष्टता की नींव पर खड़ा होना होगा। बिखराव केवल राजनीतिक शक्ति को ही कमजोर नहीं करता, बल्कि लोकतंत्र के संतुलन को भी प्रभावित करता है। अंततः राजनीति में वही सफल होता है जो समय के साथ सीखता है, बदलता है और स्वयं को बेहतर बनाता है। ÷हार को पचाना और उससे सीख लेना÷ केवल एक कहावत नहीं, बल्कि सफल राजनीति का मूलमंत्र है, जिसे भाजपा ने बार-बार सिद्ध किया है और अब विपक्ष के सामने भी यही चुनौती है कि वह इस मूलमंत्र को अपनाकर अपने बिखराव को शक्ति में बदल पाए या फिर आंतरिक संघर्षों में उलझकर अपनी प्रासंगिकता खोता जाए।

-ललित गर्ग

शहरी आय में तेज बढ़ोतरी, लेकिन शहरों के भीतर और बाहर बढ़ती असमानता ने बढ़ाई चिंता

देश के शहरी इलाकों की आय की गाथा, पारंपरिक मानकों पर बहुत उल्लेखनीय है। वर्ष2017-18 और 2023-24 के बीच शहरी आय वितरण के हर स्तर पर ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में तेजी से बढ़ी। शहरों ने कामगारों को जगह दी, औपचारिक रोजगार तैयार किए और ऐसा मध्य वर्ग तैयार किया जो खपत करता है तथा जो अब देश की अर्थव्यवस्था की तेजी के केंद्र में है।

ये शानदार सफलताएं हैं लेकिन सवाल यह नहीं है कि शहर वृद्धि हासिल कर रहे हैं या नहीं बल्कि सवाल यह है कि शहर किस तरह की वृद्धि हासिल कर रहे हैं, यह वृद्धि किन लोगों तक पहुंच रही है और इस प्रक्रिया में क्या कुछ पीछे छूट रहा है? देश का शहरी बदलाव वास्तविक है और उसे मापा जा सकता है लेकिन इसका पूरा महत्त्व तभी उभरता है जब समेकित आंकड़ों पर करीबी से नजर डाली जाती है।

शहरी भारत के आय वितरण को ग्रामीण भारत से अलग दृष्टि से देखना आवश्यक है। शहरी आय सभी स्तरों पर उल्लेखनीय रूप से अधिक है, और यह दूरी लगातार बढ़ रही है। इंस्टीट्यूट फॉर कंपटीटिवनेस की 2025 की रिपोर्ट 'इनकम, इनइक्वैलिटी ऐंड लेबर मार्केट्स इन इंडिया' (आय, असमानता और भारत के श्रम बाजार) के अनुसार, 2023-24 में शीर्ष 10 फीसदी शहरी लोगों की आय सीमा 44,000 रुपये थी, जो ग्रामीण समकक्ष 21,500 रुपये से दोगुनी थी। शीर्ष 1 फीसदी शहरी लोगों की आय सीमा 90,000 रुपये थी, जो ग्रामीण समकक्ष से 80 फीसदी अधिक थी, जबकि 2017-18 में यह अंतर 68 फीसदी था।

निचले स्तर पर, शहरी न्यूनतम सीमा 6,000 रुपये थी, जो ग्रामीण समकक्ष 3,000 रुपये से दोगुनी थी। यह आंकड़ा सात वर्षों से नाममात्र रूप में स्थिर बना हुआ है। जहां शहरी न्यूनतम स्तर बढ़ रहा है, वहीं ग्रामीण न्यूनतम स्तर लगभग स्थिर रहा है। इसका मतलब यह नहीं कि शहरी विकास गाथा को कम किया जाए, बल्कि यह इस बात का संकेत है कि विकास का अगला अध्याय कहां पहुंचना चाहिए।

यह इस बात पर मत नहीं है कि शहरों ने क्या किया है, बल्कि इस बात का माप है कि लाभ कितनी दूर तक पहुंच सकते हैं। यह बात ध्यान देने लायक है कि शहरों के बीच भी आर्थिक असमानता पैदा हो रही है। शहर का निचला 50 फीसदी हिस्सा 2017-18 और 2023-24 के बीच करीब 7 फीसदी की चक्रीय वार्षिक वृद्धि दर से और निचला 10 फीसदी हिस्सा 5.93 फीसदी की दर से बढ़ा जबकि ग्रामीण इलाकों में यह वृद्धि शून्य रही।

फिर भी शहरों के भीतर लाभ असमान ही रहे। शीर्ष 1 फीसदी आय का माध्य से अनुपात उसी अवधि में 5.89 गुना से बढ़कर 6.25 गुना हो गया। राज्य स्तर पर, ग्रामीण-शहरी अंतर सबसे अधिक हिमाचल प्रदेश, बिहार, गोवा और मेघालय में बढ़ा, विशेषकर उच्च आय समूहों में। भारत के अधिकांश हिस्सों में, शहर आय वितरण के हर स्तर पर वृद्धि को पकड़ रहे हैं, जबकि ग्रामीण क्षेत्र क्रमशः पीछे छूटते जा रहे हैं। ऐसे में यह एक महत्त्वपूर्ण प्रश्न उठाता है़- क्या निर्धारित करता है कि किसी शहर की वृद्धि उसके निवासियों तक व्यापक रूप से पहुंचे या कुछ ही लोगों में सिमट जाए?

शहरी अर्थशास्त्रियों ने लंबे समय से यह नोट किया है कि सार्वजनिक अधोसंरचना यह तय करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है कि वृद्धि व्यापक रूप से साझा हो या नहीं, और जब यह असमान होती है, तो श्रम बाजार तक पहुंच भी असमान होती है। भारत के नगर निकाय बजट पिछले दशक में काफी बढ़े हैं, फिर भी खर्च में अक्सर मेट्रो लाइनों और स्मार्ट सिटी पहलों जैसे दिखने वाले, हाई प्रोफाइल परियोजनाओं को प्राथमिकता दी जाती है, बजाय उन शांत कार्यों के जिन पर निवासी रोजाना निर्भर करते हैं। उदाहरण के लिए जल आपूर्ति, सीवेज, सार्वजनिक परिवहन, मोहल्ले की सड़कें। नगर निकाय प्रणालियां जो देने के लिए डिजाइन की गई हैं और जो वास्तव में प्रदान करती हैं, जहां उनके बीच का अंतर बढ़ता है, वहां अक्सर अनौपचारिक व्यवस्थाएं उस खाई को भरती हैं।

ये व्यवस्थाएं कम समय के लिए तो लोगों की जरूरतें ठीक से पूरी कर देती हैं, लेकिन ज्यादा न्यायसंगत समाधानों के लिए गुंजाइश छोड़ देती हैं। इस खाई को दूर करना जितना चुनौती है उतना ही अवसर भी है, और बढ़ते बजट वाले शहर इस दिशा में कदम उठाने के लिए अच्छी स्थिति में हैं। जीवन स्तर को प्रभावित करने वाली अधोसंरचनात्मक कमियां शहरी बेरोजगारी की समस्या से और अधिक गहरी हो जाती हैं।

आवधिक श्रम शक्ति सर्वे (पीएलएफएस) के मार्च 2026 के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार शहरी बेरोजगारी 6.8 फीसदी रही, जो ग्रामीण बेरोजगारी से काफी अधिक है। जो शहर जो काम करने वालों को अधिक वेतन देता है, वही काम पाने के लिए अधिक अनिश्चित रास्ता भी प्रस्तुत करता है, जो इस ओर संकेत करता है कि श्रम बाजार में औपचारिक स्तर में प्रवेश कई लोगों के लिए अब भी एक आकांक्षा है। इस समस्या का समाधान करना उन सबसे महत्त्वपूर्ण कार्यों में से एक है जो शहर विकास को अधिक समावेशी बनाने के लिए कर सकते हैं।

महिलाओं को इस चुनौती के एक विशेष रूप का सामना करना पड़ता है। मार्च 2026 में शहरी महिला बेरोजगारी 9 फीसदी रही, जबकि शहरी पुरुषों के लिए यह 6.1 फीसदी थी। यह अंतर संरचनात्मक बाधाओं की ओर उतना ही इशारा करता है जितना कि नौकरियों की समग्र उपलब्धता की ओर। पीएलएफएस वार्षिक रिपोर्ट 2025 के अनुसार, शहरी महिला श्रम बल भागीदारी केवल 27.7 फीसदी थी, जबकि शहरी पुरुषों के लिए यह 76.2 फीसदी थी। यह दूरी सामाजिक और संरचनात्मक दोनों प्रकार की बाधाओं की ओर संकेत करती है, जो महिलाओं की शहरी अर्थव्यवस्था में भागीदारी को आकार देती हैं। जो तस्वीर उभरती है वह एक प्रभावशाली बदलाव से गुजरते शहर की है, जिसमें अभी भी महत्त्वपूर्ण कार्य शेष हैं।

शहरी आय वृद्धि ने लाखों लोगों को ऊपर उठाया है और यह दिखाया है कि भारत बड़े पैमाने और तेजी से संकेतकों को बदलने की क्षमता रखता है। इन लाभों को कौन साझा कर रहा है, किस गति से और किस प्रकार के काम के माध्यम से? इस तरह के सवाल उठाना, इस उपलब्धि की आलोचना नहीं हैं, बल्कि उसका विस्तार है। इसका अर्थ यह सुनिश्चित करना है कि लाभ ग्रामीण निम्न स्तर तक पहुंचें और शहरों के भीतर वे हाशिये पर खड़े लोगों तक भी पहुंचें। भारत के पास कार्रवाई करने की क्षमता और गति है। प्रश्न यह है कि क्या इस अवसर का उपयोग साझा शहरी समृद्धि बनाने के लिए किया जाएगा।

-धनंजय राजौरा

'नेशनल लोक अदालत' का आयोजन 09 मई को

प्रधान जिला न्यायाधीश अजय प्रकाश मिश्र ने नेशनल लोक अदालत के प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार 09 मई 2026 को जिला न्यायालय परिसर देवास में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवास अजय प्रकाश मिश्र ने बुधवार को नेशनल लोक अदालत के प्रचार-प्रसार के लिए वाहन रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। वाहन रैली द्वारा विद्युत विभाग के वाहनों द्वारा नेशनल लोक अदालत का प्रचार एवं विद्युत विभाग की ओर से दी जाने वाली छूट के संबंध में प्रचार-प्रसार किया जाएगा नगर निगम विभाग द्वारा भी प्रचार वाहनों के माध्यम से विशेष छूट का प्रचार-प्रसार किया जाएगा ।

इस अवसर पर विकास शर्मा विशेष न्यायाधीश प्रभारी नेशनल लोक अदालत, उमाशंकर अग्रवाल प्रथम अतिरिक्त जिला न्यायाधीश, अभिषेक गौड पंचम अतिरिक्त जिला न्यायाधीश, प्रसन्न सिंह बहरावत चतुर्थ अतिरिक्त जिला न्यायाधीश, डॉ. रविकांत सोलंकी अतिरिक्त जिला न्यायाधीश, श्री भारत सिंह कनेल मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, रोहित श्रीवास्तव, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, नीलेन्द्र कुमार तिवारी व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड, श्रीमती दीक्षा मौर्य व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड, कुं. युवराज सिंह व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड, अभिजीत सिंह व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड, श्रीमती किरण सिंह व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड, श्रीमती रश्मि अभिजीत मरावी व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड, सुश्री नेहा उपाध्याय, व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड, श्रीमती चंद्रा पंवार व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड, सुश्री मुस्कान अरोरा व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड देवास एवं सुभाष चौधरी जिला विधिक सहायता अधिकारी देवास एवं लीगल डिफेंस काउंसिल के सदस्यगण, पैनल अधिवक्तागण, पैरालीगल वालेन्टियर, विद्युत विभाग, नगरनिगम विभाग के अधिकारीगण, न्यायालय के समस्त कर्मचारीगण, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवास के कर्मचारीगण उपस्थित थे।

किश्तों में मिल रहे भुगतान से भड़के किसान

लालघाटी स्थित बैंक की शाखा में किया हंगामा

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लालघाटी स्थित जिला सहकारी केंद्रीय बैंक की शाखा में बुधवार को सैकड़ों किसानों ने हंगामा खड़ा कर दिया। किसानों का आरोप था कि उन्हें एक मुश्त के बजाए किश्तों में राशि दी जा रही है। इस कारण उन्हें बार-बार बैंक के चक्कर लगाना पड़ रहे हैं। करीब आधे घंटे बाद किसानों का हंगामा शांत हुआ, लेकिन उन्होंने स्थिति में सुधार न होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है।

भुगतान में देरी से नाराज किसानों ने करीब आधे घंटे तक हंगामा किया। किसानों का आरोप है कि उन्होंने उपार्जन केंद्रों पर लंबी लाइनों में लगकर गेहूं बेचा था, लेकिन अब उन्हें भुगतान प्राप्त करने में भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उनका कहना है कि बैंक द्वारा उन्हें पूरी राशि एक साथ देने के बजाय किस्तों में भुगतान किया जा रहा है, जिसके कारण उन्हें बार-बार बैंक के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। भारतीय किसान संघ अध्यक्ष सत्यनारायण पाटीदार ने बताया कि लगभग 300 किसान इस समस्या से प्रभावित हैं। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि बैंक देर से खुलने के कारण कई किसान बिना भुगतान लिए ही वापस लौट गए। पाटीदार ने चेतावनी दी कि यदि इस समस्या का जल्द समाधान नहीं किया गया, तो जिलेभर में उग्र आंदोलन किया जाएगा। मामले में शाखा प्रबंधक दीपक श्रीवास्तव ने बताया कि बैंक में जितनी राशि उपलब्ध हो रही है उसी के अनुसार किसानों को भुगतान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह समस्या सभी दूर है।

देवास में सिविल लाइन तिराहे से बस स्टैंड तक अवैध अतिक्रमण हटाये - कलेक्टर ऋतुराज सिंह

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में आयोजित हुई। बैठक में कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह एवं पुलिस अधीक्षक श्री पुनीत गेहलोद ने यातायात व्यवस्था, महिला अपराध रोकथाम, एसटी/एससी अपराध, नशा मुक्ति, चिन्हित अपराध, गबन धोखाधडी और अवैध खनन संबंध विषयों पर विस्तृत समीक्षा की। बैठक में निगम आयुक्त श्री दलीप कुमार, अपर कलेक्टर श्री शोभाराम सोलंकी, अपर कलेक्टर श्री संजीव जैन, एएसपी ट्राफिक श्री एचएन बाथम, एसडीएम बागली श्री शिवम यादव, एसडीएम देवास श्री अभिषेक शर्मा, सांसद प्रतिनिधि श्री शंभु अग्रवाल सहित जिला अधिकारीगण एवं पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने एवं सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के संबंध में कड़े दिशा-निर्देश दिये गए। बैठक में मुख्य रूप से सड़क दुर्घटनाओं, ब्लैक स्पॉट्स के सुधार और अतिक्रमण हटाने पर जोर दिया गया। समीक्षा के दौरान बताया गया कि शहरों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों के मुख्य मार्गों पर दुर्घटना मृत्यु दर अधिक है। इस पर कलेक्टर श्री सिंह ने पुलिस विभाग को ग्रामीण क्षेत्रों के मुख्य मार्गों पर सघन ड्रिंक एंड ड्राइव जांच अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं।

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि हाइवे पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने वाले ढ़ाबा संचालकों पर सख्त कार्यवाही करें। विशेष रूप से उन ढाबा संचालकों पर कार्यवाही के निर्देश दिए गए हैं जिन्होंने अपनी सुविधा के लिए नेशनल हाईवे पर अवैध कट पॉइंट बना लिए हैं। साथ ही, नियमानुसार न बने ढाबों के विरुद्ध भी वैधानिक कार्यवाही के निर्देश भी दिये।

कलेक्टर श्री सिंह ने देवास शहर में अतिक्रमण हटाने एवं यातायात प्रबंधन के संबंध में निर्देश देते हुए कहा कि शहर में एबी रोड और भोपाल रोड पर सर्विस रोड पर से अवैध अतिक्रमणों को तत्काल हटाने की कार्यवाही करें। उन्होंने देवास में सिविल लाइन तिराहे से बस स्टैंड तक अवैध अतिक्रमण हटाने के निर्देश नगर निगम, पुलिस और राजस्व विभाग को दिये।

इस माह में जिले में नरवाई जलाने की 187 से ज्यादा घटनाएं

सीआरइएएमएम पोर्टल पर प्रतिदिन के आंकड़े हो रहे अपडेट

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नरवाई जलाना प्रतिबंधित है। इससे भूमि की उर्वरा क्षमता प्रभावित होती है। भूमि के कार्बनिक पदार्थों को भी नुकसान होता है जो मिट्टी की संरचना के लिए आवश्यक है। नरवाई जलाने से आसपास के खेतों में भी आग लग जाती है। जिससे खासा नुकसान होता है। यदि नरवाई जलाई तो कार्रवाई होगी। ऐसे में नरवाई जलाने की घटनाओं में इस बार खासी कमी आई है। हालांकि अभी भी जिले में लगातार नरवाई जालने की घटनाएं हो रही है। अप्रेल माह में ही अभी तक के सेटेलाइट इमेज से कलेक्ट किए गए आंकड़ों पर नजर डाले तो 1 से 30 अप्रेल तक जिले में 187 से ज्याद नरवाई जलाने की घटनाएं हो चुकी है। वैसे तो ये आंकड़ें भी ज्यादा है, लेकिन गत वर्ष की स्थिति को देखें तो इस बार नरवाई जलाने की घटनाएं विगत 5 वर्ष में पहली बार सबसे कम हुई है। हालांकि अभी-भी जिले मे नरवाई जलाने की घटनाएं हो रही है।

कुछ दिनों पहले भी रात्रि को कृषि उपज मंडी के पीछे दूर खेतों में नरवाई जलती रही। इस दौरान आग की लपटें दूर से दिखाई दे रही थी। खेत में से तेज लपटें उठती देख लगा कि मानों फसलों को नुकसान हो गया होगा, लेकिन बाद में पता चला कि ये तो नरवाई जलाई जा रही है। इस तरह की घटनाएं नगर के आसपास के क्षेत्रों में लगातार नजर आ रही है। प्रशासन द्वारा इस तरह नरवाई जलाने की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे है। जिसका परिणाम भी दिख रहा है, लेकिन अभी-भी नरवाई जलाने की घटनाएं पूरी तरह नियंत्रित नहीं हुई है।

अप्रेल माह में विगत पांच वर्ष में इस बार सबसे कम घटनाएं- अंतरिक्ष से कृषि पारिस्थितिकी तंत्र की निगरानी और मॉडलिंग पर अनुसंधान के लिए कंसोर्टियम (सीआरइएएमएस) पोर्टल पर सेटेलाइट इमेज के आधार पर प्रतिदिन की नरवाई जलाने की घटनाओं की निगरानी हो रही है। इसके प्रतिदिन जारी बुलेटिन में प्रतिदिन की नरवाई जलाने की घटनाएं जो सेटेलाइट के माध्यम से केप्चर की गई है उनकी संख्या को दर्शाया जाता हैं। 1 से 26 अप्रेल 2026 की स्थिति में उक्त पोर्टल पर शाजापुर जिले में नरवाई जलाने की कुल 187 घटनाएं दर्शाई गई है। यह संख्या विगत 5 वर्ष में अप्रेल माह के आंकड़ों के मुकाबले सबसे कम है। वैसे तो ये स्थिति अच्छी है, लेकिन इस तरह की घटनाओं पर पूर्ण रूप से अंकुश लगाना अनिवार्य है।

जागरुक किया जा रहा, कार्रवाई भी हो रही, इससे दिख रहा सुधार- इस वर्ष जिलेभर में नरवाई जलाने से रोकने के लिए नरवाई जलाने वालों पर एफआइआर की जाने के निर्देश जारी किए गए है। लोगों को नरवाई नहीं जलाने के लिए लगातार जागरुक भी किया जा रहा है। ऐसे में विगत 5 वर्ष में इस बार सबसे कम आंकड़े सामने आए है। अधिकारियों का दावा है कि इस बार लोगों में जागरुकता बहुत आई है और सभी को समझ आ रहा है कि नरवाई जलाने से कितना नुकसान होता है। जिससे इस तरह की घटनाओं में कमी आई है। इस बार कई किसानों ने हाथ से फसल कटाई करवाई है।

नरवाई प्रबंधन और जागरुकता से कम हो रही घटनाएं- उपसंचालक कृषि आरएल जामरे ने बताया कि इस बार नरवाई जलाने की घटनाओं में कमी का मुख्य कारण नरवाई प्रबंधन के लिए किसानों को समझाइश एवं लगातार जागरुकता है। किसान भी समझ रहे है कि नरवाई जलाने से कितना नुकसान होता है। हालांकि सभी किसानों के पास इतने संसाधन या मशीनें नहीं है जो नरवाई को समाप्त कर सके। ऐसे में किसान के पास यदि मशीनें नहीं है तो उसे किराए पर ले सकता है। उन्होंने बताया कि किसान हार्वेस्टर से फसल कटाई के बाद रोटावेटर चलाते है। जिससे नरवाई समाप्त नहीं होती है। यदि किसान हार्वेस्टर से कटाई के बाद प्लाऊ चलाएं और फिर कल्टीवेटर चलाएं तो नरवाई की समस्या कम हो जाती है। उन्होंने यह भी कहा कि नरवाई जलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

इस तरह अप्रेल माह में सबसे कम मामले इस बार दिखाई दे रहे पोर्टल पर

समयावधी	जिले में नरवाई जलाने की घटनाएं
1-30 अप्रेल 2022	282
1-30 अप्रेल 2023	491
1-30 अप्रेल 2024	198
1-30 अप्रेल 2025	953
1-30 अप्रेल 2026	187

(स्त्रोत- सीआरइएएमएम पोर्टल)

मप्र शिवसेना युवासेना में शर्मा राज्य उपप्रमुख, वर्मा प्रदेश महासचिव बने

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश में शिवसेना (शिंदे गुट) की युवासेना में संगठनात्मक स्तर पर बड़ा बदलाव देखने को मिला है। राज्य प्रमुख अनुराग सोनार ने युवा नेतृत्व को मजबूत करते हुए श्री रोहित शर्मा और श्री सुनील वर्मा को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी हैं। बताया जा रहा है कि 3 मई को मध्यप्रदेश की पूरी कार्यकारिणी को भंग कर दिया गया था। इसके तुरंत बाद 5 मई को नई नियुक्तियों की घोषणा करते हुए रोहित शर्मा को पुनः राज्य उपप्रमुख बनाया गया और उन्हें पूरे मध्यप्रदेश की जिम्मेदारी सौंपी गई। वहीं, सुनील वर्मा का कद बढ़ाते हुए उन्हें राज्य मुख्य सचिव (प्रदेश महासचिव) नियुक्त किया गया है। वे देवास जिले के जिला अध्यक्ष पद पर भी बने रहेंगे। इस बदलाव की पृष्ठभूमि में 18 अप्रैल को मुंबई में आयोजित शिवसेना युवासेना के राष्ट्रीय अधिवेशन को माना जा रहा है, जहां शीर्ष नेतृत्व ने मध्यप्रदेश की नई कार्यकारिणी गठित करने के निर्देश दिए थे। राज्य प्रमुख अनुराग सोनार ने बताया कि नई कार्यकारिणी का गठन 15 मई तक पूरा कर लिया जाएगा। शिवसेना मुख्य नेता उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सांसद श्रीकांत शिंदे युवासेना राष्ट्रीय अध्यक्ष पुर्वेश सरनाईक राष्ट्रीय सचिव किरण दादा साली निर्देश पर दोनों पदाधिकारियों को नई जिम्मेदारी दी गई है जिम्मेदारी मिलने पर उनके समर्थकों और शुभचिंतकों में खुशी की लहर है और उन्हें लगातार बधाइयां दी जा रही हैं।

8 लाख लेकर दिया 4 लाख का सामान, अधूरा रह गया स्वरोजगार का सपना

जनसुनवाई में युवती ने आवेदन देकर लगाए आरोप, की न्याय की मांग

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। अपना स्वरोजगार खोलने के लिए एक युवती ने बैंक से लाखों रू. का लोन लिया, लेकिन जिस विक्रेता को यह राशि मिली उसने युवती को आधी रकम का ही सामान दिया और आधी रकम हड़प ली। इसे लेकर युवती ने जनसुनवाई में आवेदन सौंपकर अपनी व्यथा सुनाई और न्याय की मांग की।

कृष्ण नगर कालोनी निवासी शिवानी पिता जगदीशचंद्र बागोरिया ने बताया कि टेंट हाउस व्यवसाय शुरू करने के लिए मिले 8 लाख रुपए के बैंक ऋण में उसे आधे मूल्य का ही सामान दिया गया और शेष करीब 4 लाख रुपए हड़प लिए गए। पीड़िता ने अपने आवेदन में बताया कि शासन की संत रविदास स्वरोजगार योजना के तहत उसे भारतीय स्टेट बैंक, शाजापुर की मुख्य शाखा से 8 लाख रुपए का ऋणा स्वीकृत हुआ था। यह राशि सीधे विक्रेता के खाते में ट्रांसफर की गई थी ताकि वह टेंट हाउस व्यवसाय के लिए जरूरी सामग्री खरीद सके। शिकायत के अनुसार जब सामग्री की सप्लाई की गई तो उसके साथ दिए गए बिल पूरी तरह अस्पष्ट थे। इनमें न तो सामान की दर स्पष्ट थी और न ही कुल मूल्य का ठीक से उल्लेख किया गया था। कई बिलों में काटा-पिटी पाई गई, जबकि कुछ पर विक्रेता के हस्ताक्षर तक नहीं थे। पीड़िता का कहना है कि उपलब्ध दस्तावेजों और सामग्री का आकलन करने पर कुल कीमत करीब 4 लाख रुपए के आसपास ही बैठती है। इससे यह संदेह गहराया कि शेष राशि का कोई हिसाब नहीं दिया गया है। शिवानी ने 28 मार्च 2026 को लिखित में स्पष्ट बिल और पूरा हिसाब मांगा, विक्रेता ने न तो संतोषजनक जवाब दिया और न ही सही दस्तावेज उपलब्ध कराए। बल्कि सही बिल देने के नाम पर 50 हजार रुपए की अतिरिक्त मांग की गई।

बैंक का कर्जा चुकाउं या रोजगार डालूं- शिवानी बागोरिया ने बताया कि उसका स्वरोजगार का सपना अधूरा रह गया हैं। उस पर बैंक का कर्ज चुकाने का दबाव अलग से बना हुआ है। पीड़िता ने कलेक्टर की जनसुनवाई में आवेदन देकर मामले की निष्पक्ष जांच और दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। साथ ही एसपी को भी शिकायत देकर इसे छल-कपट और जालसाजी का मामला बताते हुए एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है। आवेदन में यह भी आग्रह किया गया है कि कथित रूप से हड़पी गई लगभग 4 लाख रुपए की राशि वापस बैंक में जमा कराई जाए, ताकि हितग्राही पर अनावश्यक आर्थिक बोझ न पड़े।

देवास में आबकारी की ताबड़तोड़ दबिश से मचा हड़कंप

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए आबकारी विभाग लगातार सख्त कार्रवाई कर रहा है। कलेक्टर ऋतुराज सिंह के निर्देशन एवं सहायक आबकारी आयुक्त मनीष खरे के मार्गदर्शन में 5 मई 2026 को आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने देवास शहर के अग्रसेन नगर एवं भौरासा क्षेत्र में मुखबिर की सूचना पर ताबड़तोड़ दबिश देकर अवैध मदिरा के कारोबार का भंडाफोड़ किया।

कार्रवाई के दौरान अग्रसेन नगर स्थित हरदीप सिंह के रिहायशी मकान तथा सादीखेड़ा गांव की किराना दुकान की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान टीम ने मौके से 24 बोतल व्हिस्की, 100 पाव विदेशी मदिरा (व्हिस्की) एवं 18 बीयर बरामद की। जब्त की गई मदिरा का कुल अनुमानित मूल्य 37 हजार 600 रुपए आंका गया है।

मामले में मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) के तहत 2 प्रकरण दर्ज किए गए हैं। आबकारी विभाग की इस कार्रवाई से अवैध शराब कारोबारियों में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है।

कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक प्रेम यादव, मुख्य आरक्षक राजाराम रायकवार, आरक्षक सुरेन्द्र, आशीष गुप्ता, निहाल खत्री तथा सैनिक किशोर, अनिल और अनिल चौहान शामिल रहे।

आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में ढाबों, होटलों और संदिग्ध ठिकानों पर अवैध शराब के संग्रहण एवं बिक्री के खिलाफ यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

फ्रॉड होते ही हुई शिकायत, बच गई 2 लाख 23 हजार की राशि

पुलिस ने की त्वरित कार्रवाई, 36 खातों को फीज कर होल्ड कराई राशि

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। साईबर फ्रॉड का शिकार हुए एक व्यक्ति की 2 लाख से अधिक की राशि को पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए होल्ड करवा दिया है, जिसे न्यायालयीन प्रक्रिया के बाद फरियादी को लौटा दी जाएगी। खास बात यह है कि फरियादी ने फ्रॉड होते ही 1930 पर कॉल कर पूरी जानकारी दी और पुलिस ने समय रहते उनकी राशि बचा ली।

एसपी यशपालसिंह राजपूत के आदेशानुसार एवं एएसपी घनश्याम मालवीय के निर्देशन में जिले में ऑपरेशन वज्र चलाया जा रहा है। थाना शुजालपुर मंडी क्षेत्र में भी एक मामला सामने आया था। जब फरियादी बृजमोहन के साथ 1 मई को 2 लाख 93 हजार रुपये का साइबर फ्राड हुआ। घटना के पश्चात फरियादी द्वारा तत्परता दिखाते हुए हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराई गई। शिकायत प्राप्त होते ही साइबर सेल शाजापुर द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए उक्त राशि को होल्ड करवाया। जो न्यायालयीन प्रक्रिया पूर्ण होते ही फरियादी को वापस मिल जाएगी।

अलग-अलग राज्यों के 36 खातों को किया फ्रीज- शिकायत मिलते ही साइबर सेल सक्रिय हुई और जांच शुरू की। फरियादी द्वारा दी गई डिटेल की जांच में पता चला कि उक्त 2 लाख 23 हजार की राशि विभिन्न राज्यों के कुल 36 बैंक खातों में ट्रांसफर हुई थी जिसे चिन्हित कर फ्रीज कराया गया। इस कार्रवाई के परिणामस्वरूप कुल 2 लाख 23 हजार 667 रुपये की राशि होल्ड करवाई गई है, जो न्यायालयीन प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात फरियादी को वापस प्राप्त होगी।

उल्लेखनीय है कि साइबर सेल शाजापुर द्वारा दिनांक 1 जनवरी 2026 से 30 अप्रैल 2026 तक साइबर फ्रॉड के मामलों में प्रभावी कार्यवाही करते हुए कुल 56 लाख 41 हजार रुपये की राशि होल्ड कराई जा चुकी है।

उक्त कार्य में साइबर सेल प्रभारी विकास तिवारी, राजेश दांगी, अनिल सक्सेना एवं घनश्याम चौरसिया की सराहनीय भूमिका रही।

तुरंत करें संपर्क- एसपी यशपालसिंह राजपूत, एएसपी घनश्याम मालवीय ने आमजनों से अपील की है कि किसी भी प्रकार का साइबर फ्राड होने पर तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1930 पर काल करें या वेबसाइट पर अपनी शिकायत दर्ज कराएं, जिससे समय रहते प्रभावी कार्यवाही कर आपकी राशि को सुरक्षित किया जा सके।

नाबालिग को आरोपी ने दी एसिड अटैक की धमकी

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। एक नाबालिग युवती ने लालघाटी थाने में एक आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें बताया कि उसे एसिड अटैक की धमकी मिली है। युवती ने अपनी शिकायत में आरोपी पर हाथ पकड़ने और छेड़छाड़ के भी आरोप लगाए हैं। जानकारी के अनुसार युवती ने अपनी मां के साथ थाने पहुंचकर शिकायत की कि काशीनगर निवासी सुनील उर्फ बंटी चौहान उसका पीछा करता है और उसने हाथ पकड़ने और एसिड अटैक की धमकी दी है। पीड़िता के अनुसार सुनील को वह राखी भाई मानती थी, लेकिन पिछले कुछ समय से उस पर बुरी नजर रख रहा था और लगातार उसका पीछा कर रहा था। 27 अप्रैल की रात को आरोपी पीड़िता के घर के बाहर चक्कर काटते हुए देखा गया था। इसके बाद 5 मई की सुबह करीब 7 बजे जब पीड़िता दूध लेने के लिए घर से निकली तो आरोपी ने उसका पीछा किया। उसने रास्ता रोककर पीड़िता का हाथ पकड़ लिया। आरोपी ने उससे जबरदस्ती बातचीत करने की कोशिश की और संबंध बनाने का दबाव डाला। जब पीड़िता ने मना किया तो उसने एसिड अटैक की धमकी दी। आरोपी ने यह भी चेतावनी दी कि अगर पुलिस में शिकायत की गई तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। जिससे वह काफी डर गई। पीड़िता ने घर पहुंचकर अपनी मां को पूरी जानकारी दी जिसके बाद मंगलवार को थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। लालघाटी थाना प्रभारी अर्जुन सिंह मुजाल्दे ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

आज ही जुड़े और सहकारी परिवार का हिस्सा बनें

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उपायुक्त सहकारिता दीपाली खंडेलवाल ने बताया कि मप्र शासन द्वारा घोषित कृषक कल्याण वर्ष 2026 अंतर्गत जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक देवास से संबंधित 141 बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों के माध्यम से नवीन सदस्य बनाने के लिए महासदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान 15 मई तक जारी रहेगा। इस अभियान के अंतर्गत दिनांक 01 मई 2026 को विकासखण्ड बागली के अंतर्गत ग्राम पीपरी में आयोजित जन-सुनवाई शिविर के माध्यम से विधायक बागली श्री मुरली भंवरा एवं कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह ने पात्र सदस्यों को पैक्स का सदस्य बनाकर किसान क्रेडिट कार्ड का वितरण किया। इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य जिले के सभी पात्र गैर सदस्य किसानों को पैक्स से जोड़ना है ताकि उन्हें संस्थागत ऋण, कृषि सेवाओं एवं सहकारी सुविधाओं तक सुगम पहुंच प्राप्त हो सके। इस अभियान के माध्यम से छोटे, सीमान्त, महिला एवं सामाजिक रुप से कमजोर वर्गों के किसानों को सहकारी संरचना से जोड़ा जा सके।

आयुक्त ने किया वार्डो का निरीक्षण, देखी साफ सफाई व्यवस्था

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। 6 मई बुधवार। स्वच्छता सर्वेक्षण की तैयारियों को लेकर निगमायुक्त दलीप कुमार ने बुधवार को शहर के वार्ड 12 एवं 13 का सघन निरीक्षण किया। इस दौरान सफाई व्यवस्था में खामियां मिलने पर अधिकारियों को तत्काल सुधार के निर्देश दिए गए।

आयुक्त ने वार्ड 13 में नाला-नालियों की सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। सफाई मित्रों की कमी को देखते हुए स्वास्थ्य अधिकारी सौरभ त्रिपाठी को दलेल पद्धति से सफाई कराने को कहा। वार्ड में स्थित तालाब के आसपास कचरा मिलने पर स्वच्छता निरीक्षक भूषण पवार को तत्काल कचरा हटवाने के निर्देश दिए। निगम स्वच्छता टीम द्वारा वार्डों में सर्वेक्षण मानक स्तर पर स्वच्छता के कार्य निरंतर किए जा रहे हैं।

वार्ड 12 के निरीक्षण में आयुक्त ने कचरा संग्रहण वाहन की जांच की। चाणक्यपुरी मल्टी के पास कचरा पड़ा मिलने पर नाराजगी जताते हुए दरोगा को तत्काल कचरा उठवाने तथा रहवासियों से गीला-सूखा कचरा अलग-अलग वाहन में डलवाने को कहा। राजाराम नगर में टूटे चैंबरों की तत्काल मरम्मत और वर्षा पूर्व नाले की सफाई के निर्देश संबंधित को दिए। आयुक्त ने बेकलेन की सफाई, रंगाई-पुताई, टूटे लिटरबिन बदलने, नालियों से गाद उठवाने, डिवाइडरों के पास गाजर घास की कटिंग, रात्रिकालीन सफाई और सार्वजनिक शौचालयों की चल रही सफाई व्यवस्था को देखा तथा उपायुक्तों को प्रतिदिन सतत मानिटरिंग कर सर्वेक्षण मानक स्तर पर जो कमियां हैं उन्हें वार्ड दरोगाओं से तत्काल दूर किए जाने के निर्देश दिए।

देवास से लौट रहे पिता-पुत्री हुए हादसे का शिकार

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। एनएच-52 पर बाईक सवार पिता-पुत्री हादसे का शिकार हो गए, जिन्हें एक तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी। इस हादसे में पिता-पुत्री घायल हो गए। पिता को गंभीर हालत में इंदौर रैफर किया गया है। वहीं बेटी का जिला अस्पताल में उपचार किया जा रहा है।

इंदरमल राठौर अपनी बेटी प्रीति के साथ देवास से परीक्षा फार्म भरकर लौट रहे थे। इसी दौरान बंजारी गांव के पास तेज रफ्तार वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में इंद्रमल राठौर को गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद इंदौर रेफर किया गया है। वहीं प्रीति राठौर को हल्की चोटें आई हैं और उनका इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। इधर टक्कर मारने के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। लेकिन घटना के दौरान वाहन की नंबर प्लेट (एमपी 19 टी 3814) टूटकर वहीं गिर गई थी, जिसे एंबुलेंस कर्मियों ने सुरक्षित रख लिया।

महिदपुर पुलिस के शिकंजे से फरार आईपीएल का सटोरिया बटुक व पोरवाली

महिदपुर/ यश असावरा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में आए दिन सट्टे के मामले उजागर होते रहते हैं इसके बावजूद सटोरिए महिदपुर शहर में अपने पैर अंगद की तरह जमाए बैठे है। अभी तो सटोरियों का सब से बड़ा उत्सव चल रहा है काफी समय से देखा जा रहा है,की महिदपुर का एक बड़ा बुकी क्रिकेट और आईपीएल के सट्टे का व्यापार करने वाला बटुक झवेरी व पोरवाली महिदपुर नगर में ही आम जनता के बीच खुले आम सट्टा खोरी करने घूम रहा है । उसके बावजूद भी महिदपुर पुलिस उसे क्यों नहीं पकड़ पा रही है? ऐसा लगता है कि कोई बड़े नेता का हाथ उस के ऊपर है ।

सूत्रों के अनुसार पता चला है कि उस सटोरिए ने महिदपुर नगर के बड़े बड़े व्यापारियों को सट्टे की आईडी दे रखी है, और उसके द्वारा नियुक्त दलाल व्यापारी कम से कम 50 लाख का सट्टे की रकम हार चुका है ।उस व्यापारी के यहां से एक किराना व्यापारी तेल के डिब्बे लाता ओर बेच कर सटोरियों को पेमेंट देता और सटे की आईडी बटुक झवेरी व पोरवाली से मिल जाती।सूत्रों के अनुसार यहां भी पता चला है कि बटुक झवेरी व पोरवाली के क्रिकेट के अंदर इंटरनेशनल सट्टा किंग दुबई तक के सटोरिए इसके साथ जुड़े हुए हैं महिदपुर पुलिस को इसके व्यापार की जड़ तक पूरी पूरी जानकारी है किन्तु एक। कही ना कही बड़े सत्ता धारी नेता का हाथ होने से पुलिस महिदपुर इसके गिरेबान में हाथ डालने से डर रही है द्य उज्जैन जिला स्तरीय पुलिस की क्राइम ब्रांच सेल को इन दोनों के पास जितने भी इंटरनेशनल मोबाइल नंबर है और परिवार में किन किन के मोबाइलों से किन किन के पास इंटरनेशनल मोबाइल नंबर है व उन नंबरों से व्यापार चल रहा है पूरी चेकिंग करना चाहिए? महिदपुर नगर में इतने बड़े-बड़े व्यापार चल रहे हैं और पुलिस प्रशासन को कानों कान तक खबर नहीं चल पा रही है बहुत जल्द इस बटुक व पोरवाली के 2 और सटोरिया दोस्त है उस के भी तार दुबई तक जुड़े और भी नगर के कई बड़े व्यापारी और किराना व्यापारी के नाम की चर्चा है व सटोरियों तक जुड़े हुवे है जो पुलिस विभाग के लिए चिंता का विषय है द्य महिदपुर पुलिस बटुक झवेरी व पोरवाली के ऊपर शिकंजा कस कर तत्काल कार्यवाही करे अन्यथा ये इंटरनेशनल मेल मिलाप एवं हवाला का मामला शहर की सुरक्षा और देश की सुरक्षा व्यवस्था के लिए भविष्य में खतरनाक न सिद्ध हो, इससे पहले बटुक झवेरी व पोरवाली के कहां-कहां तक तार जुड़े हुए हैं और इस के साथ साथ कौन कौन हाई प्रोफाइल लोग जुड़े हुवे है। की निष्पक्ष जांच होना चाहिए बुकी बटुक झवेरी का पाटनर सटोरिया पोरवाली जिस के तार दुबई तक जुड़े है और किराना व्यापारी व 50 लाख हारने वाला व्यापारी आगे और भी इस मामले में और भी खुलासे होंगे।

पत्रकार के गोदाम में चोरी करते दो युवक धराए, पुलिस को देख हुए फरार

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। समीपस्थ बड़ी चौपाटी स्थित नाहर टाइल्स पर वरिष्ठ पत्रकार विनय नाहर के निजी गोदाम में मंगलवार रात चोरी की नियत से घुसे दो युवकों को रंगेहाथ पकड़ा गया। हालांकि, पुलिस के पहुंचने की भनक लगते ही दोनों आरोपी मौके से फरार होने में कामयाब रहे। पुलिस ने घटना स्थल से एक मोटरसाइकिल जब्त की है।

घटनाक्रम में यह बात सामने आई है कि मुख्य आरोपी दिनेश पिता शोभाराम ओसारी निवासी दौलतपुरा, पत्रकार विनय नाहर के यहाँ ही मजदूरी का काम करता था। मालिक का विश्वास जीतकर वह काफी समय से वहां कार्य कर रहा था, लेकिन मंगलवार रात उसने अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर मालिक के ही गोदाम को निशाना बना डाला। पत्रकार विनय नाहर ने जब मंगलवार सुबह गोदाम खोलकर देखा, तो स्टॉक में से लगभग 10 से 12 क्विंटल गेहूं कम पाया गया चोरी की पुख्ता शंका होने पर उन्होंने शाम को योजनाबद्ध तरीके से गोदाम के आसपास घेराबंदी की। रात करीब 8÷30 बजे दिनेश अपने साथी शिवराम पिता राजाराम ओसारी के साथ वहां पहुंचा। शिवराम अपनी एचएफ डीलक्स बाइक क्रमांक स्क्क 45 4994 से आया था। दोनों ने गोदाम का नकुचा तोड़कर अंदर रखे गेहूं को खाली कट्टों और सीमेंट की बोरियों में भरना शुरू किया ही था कि उन्हें रंगेहाथ दबोच लिया गया। जैसे ही मालिक और अन्य लोग सामने आए, शिवराम अपनी बाइक छोड़कर तुरंत भाग निकला। दिनेश पहले मौके पर ही था, जिसके बाद तत्काल डायल 112 को सूचना दी गई। पुलिस के मौके पर पहुंचते ही दिनेश भी अपने परिवार को वहीं छोड़कर फरार हो गया।

पुलिस ने मौके पर भरे हुए गेहूं के कट्टों के फोटो साक्ष्य के रूप में लिए और आरोपियों की बाइक जब्त कर थाने ले गई। बताया जा रहा है कि आरोपी दिनेश ओसारी पूर्व में दुष्कर्म के मामले में 7 वर्ष की सजा काट चुका है। आशंका है कि पहले भी इसी गोदाम से 10-12 क्विंटल गेहूं इन्हीं दोनों ने चोरी किया था। फिलहाल, दोनों आरोपियों के खिलाफ पुलिस थाने में आवेदन दिया गया है और पुलिस उनकी सरगर्मी से तलाश कर रही है।

जिले में जनगणना कार्य प्रगति की संयुक्त निदेशक ने की समीक्षा

कोई भी मकान सर्वे से छूटे नहीं - संयुक्त निदेशक श्री पटेल

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गृह विभाग जनगणना कार्य निदेशालय के संयुक्त निदेशक श्री राम अवतार पटेल ने सीहोर कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक आयोजित कर सीहोर जिले में जनगणना 2027 अंतर्गत संचालित मकान सूचीकरण कार्य की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिले के विभिन्न चार्ज क्षेत्रों में चल रहे कार्यों की अद्यतन स्थिति, निर्धारित लक्ष्यों के विरुद्ध प्राप्त उपलब्धि, प्रगणकों की कार्यप्रणाली तथा फील्ड स्तर पर आ रही समस्याओं एवं चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही कार्य में तेजी लाने, शेष लक्ष्य को समय-सीमा में पूर्ण करने एवं गुणवत्तापूर्ण डाटा संकलन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में उन्होंने निर्देश दिए कि मकान सूचीकरण कार्य में डेटा की शुद्धता एवं गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा सभी प्रविष्टियाँ पूर्णतः सही, स्पष्ट एवं त्रुटि रहित हों। इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी मकान सर्वे से छूटे नहीं तथा किसी भी प्रकार की डुप्लीकेट प्रविष्टि न हो। उन्होंने निर्देश दिए कि कार्य के दौरान फील्ड स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग एवं प्रभावी पर्यवेक्षण किया जाए। उन्होंने सभी चार्ज अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे यह सुनिश्चित करें कि प्रगणक एवं पर्यवेक्षक निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करें। साथ ही ॥स्ह्र ऐप में डेटा एंट्री समय पर एवं शुद्धता के साथ अपडेट की जाए, ताकि प्रगति का सही आकलन किया जा सके।

बैठक में वर्तमान भीषण गर्मी को दृष्टिगत रखते हुए फील्ड में कार्यरत प्रगणकों, पर्यवेक्षकों एवं अन्य अमले के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने कहा कि फील्ड स्टाफ को पर्याप्त पेयजल, आवश्यक विश्राम, छायादार स्थानों की व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि वे सुरक्षित वातावरण में कार्य कर सकें और किसी प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी समस्या उत्पन्न न हो।

इसके साथ ही, जनगणना कार्य के दौरान आमजन के साथ शालीन, सौम्य एवं सहयोगात्मक व्यवहार बनाए रखने पर विशेष बल दिया गया। उन्होंने कहा कि नागरिकों का विश्वास अर्जित कर उनसे सही एवं पूर्ण जानकारी प्राप्त करना इस कार्य की सफलता के लिए अत्यंत आवश्यक है। सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि जनगणना का कार्य संवेदनशीलता, पारदर्शिता एवं पूर्ण जिम्मेदारी के साथ संपादित हो, जिससे शासन को सटीक एवं विश्वसनीय आंकड़े प्राप्त हो सकें और भविष्य की योजनाओं के निर्माण में इनका प्रभावी उपयोग किया जा सके। कलेक्ट्रेट में बैठक के दौरान संयुक्त कलेक्टर एवं जनगणना प्रभारी श्री जमील खान सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

सुसनेर में कॉलेज चलो अभियान अंतर्गत आज 7 मई को होगा प्रवेश मेला आयोजित

सुसनेर/गिरिराज बंजारिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। उच्च शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार नगर के स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय सुसनेर में कॉलेज चलो अभियान अंतर्गत विकासखंड स्तरीय प्रवेश मेला सत्र 2026-27 का आयोजन आज 7 मई गुरुवार को किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य डॉ. जी.सी. गुप्ता के निर्देशन में होगा।

प्राचार्य डॉ. गुप्ता ने बताया कि प्रवेश मेले का उद्देश्य 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों को ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया, करियर मार्गदर्शन एवं काउंसलिंग, मेजर-माइनर तथा एमडीसी विषयों की जानकारी प्रदान करना है। इससे विद्यार्थियों को अपनी रुचि एवं भविष्य की संभावनाओं के अनुसार पाठ्यक्रम चयन में सहायता मिलेगी। साथ ही उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जाने वाली विभिन्न सुविधाओं एवं योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रवेश मेले में विद्यार्थियों को सहायता केंद्र के माध्यम से ऑन-द-स्पॉट पंजीयन की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी।

कॉलेज चलो अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. आदिश कुमार जैन ने बताया कि उच्च शिक्षा विभाग द्वारा अभियान का द्वितीय चरण संचालित किया जा रहा है। इसके तहत प्रदेश के शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों में 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा में प्रवेश लेने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। विद्यार्थियों को विभिन्न छात्रवृत्तियों, शासकीय योजनाओं एवं सुविधाओं की जानकारी भी दी जा रही है।

उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों को ई-प्रवेश पोर्टल एवं ई-प्रवेश मोबाइल ऐप के माध्यम से पंजीयन करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। प्रवेश संबंधी समस्याओं के समाधान हेतु उच्च शिक्षा विभाग द्वारा 24म7 हेल्पलाइन नंबर 8000063632 तथा टोल फ्री नंबर 18008908399 जारी किए गए हैं, जिन पर विद्यार्थी किसी भी समय संपर्क कर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

महाविद्यालय में संचालित सहायता केंद्र के माध्यम से विद्यार्थियों को ऑनलाइन पंजीयन, ऑफलाइन सत्यापन, करियर काउंसलिंग एवं पाठ्यक्रम चयन संबंधी मार्गदर्शन भी दिया जा रहा है। सहायता केंद्र टीम में नोडल अधिकारी डॉ. आदिश कुमार जैन, आकांक्षा श्रीवास्तव, रामकुमार अंजोरिया, लविश जैन, बद्रीलाल डाबी एवं कंप्यूटर ऑपरेटर नीरज भावसार शामिल हैं।

ही सच्ची पूजा का आधारः मुनि संयम रत्न विजय, 8 मई को होगा जीर्णोद्धार प्रतिष्ठा महोत्सव

बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में आयोजित धर्मसभा में मुनि श्री संयम रत्न विजय म.सा. ने सहनशीलता और गुरु के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ÷इस दुनिया में वही टिकता है, जो सहनशील होता है।÷ उन्होंने जीवन की तुलना वाहन से करते हुए कहा कि जैसे बिना ब्रेक का वाहन बेकार होता है, उसी प्रकार गुरु के बिना जीवन भी दिशाहीन हो जाता है।

अयोध्या नगरी सभा मंडप में आयोजित धर्मसभा में उन्होंने कहा कि तन का नहीं, बल्कि मन का मेकअप आवश्यक है, जो गुरु के मार्गदर्शन से ही संभव है। मुनि श्री ने कहा कि तन को सजाने-संवारने से अधिक जरूरी मन को शुद्ध करना है, क्योंकि मन के सुधरने से ही जीवन संवरता है। उन्होंने यह भी कहा कि दूसरों पर हंसना आसान है, लेकिन दूसरों को हंसाना कठिन कार्य है।

कार्यक्रम के अंतर्गत 6 मई को पाटला पूजन एवं नवकारसी का आयोजन किया गया। दोनों समय के स्वामीवात्सल्य के लाभार्थी के रूप में अशोक कुमार हुकमीचंद गादिया परिवार (झाबुआ) का बहुमान किया गया। वहीं प्रतिष्ठा से संबंधित चढ़ावे की जाजम का लाभ अशोक मांगीलाल सकलेचा परिवार ने प्राप्त किया।

तक्षशिला पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल मे हवन पूजन पूर्णाहुति किया

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री सनातन धर्म जगत जागरण संस्थान के तत्वावधान में बेडावन रोड़ स्थित तक्षशिला पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल मे दि. 01-05-2026 शुक्रवार से प्रारम्भ हनुमान चालीसा पाठ अनुष्ठान का समापन 04-05 - 2026 सोमवार को हवन पूजन पूर्णाहुति कर किया गया। एक कुंडी यज्ञ के मुख्य यजमान ईश्वर बग्गड व बन्टी गाजी परिवार के थे। यज्ञ पूर्णाहुति के बाद नगर भोज का आयोजन कीया गया । पंडित अविनाश उपाध्याय के आचार्यत्व में विद्वान् विप्रगणों के सानिध्य मे यह अनुष्ठान किया गया है श्री सनातन धर्म जगत जागरण संस्थान के द्वारा यह अनुष्ठान एवं सामुहिक यज्ञोपवीत संस्कार कार्यक्रम का यह 14 वा वर्ष है। विगत 13 वर्ष में सैकड़ो ब्राह्मण बालको का निशुल्क यज्ञोपवित्र कराया गया है इस अवसर पर श्री राम मंदिर कस्बा चौक के पुजारी महंत बिहारी दास जी पंडित चंद्रशेखर उपाध्याय, हरीभाऊ उपाध्याय, शरद उपाध्याय, आशिष उपाध्याय भाजपा मंडल अध्यक्ष राजकुमार जैन दिलीप मोदी कैलाश विपट दिलीप मेहता मयूर जैन ललीत जैन मुकेश गुर्जर प्रेस क्लब अध्यक्ष निर्मल सोंलकी पांचाल समाज अध्यक्ष सुरेश सांकला धाकड़ समाज कोषाध्यक्ष पूनम चंद खामोरिया पोरवाल समाज अध्यक्ष रामचंद्र मोदी राधेश्याम परमार विशाल गुप्ता कैलाश पटेल मोहनलाल सोनगरा रामेश्वर सोनगरा अशोक राव जाधव एवं समाज जन बड़ी संख्या में उपस्थित थे। उक्त जानकारी अतुल उपाध्याय द्वारा दी गई ।

भाजपा कार्यकर्ता व्यक्ति नही, विचारधारा के लिए काम करता है - जिलाध्यक्ष ओम मालवीय

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भाजपा मंडल की कामकाजी बैठक का आयोजन बुधवार को जिलाध्यक्ष ओम मालवीय के मुख्य आतिथ्य, मण्डल प्रभारी आभा चोपड़ा, जिला उपाध्यक्ष डॉ गजेन्द्र सिंह चंद्रावत व सजनसिंह कलारिया, नगर परिषद अध्यक्ष प्रदीप सोनी, जनपद उपाध्यक्ष बाबूलाल यादव के विशेष आतिथ्य व मण्डल अध्यक्ष डॉ सौरभ जैन की अध्यक्षता में सोयत रोड़ स्थित भाजपा कार्यालय सुसनेर पर किया गया। मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित भाजपा जिलाध्यक्ष ओम मालवीय ने सम्बोधित करते हुए कहा कि आज देश में हमारी सरकार है इसके पीछे पार्टी के कार्यकर्ताओं का संघर्ष है। भाजपा का कार्यकर्ता व्यक्ति के लिए नही विचार धारा के लिए काम करता है। यही कारण है कि आज पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनी है। जिलाध्यक्ष ने बैठक में सर्वाधिक उपस्थिति पर बधाई देते हुए कार्यकर्ताओं की पार्टी के प्रति समर्पण की सराहना की। जिला उपाध्यक्ष एवं मण्डल प्रभारी आभा चोपड़ा ने कहा कि केंद्रीय नेतृत्व के निर्देशानुसार प्रत्येक पदाधिकारी प्रवास करे इसके लिए रचनात्मक बैठके संगठन नेतृत्व ने शुरू की। यही हमारी सफलता का मंत्र होगा। स्वागत भाषण अध्यक्ष डॉ सौरभ जैन ने दिया। संचालन मण्डल महामंत्री लखन सेन ने किया व आभार कालुसिंह नाहरखेड़ा ने माना। इस अवसर पर मण्डल के सभी पदाधिकारी मौजूद रहें। जानकारी मीडिया प्रभारी दीपक जैन ने दी।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर 7 मई को 2.43 करोड़ के विकास कार्यों का करेंगे भूमिपूजन

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर गुरुवार 7 मई को उप नगर ग्वालियर में 2 करोड़ 43 लाख रुपए से अधिक लागत से निर्मित होने जा रहे विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन करेंगे। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर इस दिन सुबह 8.30 बजे वार्ड क्रमांक 05 स्थित मौनी बाबा आश्रम में आयोजित कार्यक्रम में बदनापुरा में 28.29 लाख की लागत से निर्मित होने वाले सामुदायिक भवन का भूमिपूजन करेंगे। मंत्री श्री तोमर इसके बाद सुबह 9 बजे श्री धर्मेन्द्र सिंह गुर्जर जी के मकान के सामने 3.40 लाख की लागत से निर्मित होने वाली सीमेंट कांक्रीट रोड निर्माण कार्य, सुबह 9.30 बजे गोलम्बर माता मंदिर स्टोन पार्क मोतीझील में 7.30 लाख की लागत से गणेश कॉलोनी माता मंदिर के पास बाउंड्री वॉल निर्माण कार्य का भूमिपूजन करेंगे। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर सुबह 10 बजे यादव कॉलोनी मोतीझील गली नंबर 9 एवं 10 के सामने आयोजित कार्यक्रम में यादव कॉलोनी एवं शिवशक्ति नगर की 22.79लाख की लागत से निर्मित होने वाली विभिन्न गलियों की सीमेंट कांक्रीट रोड तथा 88.02 लाख की लागत से यादव कॉलोनी गली नंबर 9 से रेल्वे क्रोसिंग एवं पीएचई कॉलोनी होते हुए निर्मित होने वाले नाले का भूमिपूजन करेंगे।

बड़ावदा में चोरी की वारदातें बढ़ीं: किसान के 90 क्विंटल गेहूं सहित मोबाइल दुकान से नकदी व मोबाइल पार

बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मंगलवार रात्रि नगर में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। मंगलवार रात अज्ञात चोरों ने एक किसान के खेत और मोबाइल-इलेक्ट्रिक दुकान को निशाना बनाते हुए लाखों के सामान पर हाथ साफ कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार किसान मो. अयूब खान के खेत में बने टिन शेड में रखा लगभग 90 क्विंटल गेहूं चोर चोरी कर ले गए। किसान अयूब खान ने बताया कि उक्त गेहूं 9 तारीख को उपार्जन केंद्र पर तौल के लिए ले जाना था, लेकिन उससे पहले ही चोरों ने पूरी फसल पार कर दी। मामले की रिपोर्ट थाने में दर्ज करा दी गई है।

इसी रात नगर की सिंदल इलेक्ट्रिक मोबाइल दुकान को भी चोरों ने निशाना बनाया, जहां से 3 नए मोबाइल फोन और नकदी चोरी कर ली गई। इसके अलावा पास स्थित झाला मोटर वाइंडिंग की दुकान के शटर के ताले तोड़कर वहां से भी सामान गायब किया गया।

लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से नगरवासियों में दहशत का माहौल है। खास बात यह है कि क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरे लगे होने के बावजूद चोर बेखौफ वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। स्थानीय लोगों ने पुलिस गश्त बढ़ाने और जल्द ही चोरों को पकड़ने की मांग की है।

जल गंगा संवर्धन अभियान, जल स्रोत सेवा समागम द्वितीय चरण

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड महिदपुर जिला उज्जैन की नवांकुर संस्था श्री स्वर्णगिरी पर्वत तीर्थ क्षेत्र समिति सेक्टर क्रमांक 1 महिदपुर द्वारा विकासखंड समन्वयक श्रीमती नम्रता तिवारी के मार्गदर्शन में ग्राम चिरमिया मे स्वर्णगिरी पर्वत स्थित कुंड पर समिति सदस्यों एवं ग्रामीण जनों की उपस्थिति मे स्वच्छता अभियान चलाकर भजन कीर्तन कर जल बचाने का संदेश दिया। इस अवसर पर स्वर्णगिरी पर्वत पीठाधीश्वर श्री महेंद्र गिरी महाराज, समिति अध्यक्ष अंतरसिंह आंजना, आसाराम आंजना, कमल आंजना, बहादुरसिंह आंजना, लाखनसिंह, शुभमसिंह, विशालसिंह आदि उपस्थित रहे।

स्वच्छता, स्वास्थ्य और जनसुविधा से जुड़ी समस्याओं का तत्काल समाधान सुनिश्चित हो - ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बुधवार को आपका सेवक आपके द्वार कार्यक्रम के अंतर्गत सुबह 6 बजे उप नगर ग्वालियर के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर स्थानीय नागरिकों की समस्याएं सुनी तथा स्थल पर ही समाधान किया। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर भोपाल से ट्रेन मार्ग द्वारा सुबह 6 बजे ग्वालियर पहुंचे और सर्वप्रथम खेड़ापति कॉलोनी, न्यू खेड़ापति कॉलोनी, हिन्द नगर में पहुंचे तथा क्षेत्रवासियों से आत्मीय भेंट की। इस दौरान उन्होंने घर-घर जाकर नागरिकों से संवाद स्थापित किया एवं उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने बिजली आपूर्ति, स्वच्छता व्यवस्था एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की स्थिति के बारे में विस्तार से जानकारी ली तथा जनता की सेवा और उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान संकल्प दोहराया। इस दौरान उन्होंने कहा कि स्वच्छता, स्वास्थ्य और जनसुविधा से सम्बन्धित समस्याओं का तत्काल समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने हिदायत दी कि सीवर की सफाई, कचरा संग्रहण और सड़कों के रखरखाव के कार्य में किसी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाए, लापरवाही बरतने वाले अधिकारी-कर्मचारियों के खिलाफ कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाए।

ऊर्जा मंत्री ने आमजन की सीवर, पानी, बिजली तथा सड़क से सम्बन्धित समस्याओं का मौके पर ही निराकरण करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र मेरा परिवार है और परिवार को कोई भी असुविधा न हो मूलभूत सुविधाओ में जो कमी है, उसको तुरंत दुरस्त किया जाए। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने पेयजल आपूर्ति, सीवर सफाई, बिजली व्यवस्था सहित अन्य समस्याओं के सम्बन्ध में स्थानीय नागरिकों से सीधा संवाद किया। इस दौरान ऊर्जा मंत्री ने उप नगर ग्वालियर के न्यू खेड़ापति कॉलोनी पहुंचे तथा यहां चल रही सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के सम्बन्ध में स्थानीय नागरिकों से जानकारी ली। उन्होंने लोगों से पूछा कि उन्हें राशन मिल रहा है, पेंशन मिल रही है, आयुष्मान कार्ड बन गया है। इसके जबाव में लोगों अपनी सहमति जताई। उन्होंने बहनों तथा बुजुर्ग माताओं से बातचीत कि और उनसे कुशलक्षेम पूछी।

इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि हर कदम पर एक ही भावना रहनी चाहिए, हम बदलेंगे, तो हमारा ग्वालियर बदलेगा।

यह राजनीतिक नारा नहीं, बल्कि एक संकल्प है, अपने शहर, अपनी पीढ़ी और अपनों के भविष्य के लिए। उन्होंने आव्हान किया कि ग्वालियर को स्वच्छ, स्वस्थ और नशा मुक्त बनाने के अपने संकल्प को जनसहभागिता के साथ सफलता की सीढ़ी तक पहुंचाना है।

कलेक्टर ने ग्रीष्मकालीन शासकीय जनजातीय कन्या आश्रम अंग्रेजी माध्यम पेटलावद का किया निरीक्षण

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट द्वारा ग्रीष्मकालीन शासकीय जनजातीय कन्या आश्रम अंग्रेजी माध्यम पेटलावद का निरीक्षण कर वहां संचालित व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने छात्राओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, आवासीय व्यवस्था एवं ग्रीष्मकाल में किए जा रहे प्रबंधों की जानकारी प्राप्त की।

कलेक्टर ने आश्रम परिसर का निरीक्षण कर छात्राओं के रहने, भोजन, पेयजल एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों को व्यवस्थाएं सुचारू एवं व्यवस्थित बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रीष्मकाल के दौरान छात्राओं के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाए तथा उन्हें सभी आवश्यक सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएं।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर डॉ. भरसट, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सुश्री तनुश्री मीणा एवं सहायक कलेक्टर सुश्री आयुषी बंसल द्वारा छात्राओं से आत्मीय संवाद किया गया। इस दौरान छात्राओं ने अपने भविष्य के लक्ष्यों एवं करियर संबंधी आकांक्षाओं को साझा किया। कई छात्राओं ने डॉक्टर, पुलिस अधिकारी, शिक्षक एवं आईपीएस अधिकारी बनने की इच्छा व्यक्त की।

कलेक्टर ने छात्राओं को लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर मेहनत एवं अनुशासन के साथ अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्र की बेटियां भी अपनी प्रतिभा और परिश्रम के बल पर उच्च पदों तक पहुंच सकती हैं। उन्होंने छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, समय प्रबंधन एवं नियमित अध्ययन के महत्व के बारे में मार्गदर्शन प्रदान किया।

एसडीएम एवं सहायक कलेक्टर द्वारा भी छात्राओं को शिक्षा के महत्व, आत्मविश्वास एवं सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। अधिकारियों ने कहा कि शासन द्वारा छात्राओं के सर्वांगीण विकास एवं बेहतर शिक्षा के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनका लाभ लेकर वे अपने सपनों को साकार कर सकती हैं।

निरीक्षण के दौरान तहसीलदार श्री अनिल बघेल, बीआरसी श्रीमती रेखा गिरी एवं आश्रम स्टाफ उपस्थित रहे।

जनगणना 2027 बड़वानी जिले में मकान सूचीकरण का कार्य प्रारंभ

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। डिजिटल जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत जिले में मकान सूचीकरण और मकानों की गणना का कार्य गति से संचालित किया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में शासकीय सांदीपनि विद्यालय तलवाड़ा बुजुर्ग के प्राथमिक शिक्षक श्री रघुवीर सोलंकी ने उत्कृष्ट कर्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया है। श्री सोलंकी ने उन्हें आवंटित गणना ब्लॉक के अंतर्गत मकान सूचीकरण के कार्य को मात्र 5 दिवस की अल्पावधि में सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया है। संपूर्ण जिले में सबसे पहले इस कार्य को त्रुटिरहित संपन्न करने की इस उपलब्धि पर जिला प्रशासन द्वारा उनका उत्साहवर्धन किया गया। कलेक्टर द्वारा किया गया सम्मानित कार्य के प्रति इस समर्पण और तत्परता को देखते हुए कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह द्वारा श्री रघुवीर सोलंकी को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कलेक्टर ने अन्य प्रगणकों और अधिकारियों के लिए इसे एक प्रेरणादायक उदाहरण बताया। उल्लेखनीय है कि बड़वानी जिले में जनगणना 2027 के लिए एचएलओ मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से डिजिटल प्रविष्टियाँ की जा रही हैं, जिससे डेटा संकलन में पारदर्शिता और सटीकता सुनिश्चित हो सके। जिला प्रशासन द्वारा सभी नागरिकों से अपील की गई है कि वे गणना कार्य के लिए आने वाले कर्मियों को सही जानकारी प्रदान कर इस अभियान में सहयोग करें।

राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए पुलिस एवं न्यायिक अधिकारियों की बैठक संपन्न

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री संजीव श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में आगामी 9 मई को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल संचालन एवं अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण सुनिश्चित करने हेतु पुलिस विभाग के अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री ठाकुर प्रसाद मालवीय की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में राष्ट्रीय लोक अदालत के उद्देश्य, कार्यप्रणाली तथा अधिकाधिक मामलों के निराकरण के लिए आवश्यक रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री ठाकुर प्रसाद मालवीय ने बैठक में लोक अदालत से संबंधित सूचना पत्रों की समयबद्ध एवं प्रभावी तामीली सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया, ताकि आमजन तक इसकी जानकारी पहुंच सके और अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें। इस अवसर पर जिला रजिस्ट्रार श्री अरविंद सिंह, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री पीयूष भावे, उप पुलिस अधीक्षक श्री अनिल चौहान सहित जिले के समस्त थाना प्रभारी उपस्थित रहे। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने निर्देश दिए कि लंबित प्रकरणों की पहचान कर उन्हें प्राथमिकता से लोक अदालत में प्रस्तुत किया जाए, ताकि न्याय सुलभ, सरल एवं त्वरित रूप से आमजन तक पहुंच सके। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस विभाग की सक्रिय भूमिका इस अभियान की सफलता में अत्यंत महत्वपूर्ण है।

कलेक्टर ने रायपुरिया में संरक्षित खेती योजना अंतर्गत शिव नर्सरी का किया अवलोकन

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट द्वारा रायपुरिया क्षेत्र में एमआईडीएस संरक्षित खेती योजना अंतर्गत उद्यानिकी विभाग के हितग्राही शिव नर्सरी का अवलोकन किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने नर्सरी में संरक्षित खेती के माध्यम से तैयार किए जा रहे पौधों एवं आधुनिक तकनीकों का अवलोकन कर जानकारी प्राप्त की।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों द्वारा कलेक्टर को अवगत कराया गया कि उक्त परियोजना लगभग 25 लाख रुपए की लागत से स्थापित की गई है, जिसमें हितग्राही को शासन की योजना अंतर्गत 50 प्रतिशत अनुदान प्राप्त हुआ है। योजना के माध्यम से संरक्षित क्षेत्र में आधुनिक नर्सरी स्थापित कर विभिन्न फसलों की गुणवत्तायुक्त सिडलिंग तैयार की जा रही है।

हितग्राही द्वारा बताया गया कि नर्सरी में संरक्षित वातावरण एवं कोकोपीट तकनीक का उपयोग कर पौध तैयार किए जा रहे हैं। वर्तमान में मिर्ची की सिडलिंग तैयार की जा रही है, जिनकी बिक्री इसी वर्ष से प्रारंभ की गई है।

उन्होंने बताया कि संरक्षित खेती तकनीक के कारण गर्मी के मौसम में भी लगभग 45 दिनों के भीतर गुणवत्तापूर्ण पौधे तैयार हो रहे हैं। हितग्राही ने जानकारी दी कि वर्तमान में प्रति पौधे पर लगभग 25 प्रतिशत तक लाभ प्राप्त हो रहा है, जिससे आर्थिक आय में वृद्धि हो रही है। कलेक्टर ने संरक्षित खेती एवं आधुनिक कृषि तकनीकों को किसानों के लिए लाभकारी बताते हुए कहा कि इस प्रकार की योजनाएं किसानों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

कलेक्टर ने रायपुरिया मंडी स्थित उपार्जन केन्द्र का किया निरीक्षण

अव्यवस्थाओं पर जताई नाराजगी, व्यवस्थाएं सुधारने के दिए निर्देश

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट द्वारा रायपुरिया मंडी स्थित गेहूं उपार्जन केन्द्र का निरीक्षण कर वहां संचालित व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान उपार्जन केन्द्र पर किसानों की लंबी कतार एवं अव्यवस्था पाए जाने पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त की तथा संबंधित अधिकारियों को व्यवस्थाओं में तत्काल सुधार लाने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने किसानों से संवाद कर उपार्जन कार्य की स्थिति एवं उन्हें आ रही समस्याओं की जानकारी प्राप्त की। किसानों द्वारा तौल में देरी एवं लंबे समय तक प्रतीक्षा करने की समस्या बताई गई। इस पर कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो तथा उपार्जन कार्य व्यवस्थित एवं समयबद्ध रूप से संपन्न कराया जाए।

कलेक्टर ने उपार्जन केन्द्र पर केवल चार तौल कांटे संचालित पाए जाने पर असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि किसानों की संख्या एवं उपार्जन कार्य की गति को देखते हुए वर्तमान व्यवस्था अपर्याप्त है। इस पर कलेक्टर ने तत्काल तौल कांटों की संख्या बढ़ाकर छह करने के निर्देश दिए, ताकि गेहूं तौल कार्य में तेजी लाई जा सके एवं किसानों को अनावश्यक इंतजार नहीं करना पड़े।

व्यवस्थाओं में लापरवाही पाए जाने पर कलेक्टर ने रायपुरिया मंडी प्रबंधक को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि उपार्जन कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा अव्यवस्था बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कलेक्टर ने अधिकारियों को कड़ा रुख अपनाते हुए निर्देश दिए कि सभी किसानों के गेहूं का उपार्जन निर्धारित समयसीमा में पूर्ण किया जाए तथा केंद्र पर पेयजल, छाया एवं बैठने जैसी आवश्यक सुविधाएं भी सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने उपार्जन केंद्र की नियमित मॉनिटरिंग करने एवं किसानों को सुगम एवं पारदर्शी व्यवस्था उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

निरीक्षण के दौरान सहायक कलेक्टर सुश्री आयुषी बंसल, तहसीलदार श्री अनिल बघेल सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जल चौपाल एवं जनजागरूकता रैली का आयोजन

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट के निर्देशानुसार मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड पेटलावद द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत ग्राम कचनारिया में जल चौपाल एवं जनजागरूकता रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करना तथा जनभागीदारी के माध्यम से जल संवर्धन गतिविधियों को बढ़ावा देना रहा।

कार्यक्रम के दौरान जिला समन्वयक श्री प्रेमसिंह चौहान ने उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में प्रदेशभर में 19 मार्च से 30 जून 2026 तक जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता फैलाने हेतु जल चौपाल, सामूहिक श्रमदान, दीवार लेखन, सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई एवं जनजागरूकता रैलियों का आयोजन किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि जल संरक्षण करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। जल है तो कल है के संदेश को आत्मसात करते हुए वर्षा जल संरक्षण एवं जल स्रोतों के संवर्धन के लिए प्रत्येक नागरिक को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने प्रस्फुटन एवं नवांकुर संस्थाओं से अपने-अपने क्षेत्रों में निरंतर जनजागरूकता अभियान संचालित करने का आह्वान किया। साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य, नशामुक्ति एवं सामाजिक समरसता के क्षेत्र में कार्य कर आदर्श गांव निर्माण की दिशा में प्रयास करने हेतु प्रेरित किया।

विकासखंड समन्वयक श्री प्रवीण पंवार द्वारा मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की विभिन्न गतिविधियों एवं योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। जल चौपाल के पश्चात समिति सदस्यों, विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों द्वारा गांव में जनजागरूकता रैली निकाली गई।

कलेक्टर ने जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत बेकल्दा में निर्माणाधीन अमृत सरोवर का किया निरीक्षण

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत ग्राम बेकल्दा में निर्माणाधीन अमृत सरोवर का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की गुणवत्ता एवं प्रगति का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सरोवर निर्माण से संबंधित विभिन्न तकनीकी पहलुओं का अवलोकन किया तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने अमृत सरोवर में निर्धारित मानकों के अनुरूप स्लोप नहीं दिए जाने, सरोवर की पाल की ऊंचाई कम पाए जाने तथा कार्य में उचित कॉम्पेक्शन नहीं किए जाने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा (आरईएस) को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य पूरी गुणवत्ता एवं तकनीकी मानकों के अनुरूप कराया जाए।

कलेक्टर ने कहा कि अमृत सरोवर जल संरक्षण एवं भू-जल संवर्धन की दृष्टि से महत्वपूर्ण परियोजना है, इसलिए निर्माण कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को नियमित निरीक्षण एवं सतत मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए 30 मई तक निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि अमृत सरोवर के निर्माण से लगभग 8 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो सकेगी, जिससे क्षेत्र के किसानों को लाभ मिलेगा तथा जल संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा।

कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण पूर्ण होने के पश्चात अमृत सरोवर को राजस्व अभिलेखों में विधिवत दर्ज कराया जाए। साथ ही उन्होंने सरोवर में मछली पालन गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्व-सहायता समूहों को पट्टे उपलब्ध कराने की कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए, ताकि ग्रामीण आजीविका के अवसरों में वृद्धि हो सके।

इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटलावद सुश्री तनुश्री मीणा, सहायक कलेक्टर सुश्री आयुषी बंसल, तहसीलदार श्री अनिल बघेल सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

9 मई को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के लिए प्रचार प्रचार वाहन को रवाना किया

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के आदेशानुसार एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण झाबुआ के तत्वाधान में 09 मई-2026 को आयोजित होने वाली वर्ष-2026 की द्वितीय नेशनल लोक अदालत के लिए प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष श्रीमती आशिता श्रीवास्तव के द्वारा 06 मई-2026 को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का प्रचार वाहन न्याय सारथी सहित बैंक, विद्युत विभाग, नगरपालिका के प्रचार-प्रसार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर न्यायालय परिसर झाबुआ से रवाना किया गया।

इस अवसर पर प्रधान जिला न्यायाधीश श्रीमती आशिता श्रीवास्तव ने कहा कि आज हम नेशनल लोक अदालत के आयोजन से पूर्व इसके प्रचार-प्रसार के लिए एक मुहिम शुरू कर रहे हैं। यह मुहिम न केवल शहरी क्षेत्रों में बल्कि दूर-दराज के गांवों तक फैली होगी। हमारा लक्ष्य है कि लोक अदालत की अवधारणा प्रत्येक नागरिक तक पहुंचे और उन्हें इस बात का ज्ञान हो कि वे अपने विवादों का निपटारा गतिशील, निष्पक्ष एवं कम खर्चीले तरीके से करा सकते हैं। हमारे प्रचार वाहन शहर के प्रमुख चौराहों, बाजारों और अन्य जनसमुदायों में जाकर लोगों को लोक अदालत की प्रक्रिया से अवगत कराएंगे। साथ ही उन्हें आगामी लोक अदालत में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करेंगे। उन्होंने कहा कि लोक अदालत में अपने मामलों को सुलह-समझौते एवं राजीनामा के आधार पर निराकरण कर उन्हें कोर्ट फीस वापिस के साथ-साथ एक छायादार/फलदार पौधा न्याय वृक्ष के रूप में भेंट स्वरूप दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि लोक अदालत एक ऐसा मंच है जहां न कोई हारता है और न कोई जीतता है, बल्कि दोनों पक्षों के बीच आपसी सहमति से न्याय की जीत होती है। इसमें दीवानी मामले, चेक बाउंस, बिजली चोरी, पारिवारिक विवाद और राजीनामा योग्य आपराधिक मामलों का त्वरित निराकरण किया जाता है। यहां लिए गए निर्णय की कोई अपील नहीं होती, जिससे विवादों का हमेशा के लिए अंत हो जाता है। इस प्रचार वाहन के माध्यम से राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जारी पेम्पलेट का भी वितरण किया जायेगा।

09 मई-2026 को होने वाली नेशनल लोक अदालत में कुल 14 खण्डपीठों का गठन किया गया है जिसमें जिला न्यायालय झाबुआ में 08 खण्डपीठें, तहसील न्यायालय पेटलावद में 04 खण्डपीठें एवं तहसील थांदला में 02 खण्डपीठों का गठन किया गया हैं।

इस अवसर पर विशेष न्यायाधीश श्री प्रदीप सोनी, प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय श्री अनुराग द्विवेदी, प्रथम जिला न्यायाधीश श्री प्रकाश केरकेट्टा, द्वितीय जिला न्यायाधीश श्री राकेश कुमार पाटीदार, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री नितिन कुमार मुजाल्दा, न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती सरोज बाला मुजाल्दा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री शिव कुमार डावर, न्यायिक मजिस्ट्रेट सुश्री श्रद्धा पटेल, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री जयदेव माणिक, अभिभाषक संघ के अध्यक्ष श्री दीपक भण्डारी, अधिवक्तागण, बैंक एलडीएम श्री मोहम्मद अल्ताफ, विद्युत विभाग से सुपरिटेंडेंट इंजीनियर, अधिवक्तागण, कर्मचारीगण एवं आमजन उपस्थित रहें।

शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय बड़वानी में माइक्रो लिफ्ट इरिगेशन पर विशेष तकनीकी व्याख्यान आयोजित

बडवानी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय बड़वानी में प्राचार्य श्री कमलेश गुप्ता के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों के तकनीकी ज्ञान को व्यावहारिक और आधुनिक दिशा देने के उद्देश्य से माइक्रो लिफ्ट इरिगेशन (सूक्ष्म उद्वहन सिंचाई) पर एक विशेष व्याख्यान सत्र का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में भोपाल की लक्ष्मी सिविल इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड से पधारे अनुभवी इलेक्ट्रिकल इंजीनियर श्री निलेश बड़ोले ने शिरकत की, जिन्होंने छात्रों को सिंचाई परियोजनाओं की आधुनिक कार्यप्रणाली से अवगत कराया।

कार्यक्रम के मुख्य सत्र को संबोधित करते हुए संस्था के सिविल इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष श्री तरुण सोलंकी ने व्यावहारिक ज्ञान की महत्ता पर जोर दिया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि तकनीकी शिक्षा की सार्थकता तभी है जब छात्र किताबी सिद्धांतों को धरातल पर उतारना सीखें। श्री सोलंकी ने विश्वास जताया कि इस प्रकार के संवाद सत्रों से छात्रों को फील्ड की वास्तविक चुनौतियों को समझने का मौका मिलता है, जो उनके भविष्य और करियर निर्माण में अत्यंत सहायक सिद्ध होंगे। मुख्य वक्ता श्री निलेश बड़ोले ने अपने विस्तृत व्याख्यान में माइक्रो लिफ्ट इरिगेशन स्कीम के तकनीकी पहलुओं को बारीकी से समझाया। उन्होंने बताया कि कैसे कम संसाधनों और आधुनिक पंपिंग तकनीक के माध्यम से जल प्रबंधन को प्रभावी बनाया जा सकता है।

कलेक्टर ने सिविल अस्पताल पेटलावद का किया निरीक्षण

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट द्वारा बुधवार को सिविल अस्पताल पेटलावद का निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं, उपचार व्यवस्थाओं एवं मरीजों को प्रदान की जा रही सुविधाओं का विस्तार से अवलोकन किया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने पंजीयन कक्ष, आयुष्मान कक्ष, प्रसव कक्ष, हीट क्लीनिक, एचआईवी काउंसिलिंग कक्ष, आईसीयू वार्ड, एनबीएसयू यूनिट सहित विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया। उन्होंने मरीजों को बेहतर एवं समयबद्ध उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश देते हुए अस्पताल में स्वच्छता, व्यवस्थाओं की सुचारूता एवं आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर बल दिया।

हीट स्ट्रोक की संभावित स्थिति को देखते हुए कलेक्टर ने हीट क्लीनिक की व्यवस्थाओं की विशेष रूप से समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि हीट स्ट्रोक से पीड़ित मरीजों के उपचार हेतु डेडीकेटेड वार्ड को व्यवस्थित एवं प्रभावी रूप से संचालित किया जाए। साथ ही आवश्यक दवाइयों, उपकरणों एवं चिकित्सकीय संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए, ताकि गर्मी के मौसम में मरीजों को तत्काल उपचार मिल सके।

कलेक्टर ने सलुनिया बड़ा ग्राम पंचायत का किया निरीक्षण, जल संरक्षण एवं जनकल्याण योजनाओं की समीक्षा की

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट द्वारा ग्राम पंचायत सलुनिया बड़ा का निरीक्षण कर विभिन्न विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पंचायत स्तर पर संचालित जल संरक्षण, पेयजल, पोषण एवं स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

पंचायत भवन में आयोजित निरीक्षण के दौरान सरपंच श्रीमती कना सोलंकी द्वारा कलेक्टर को अवगत कराया गया कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत ग्राम में हैंडपंप रिचार्ज एवं खेत तालाब निर्माण के कार्य प्रगति पर हैं। इसके अतिरिक्त ÷कैच द रेन÷ अभियान के तहत जल संरक्षण से संबंधित विभिन्न निर्माण कार्य भी किए जा रहे हैं। कलेक्टर ने जल संरक्षण गतिविधियों की सराहना करते हुए कार्यों को गुणवत्ता एवं समयसीमा के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने ग्राम के ग्रामीणों से नल-जल योजना के संबंध में चर्चा की। ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि उन्हें प्रत्येक तीसरे दिन पानी प्राप्त हो रहा है तथा पेयजल संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को पेयजल व्यवस्था में सुधार लाने एवं ग्रामीणों को नियमित जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

विक्रमोत्सव ने रचा इतिहास... देश के मंच पर डबल अवॉर्ड

सांस्कृतिक लाइव इवेंट ऑफ द ईयर में गोल्ड, लाइव इवेंट में श्रेष्ठ शासकीय सहभागिता के लिए सिल्वर अवॉर्ड- 17.72 करोड़ लोगों तक पहुंचा आयोजन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन में आयोजित विक्रमोत्सव 2026 ने इस वर्ष राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए दो पुरस्कार अपने नाम कर लिए। नई दिल्ली में 2-3 मई को आयोजित शोज ऑफ इंडिया कॉन्क्लेव 2026 में विक्रमोत्सव को सांस्कृतिक लाइव इवेंट ऑफ द ईयर (वर्ष का सर्वश्रेष्ठ सांस्कृतिक आयोजन) श्रेणी में गोल्ड अवॉर्ड तथा लाइव इवेंट में सर्वश्रेष्ठ शासकीय सहभागिता श्रेणी में सिल्वर अवॉर्ड मिला।

यह अवॉर्ड देश के प्रमुख इवेंट प्लेटफॉर्म इवेंटफैक्स मीडिया द्वारा वाउ लाइव अवॉर्ड्स के अंतर्गत दिए गए, जिसमें देशभर से 300 से अधिक प्रविष्टियां शामिल हुई थीं। विशेषज्ञों की जूरी ने विभिन्न मानकों पर मूल्यांकन कर विजेताओं का चयन किया।

बताया गया है कि अवॉर्ड प्राप्त करने वाली टीम जल्द ही भोपाल पहुंचकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को यह सम्मान भेंट करेगी।

दुनिया का सबसे लंबा चलने वाला सांस्कृतिक उत्सव- विक्रमोत्सव को दुनिया के सबसे लंबे समय तक चलने वाले सांस्कृतिक आयोजनों में गिना जाता है। इसमें केवल सांस्कृतिक कार्यक्रम ही नहीं, बल्कि व्यापारिक गतिविधियां (बिजनेस इवेंट) भी शामिल रहती हैं, जिससे यह आयोजन बहुआयामी बन गया है।

सरकार और संस्कृति का सफल संगम- संस्कृति सलाहकार एवं शोधपीठ के निदेशक श्रीराम तिवारी ने इसे मध्यप्रदेश के लिए गौरवपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि प्रदेश की सांस्कृतिक समृद्धि (कल्चरल रिचनेस) और आधुनिक अभिव्यक्ति (मॉडर्न एक्सप्रेशन) का प्रतीक है।

उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विरासत से विकास मंत्र को मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में प्रदेश साकार कर रहा है।

पहले भी मिल चुके हैं कई सम्मान- विक्रमोत्सव की सफलता नई नहीं है।

वर्ष 2025 में इसे लॉन्गस्टैंडिंग आईपी ऑफ द ईयर (दीर्घकालिक प्रभाव वाला आयोजन) का सम्मान मिला।वाउ अवॉर्ड एशिया 2025 में एशिया के शासकीय समारोह श्रेणी में गोल्ड तथा

2024 में एशिया का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन (बिगेस्ट रिलीजियस अवॉर्ड) प्राप्त हुआ था।

डिजिटल दुनिया में भी रिकॉर्ड, 17.72 करोड़ तक पहुंच- विक्रमोत्सव 2026 ने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी नया कीर्तिमान बनाया। इसकी कुल पहुंच (डिजिटल रीच) 17.72 करोड़ से अधिक लोगों तक रही।

आधिकारिक सोशल मीडिया और लाइव प्रसारण (लाइव स्ट्रीम) से 47.85 लाख लोग जुड़े।

आमजन के कंटेंट और हैशटैग्स के जरिए 17.24 करोड़ से अधिक पहुंच रही।

यह आंकड़े दर्शाते हैं कि आयोजन ने डिजिटल सहभागिता (कम्युनिटी एंगेजमेंट) में भी नई ऊंचाई हासिल की।

139 दिन चला भव्य आयोजन - विक्रमोत्सव 2026 का आयोजन 12 फरवरी से 30 जून तक कुल 139 दिनों तक चला। इसकी शुरुआत महाशिवरात्रि पर भगवान महादेव की आराधना से हुई, जिसमें प्रसिद्ध संगीतकार प्रीतम द्वारा ÷शिवोऽहम÷ प्रस्तुति दी गई।

इसके बाद दूसरे चरण में जल गंगा संवर्धन अभियान (जल संरक्षण और विकास अभियान) के तहत 41 से अधिक गतिविधियां आयोजित हुईं, जिनमें 4000 से अधिक कलाकारों ने प्रस्तुति दी। इस दौरान सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक गतिविधियों का संगम देखने को मिला।

कार में देशी कट्टा व 3 कारतूस मिले, उज्जैन के 3 आरोपी पकड़े

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कोतवाली पुलिस नाकाबंदी के दौरान एक कार से अवैध देशी कट्टा पिस्टल और 3 कारतूस बरामद किए। साथ ही 10 हजार के इनामी समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। एसपी मनीष त्रिपाठी ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर थानाधिकारी रामसुमेर मीणा ने रविवार को एएसआई सूरज कुमार की अगुवाई में हेड कांस्टेबल हरविंद्र सिंह, कांस्टेबल शिशपाल, विजय सिंह, हेमन्त, रणजीत, जगदीश की टीम बनाई। नीमच की तरफ से आने वाली सूरज कुमार की टीम ने जलिया चैक पोस्ट पहुंचकर नाकाबंदी की। संदिग्ध कार रुकवाई और तलाशी ली तो देशी कट्टा पिस्टल और 3 कारतूस मिले। इस पर पुलिस ने 37 वर्षीय आशुतोष ब्राह्मण निवासी सार्थक नगर उज्जैन, 28 वर्षीय यशवेंद्र ठाकुर निवासी 90/6 शिव शक्ति नगर उज्जैन व 24 वर्षीय निखिल मीणा निवासी शीतला माता मंदिर के पास, उज्जैन को गिरफ्तार किया। यशवेंद्र के खिलाफ 22 प्रकरण दर्ज हैं। वह 4 प्रकरणों में फरार चल रहा है। थाना चिमनगंज, जिला उज्जैन का 10 हजार रुपए का इनामी है।

जिला पंचायत सीईओ ने ग्राम लाखाखेड़ी नाहरपुर में स्वास्थ्य निरीक्षण किया

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री श्रेयांस कूमट ने आज उप स्वास्थ्य केन्द्र बिनपुरा के अंतर्गत ग्राम लाखाखेड़ी नाहरपुर में शासन द्वारा संचालित प्रोजेक्ट संवर्धन अभियान के अंतर्गत हितग्राही रवीना (पिता कमलेश) के घर पहुंचकर नवजात शिशु प्रियांशी का विस्तृत स्वास्थ्य निरीक्षण किया। शिशु प्रियांशी का जन्म 10 दिसंबर 2025 को सिविल अस्पताल में हुआ था। जन्म के समय शिशु का वजन मात्र 3 किलोग्राम तथा लम्बाई 30 सेंटीमीटर थी। एएनएम श्रीमती उषा गोयल द्वारा शिशु को गोद लेकर पोषण संबंधी विशेष देखभाल शुरू की गई। माता रवीना को प्रोटीन युक्त भोजन, दूध, दही, पनीर, अंकुरित अनाज, दालें, सोयाबीन, हरी पत्तेदार सब्जियाँ, फल, जड़कंद तथा मिक्स प्रोटीन युक्त खिचड़ी के साथ-साथ नियमित स्तनपान की विस्तृत सलाह दी गई। परिणाम स्वरूप शिशु का वजन प्रतिदिन औसतन 50 ग्राम की दर से बढ़ा। आज निरीक्षण के दौरान शिशु प्रियांशी का वजन 7 किलोग्राम 100 ग्राम तथा लम्बाई 65 सेंटीमीटर पाई गई। शिशु पूर्ण रूप से स्वस्थ, क्रियाशील और हृष्ट-पुष्ट दिखाई दी। मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री श्रेयांस कूमट ने स्वयं शिशु को गोद में उठाया और एएनएम श्रीमती उषा गोयल की उपस्थिति में वजन एवं लम्बाई मापी। उन्होंने एएनएम श्रीमती उषा गोयल की निरंतर निगरानी, समयबद्ध कार्यप्रणाली और लगन की सराहना की तथा उन्हें उत्साहित किया। इस अवसर पर श्री कूमट ने अन्य हितग्राहियों को भी उचित खान-पान, स्तनपान तथा शिशु देखभाल की सलाह दी।

निम्बाहेड़ा पुलिस की गिरफ्त में उज्जैन के फरार बदमाश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। ढांचा भवन में हवाई फायर कर मकान में आग लगाने वाले बुंदेला गैंग के तीन बदमाशों को निम्बाहेड़ा पुलिस ने अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। पिछले 24 दिनों से बदमाशों की चिमनगंज थाना पुलिस को तलाश थी। चिमनगंज थाना क्षेत्र में कुख्यात बदमाश रौनक गुर्जर के मकान में 11 अप्रैल की रात बुंदेला गैंग के बदमाशों ने आग लगा दी थी। बदमाशों ने दहशत फैलाने के लिए हवाई फायर भी किया था। चिमनगंज थाना पुलिस ने सामने आए फुटेज के आधार पर 13 लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया था। दो नाबालिग सहित 8 आरोपियों को पुलिस गिरफ्तार भी कर चुकी है। बुंदेला गैंग का मुख्य आरोपी छिंगू उर्फ यशवेन्द्र बुंदेला अपने साथियों के साथ फरार चल रहा था। बताया जा रहा है कि यशवेन्द्र, निखिल मीणा और आशुतोष को निम्बाहेड़ा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। तीनों बदमाश जलिया चेक पोस्ट से कार में गुजर रहे थे। इस दौरान निम्बाहेड़ा पुलिस ने संदेह के आधार पर कार को रोका था। तलाशी लेने पर उनके पास से देशी कट्टा और तीन जिंदा कारतूस बरामद हुए थे। पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर कार जप्त की थी। जांच में पता चला था कि तीनों बदमाश उज्जैन से फरार हैं। यशवेन्द्र बुंदेला आपराधिक प्रवृत्ति का है जिसके खिलाफ दो दर्जन के खिलाफ मामले दर्ज हैं। उसकी गिरफ्तारी पर 10 हजार का इनाम भी है। निम्बाहेड़ा पुलिस ने आरोपियों के गिरफ्तार होने की जानकारी उज्जैन पुलिस को दी है।

अग्नि सुरक्षा पर सख्ती... बिना वैध प्रमाणीकरण अस्पताल चलाए तो पंजीयन होगा निरस्त

उज्जैन में 4 से 10 मई तक अग्नि सुरक्षा सप्ताह, निजी अस्पतालों पर विशेष निगरानी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में बढ़ती गर्मी के साथ अस्पतालों में आग लगने की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। अब बिना वैध अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र के अस्पताल संचालन करने वालों पर पंजीयन निरस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी।

जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल ने बताया कि 4 मई से 10 मई 2026 तक पूरे देश में अग्नि सुरक्षा सप्ताह मनाया जा रहा है। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य संस्थानों में अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना, व्यवस्थाओं को मजबूत करना और निर्धारित दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करना है।

गर्मी के मौसम में अस्पतालों में बढ़े हुए विद्युत भार (इलेक्ट्रिक लोड) के कारण आग लगने का खतरा अधिक रहता है। ऐसे में सभी शासकीय एवं निजी अस्पतालों में मजबूत अग्निशमन व्यवस्था और वैध प्रमाणपत्र होना अनिवार्य किया गया है। नगरीय एवं आवास विभाग तथा ऊर्जा विभाग द्वारा जारी नियमों का पालन करना सभी संस्थानों के लिए जरूरी है।

इस वर्ष अग्नि सुरक्षा सप्ताह की थीम- सुरक्षित विद्यालय, सुरक्षित अस्पताल एवं अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक समाज आग से बचाव के लिए मिलकर प्रयास रखी गई है।

प्रशासन द्वारा इस दौरान जिले के सभी अस्पतालों, विशेष रूप से निजी अस्पतालों और नर्सिंग होम्स की सघन निगरानी की जा रही है। जिन संस्थानों के पास वैध अग्नि सुरक्षा प्रमाणीकरण नहीं है, उन्हें तत्काल प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं।अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय सीमा में प्रमाणीकरण प्राप्त नहीं करने वाले अस्पतालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर ऐसे अस्पतालों का पंजीयन निरस्त कर उनका संचालन बंद कराया जाएगा। प्रशासन का स्पष्ट संदेश है कि मरीजों की सुरक्षा सर्वोपरि है और अग्नि सुरक्षा नियमों के पालन में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

किसान के घर में 12 लाख की चोरी, 7 दिन बाद दर्ज किया मामला

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। किसान के मकान का दिनदहाड़े दरवाजा तोड़कर हुई 12 लाख रूपये की चोरी के मामले में 7 दिन बाद पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया। अब बदमाशों की तलाश शुरू की गई है। राघवी थाना क्षेत्र के महुडीपुरा में रहने वाला दिलीप पिता मदनलाल शर्मा खेती किसानी का काम करता है। 26 अप्रैल को उसके पुत्र महेश और पुत्री मनीषा का सामूहिक सम्मेलन में विवाह था। परिवार सुबह ग्राम पलदूना सम्मेलन में गया था। शाम 6 बजे वापस लौटा तो मकान का दरवाजा टूटा हुआ था।

घर में रखी पेटी खुली हुई थी। जिसमें रखे 12 लाख रूपये नगद गायब थे। मामले की शिकायत पुलिस से की गई। पुलिस ने जांच के बाद 4 मई की देर शाम अज्ञात बदमाशों के खिलाफ चोरी का प्रकरण दर्ज किया गया। बताया जा रहा है कि किसान दिलीप शर्मा ने बच्चों की शादी के लिये अपनी 2 बीघा जमीन का सौदा 6.67 लाख में किया था। शेष रूपये 5.33 लाख परिचित से उधार लिये थे। कुल 12 लाख उसने घर में रखे थे। जिसे बदमाश चुराकर ले गये है। आशंका जताई जा रही है कि वारदात करने वालों को घर में रूपये रखने होने की जानकारी थी। दरवाजा तोड़ने के बाद पेटी में रखे रूपये ही चोरी किये गये है।

सवा घंटा स्टेशन पर रुके जीएम, सिंहस्थ तैयारियों का लिया जायजा

महाकाल दर्शन से शुरुआत, स्पीक से आसपास के स्टेशनों का निरीक्षण- शाम को मीडिया से साझा की दौरे की जानकारी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक रामाश्रय पांडे का पहला उज्जैन दौरा व्यवस्थाओं की गहन पड़ताल के नाम रहा। उन्होंने रेलवे स्टेशन पर करीब सवा घंटे रुककर सिंहस्थ 2028 की तैयारियों को परखा और अधिकांश व्यवस्थाओं पर संतोष जताया। दौरे की शुरुआत उन्होंने तड़के महाकालेश्वर मंदिर में भस्म आरती में शामिल होकर की, इसके बाद सीधे रेलवे स्टेशन पहुंचे।

सुबह निरीक्षण के दौरान जीएम ने प्लेटफॉर्म नंबर 1 से 8 तक की व्यवस्थाओं को बारीकी से देखा। इस दौरान लिफ्ट, साफ-सफाई, टॉयलेट, टिकट विंडो, रनिंग रूम और स्वास्थ्य केंद्र की स्थिति का जायजा लिया। स्टेशन परिसर साफ-सुथरा नजर आया और व्यवस्थाएं व्यवस्थित मिलीं। निरीक्षण के दौरान उन्होंने खुद लिफ्ट का बटन दबाकर उसकी कार्यप्रणाली भी जांची।

निरीक्षण के दौरान जीएम रनिंग रूम में करीब 10 मिनट रुके, जहां कर्मचारियों के ठहरने और भोजन की सुविधाओं को देखा। इसके बाद स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर उपलब्ध चिकित्सा सेवाओं की जानकारी ली। फुट ओवरब्रिज से प्लेटफॉर्म 8 तक जाकर उन्होंने यात्रियों के लिए बनाई गई व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। जीआरपी थाने के पास बने नियंत्रण कक्ष में उन्हें नक्शे के माध्यम से सिंहस्थ के दौरान भीड़ प्रबंधन की पूरी योजना समझाई गई।

स्पीक से ट्रैक पर दौड़कर लिया जायजा- रेलवे स्टेशन निरीक्षण के बाद जीएम स्पीक (सेल्फ प्रोपेल्ड इंस्पेक्शन कार) से पिंगलेश्वर, पंवासा, मोहनपुरा और नईखेड़ी की ओर रवाना हुए। इस विशेष विस्टाडोम कोच के जरिए उन्होंने ट्रैक और आसपास चल रहे विकास कार्यों को नजदीक से देखा। यह कोच दोनों दिशाओं में चलने में सक्षम है, जिससे निरीक्षण में आसानी होती है।

रोप-वे और अन्य कार्यों पर भी नजर- दौरे के दौरान उन्होंने मालगोदाम क्षेत्र के पास बन रहे रोप-वे कार्य की भी जानकारी ली। इसके साथ ही विभिन्न स्टेशनों पर चल रहे निर्माण और उन्नयन कार्यों की प्रगति देखी। अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

मीडिया से साझा की जानकारी- दोपहर बाद उन्होंने विक्रमनगर और चिंतामण क्षेत्र का भी दौरा किया। शाम को रेलवे स्टेशन के वीआईपी कक्ष में मीडिया से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि सिंहस्थ को देखते हुए रेलवे द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं और यात्रियों की सुविधा प्राथमिकता में है। उन्होंने व्यवस्थाओं पर संतोष जताते हुए कहा कि जरूरत के अनुसार सुधार भी किए जाएंगे। इस तरह जीएम का यह दौरा सिंहस्थ 2028 की तैयारियों की जमीनी हकीकत परखने के साथ-साथ व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने की दिशा में अहम साबित हुआ।

जिले में मनाया जा रहा है फायर सेफ्टी सप्ताह

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्तमान में ग्रीष्मकालीन में तापमान में वृद्धि होने से प्रायः चिकित्सालयों में अग्नि दुर्घटना की संभावना हाई इलेक्ट्रिक लोड वाले इकाईयों में होती है। अतः रोगियों के हित में अपेक्षित है कि जिले के समस्त शासकीय एवं निजी चिकित्सालयों में सदैव सुदृढ़ अग्निशमन व्यवस्थाएं उपलब्ध रहे। इसके लिए शासकीय एवं निजी अस्पतालों में अग्नि सुरक्षा से संबंधित नियमों का नगरीय एवं आवास विभाग द्वारा जारी फायर सेफ्टी प्रमाण-पत्र विषयक परिपत्र एवं ऊर्जा विभाग द्वारा जारी विद्युत सुरक्षा प्रमाण-पत्र संबंधी परिपत्र का अनुपालन किया जाना है।

जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल द्वारा बताया कि भारत सरकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के मार्गदर्शी निर्देश के अनुक्रम में समूचे देश में दिनांक 04 मई से 10 मई 2026 तक देशव्यापी फायर सुरक्षा सप्ताह 2026 का आयोजन किया जा रहा है ताकि स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के सभी स्तरों पर अग्नि सुरक्षा के निर्धारित उपायों के प्रति जागरुकता, तत्परता एवं अनुपालन सुनिश्चित हो।

विदित हो कि इस वर्ष अग्नि सुरक्षा सप्ताह की थीम "Safe School, Safe Hospital & Fire Safety Aware Society Together for Fire Prevention" है। इस दौरान समस्त चिकित्सालयों (जिनमें निजी चिकित्सालय भी सम्मिलित हैं) में उपलब्ध अग्निशमन व्यवस्थाएं तथा यथोचित एवं वैध अग्नि सुरक्षा प्रमाणीकरण की उपलब्धता की सघन निगरानी की रही है। फायर सुरक्षा सप्ताह के दौरान ऐसे निजी चिकित्सालय/निजी नर्सिंग होम वैध अग्नि सुरक्षा प्रमाणीकरण प्राप्त करें।

इंदौर-मुंबई सेंट्रल की एसी सुपरफास्ट समर स्पेशल ट्रेन का उज्जैन के यात्रियों को भी लाभ मिलेगा

29 जून 2026 तक संचालित रहेगी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गर्मी की छुट्टियों में मुम्बई आवागमन करने वाले यात्रियों के लिए एक अच्छी खबर है। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुए पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल ने मुंबई सेंट्रल और इंदौर जंक्शन के बीच एसी सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। उज्जैन के यात्रियों को भी इस ट्रेन का लाभ मिलेगा।

इंदौर-मुंबई सेंट्रल की एसी सुपरफास्ट समर स्पेशल ट्रेन से इंदौर-मुंबई अवंतिका एक्सप्रेस, इंदौर-दौंड एक्सप्रेस और सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन में यात्रियों का दबाव काफी कम हो जाएगा और यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। यह विशेष ट्रेन 29 जून 2026 तक संचालित रहेगी। दोनों दिशाओं में कुल दूरी तय 826 किमी तय करेगी। कुल 17-17 फेरे दोनों दिशाओं में लगाए जाएंगे। ट्रेन मुंबई सेंट्रल-इंदौर के बीच प्रत्येक रविवार एवं मंगलवार को प्रस्थान रात 11=20 बजे होगी। इसी प्रकार इंदौर-मुंबई सेंट्रल के लिए प्रत्येक सोमवार एवं बुधवार को शाम 05=00 बजे प्रस्थान करेंगी। इंदौर से शाम 05=00 बजे चलकर उज्जैन, रतलाम, दाहोद, वडोदरा, सूरत, वापी, बोरीवली, मुंबई सेंट्रल सुबह 07=10 पर पहुंचेगी। इसी प्रकार मुंबई सेंट्रल से रात 11=20 बजे चलकर बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, रतलाम, उज्जैन, इंदौर अगले दिन दोपहर 01=00 बजे पहुंचेगी।

पहले से चल रही सुपरफास्ट स्पेशल - इंदौर से मुंबई के बीच पहले से ही एक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन चल रही है। मुंबई सेंट्रल-इंदौर सुपरफास्ट स्पेशल 20 अप्रैल से 29 मई तक मुंबई सेंट्रल से प्रत्येक सोमवार एवं शुक्रवार को 11.20 बजे प्रस्थान करती है और अगले दिन दोपहर 01.00 बजे इंदौर पहुंचती है। इसी प्रकार इंदौर-मुंबई सेंट्रल सुपरफास्ट स्पेशल 21 अप्रैल से 30 मई तक इंदौर से प्रत्येक मंगलवार एवं शनिवार को इंदौर से शाम 05.00 बजे प्रस्थान करती है और अगले दिन सुबह 07.10 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचती है।

ट्रेनों में यात्रा कर रहे बदमाश, हजारों के 4 मोबाइल चोरी

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ट्रेनों में यात्रियों का सामान चोरी होने की वारदात थम नहीं रही है। एक बार फिर चार ट्रेनों में यात्रियों के कीमती मोबाइल चोरी होने का मामला सामने आया है। जीआरपी ने चारों यात्रियों की शिकायत दर्ज की है।

बताया जा रहा है कि नागदा की ओझा कालोनी का रहने वाला नवीन पिता प्रेमनारायण शर्मा 34 साल इंदौर-गांधीनगर एक्सप्रेस में सोमवार रात को इंदौर से नागदा का सफर कर रहा था। उसी दौरान बदमाशों ने उसका मोबाइल चोरी कर लिया। दूसरी वारदात डेमू ट्रेन में मीता पति अनिल राठौर 50 साल निवासी मंदसौर के साथ हुई। मीता अपने पुत्र के साथ ट्रेन में सवार थी। शिप्रा ब्रिज के पास पता चला कि बेग में रखा मोबाइल गायब है। तीसरी मोबाइल चोरी की वारदात का शिकार दामोदरखेड़ी विदिशा के दीपेश अहिरवार के साथ हुई। शांति एक्सप्रेस के जनरल कोच में अहमदाबाद से इंदौर आ रहे दीपेश को मोबाइल बदमाश ने चोरी कर लिया। चौथा मामला अहमदाबाद निवासी भूपेन्द्र भाई के साथ उज्जैन स्टेशन के प्लेटफार्म नम्बर 4 पर हुआ। भूपेन्द्र अपने दोस्त संतोष यादव के साथ महाकाल दर्शन करने आये थे। वापस लौट समय ट्रेन में चढ़ने के दौरान भीड़ के बीच बदमाशों ने उनकी जेब से मोबाइल उड़ा दिया।

चारों मामलों में पुलिस ने शिकायत दर्ज कर लोकेशन ट्रेस करना शुरू किया है। ट्रेनो में सबसे अधिक मोबाइल चोरी की वारदात होना सामने आ रहा है। विगत शनिवार को ही जीआरपी ने ट्रेनों में मोबाइल चोरी करने वाले शाजापुर के बदमाश विनोद मेवाड़ा उर्फ चोंटी को गिरफ्तार किया था। जिसके पास से 1.88 लाख कीमत के 18 मोबाइल बरामद किये गये थे। बावजूद ट्रेनों में वारदात थम नहीं रही है। बदमाश भीड़ के बीच यात्रियों के मोबाइल चोरी करने के बाद बीच रास्ते में पड़ने वाले स्टापेज पर उतरकर गायब हो जाते है।

बाथरूम की ग्रिल तोड़कर बालगृह से फरार हुए तीन नाबालिग, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

शाम के समय दिया वारदात को अंजाम, पुलिस ने स्टेशन-बस स्टैंड खंगाले, पहले भी हो चुकी है ऐसी घटना

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के नागझिरी थाना क्षेत्र स्थित लालपुर बालगृह से मंगलवार शाम एक चौंकाने वाली घटना सामने आई। यहां रह रहे तीन नाबालिग बच्चों ने बाथरूम की ग्रिल तोड़कर फरार होने में कामयाबी हासिल कर ली। घटना के बाद बालगृह प्रबंधन में हड़कंप मच गया, वहीं पुलिस की टीमों ने तुरंत सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया, लेकिन देर रात तक बच्चों का कोई सुराग नहीं मिल सका।

जानकारी के मुताबिक, रोजाना की तरह जब बच्चों की गिनती की गई तो तीन बच्चे गायब मिले। जांच में सामने आया कि उन्होंने बाथरूम की लोहे की ग्रिल तोड़कर बाहर निकलने का रास्ता बनाया और फरार हो गए। यह पूरी घटना शाम करीब 6 से 7 बजे के बीच की बताई जा रही है। भागने वाले बच्चों में दो उज्जैन के और एक शाजापुर का है। खास बात यह है कि शाजापुर का बच्चा महज एक हफ्ते पहले ही यहां लाया गया था, जबकि अन्य दो बच्चे पिछले छह महीनों से बालगृह में रह रहे थे। तीनों पहले बाल संप्रेक्षण गृह में थे और सजा पूरी होने के बाद उन्हें यहां शिफ्ट किया गया था। घटना की सूचना मिलते ही नागझिरी थाना पुलिस हरकत में आ गई। पुलिस टीमों ने रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और शहर के कई संभावित ठिकानों पर तलाश की, लेकिन अभी तक कोई सफलता हाथ नहीं लगी है। पुलिस का कहना है कि बच्चों के पास मोबाइल फोन नहीं हैं, जिससे उनकी लोकेशन ट्रेस करना मुश्किल हो रहा है।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि यह पहली बार नहीं है जब इस बालगृह की सुरक्षा में सेंध लगी हो। इससे पहले 20 जनवरी को भी दो नाबालिग यहां से फरार हो चुके हैं। बार-बार हो रही ऐसी घटनाएं बालगृह की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर रही हैं।

तलाश के लिए लगाई पुलिस की अलग-अलग टीमें- नागझिरी थाना टीआई कमल निगवाल के मुताबिक, तीनों बच्चे शाम के समय बाथरूम की ग्रिल तोड़कर भागे हैं। उनकी तलाश के लिए अलग-अलग टीमें लगाई गई हैं। जल्द ही उन्हें खोज लिया जाएगा। अब सवाल यह है कि आखिर बालगृह जैसी संवेदनशील जगह पर सुरक्षा में इतनी बड़ी चूक कैसे हो गई? लगातार हो रही घटनाओं के बावजूद जिम्मेदारों ने सबक क्यों नहीं लिया। यह जांच का बड़ा विषय बन गया है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत उज्जैन द्वारा जनपद पंचायत महिदपुर के विभिन्न ग्राम पंचायतों का भ्रमण एवं विकास कार्यों का निरीक्षण किया गया

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बुधवार को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत उज्जैन श्री श्रेयांस कूमट द्वारा जनपद पंचायत महिदपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत खेड़ा खजुरिया, ग्राम पंचायत लसुड़िया मनसूर, ग्राम पंचायत गोगापुर, ग्राम पंचायत कानाखेड़ी एकलासपुर एवं ग्राम पंचायत बयैया का भ्रमण किया गया।

भ्रमण के दौरान जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत चल रहे जल संरक्षण कार्यों, प्रस्तावित वृक्षारोपण, तालाब जीर्णोद्धार एवं अन्य विकास योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया गया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

ग्राम पंचायत खेड़ा खजुरिया में आंगनवाड़ी भवन पर जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत रेन वाटर हार्वेस्टिंग तथा कवर्ड नाली का निरीक्षण किया गया।

ग्राम पंचायत लसुड़िया मनसूर में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत चेकडैम का निरीक्षण किया गया। आसपास निर्मित कपिल धारा कूप में जल स्तर वृद्धि का अवलोकन कर स्थानीय कृषकों को फसल उत्पादन बढ़ाने के लिए फसल परिवर्तन (क्रॉप डाइवर्सिफिकेशन) की समझाइश दी गई।